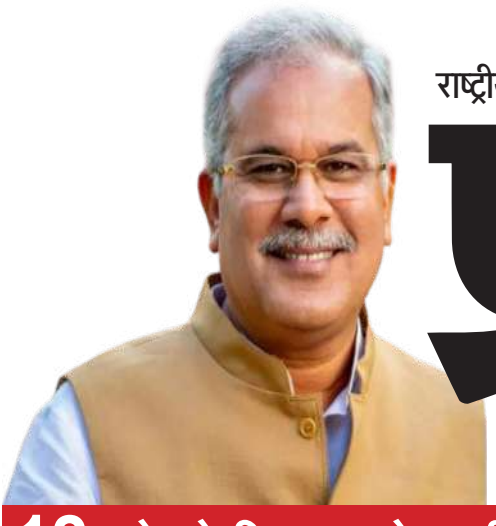

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 बघेल के खिलाफ बघेल, छीसगढ़ में फिर होगा चाचा-भतीजे..... बीरेन सिंह को मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में कमांडो भेजने से रोके, कुकी..... 12

वर्ष : 11 | अंक : 99 | पटना, शनिवार, 19 अगस्त, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा है भारत : पीएम मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आर्थिक स्थिति के बारे में आकर्षक तस्वीर पेश करने वालीं कुछ रिपोर्ट का जिक्र करते हुए शुक्रवार को कहा कि भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है और यह आर्थिक समृद्धि के नए युग के मुहाने पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर लिखी एक टिप्पणी में कहा कि उन्होंने हाल ही में प्रकाशित दो शोधपरक लेख देखे हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर उत्साही रुख रखने वाले सभी लोगों को पसंद आएंगे। इनमें से एक रिपोर्ट एसबीआई रिसर्च की है, जबकि दूसरी रिपोर्ट पत्रकार अनिल पद्मनाभन ने लिखी है। प्रधानमंत्री ने कहा, ये रिपोर्ट कुछ ऐसे पहलू पर रोशनी डालती हैं जिन्हें देखकर हमें बहुत खुश होना चाहिए। इसके मुताबिक, भारत न्यायोचित एवं सामूहिक समृद्धि हासिल करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। उन्होंने इन

रिपोर्ट में दिए गए कुछ आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि एसबीआई रिसर्च ने जमा किए गए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के आधार पर वित्त वर्ष 2022-23 में भारित औसत आय 13 लाख रुपये पर पहुंचने की बात कही है, जबकि कर आकलन वर्ष 2013-14 में यह 4.4 लाख रुपये थी। प्रधानमंत्री ने इन रिपोर्ट से ऐसे कई आंकड़े पेश करते हुए कहा कि ये निष्कर्ष न केवल भारत के सामूहिक प्रयासों को दशार्ते हैं बल्कि एक देश के तौर पर भारत की क्षमता को भी दिखाते हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय प्रगति के लिए समृद्धि बढ़ना अच्छी बात है। निस्संदेह हम आर्थिक समृद्धि के एक नए युग के मुहाने पर खड़े हैं और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने की राह पर अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरा होने तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प कई बार जता चुके हैं। भारत इस समय दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री की लिंक्डइन पोस्ट के मुताबिक, पद्मनाभन की आईटीआर आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट विभिन्न आय समूहों में कर-आधार बढ़ने और प्रत्येक समूह के रिटर्न जमा करने में कम-से-कम तीन गुना वृद्धि होने का जिक्र करती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से लेकर 2023 के बीच जमा किए गए आईटीआर की तुलना करने पर सभी राज्यों में बढ़ी हुई कर भागीदारी की एक खुशनुमा तस्वीर नजर आती है। उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर आईटीआई आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि उत्तर प्रदेश आईटीआर जमा करने के मामले में अग्रणी प्रदर्शन वाले राज्य के रूप में उभरा है। इसके साथ ही उन्होंने एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर कहा कि मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड जैसे छोटे राज्यों ने भी पिछले नौ साल में आईटीआर दाखिल होने के मामले में 20 प्रतिशत से अधिक बढ़त दर्ज की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह दशार्ता है कि न केवल लोगों की आमदनी बढ़ी है बल्कि कर अनुपालन भी बढ़ा है। यह हमारी सरकार के प्रति लोगों में मौजूद विश्वास की भावना की अभिव्यक्ति है।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
संसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संक्षिप्त खबरें

मोतिहारी में नक्सली कमांडर के घर एनआईए ने की छापेमारी

पूर्वी चंपारण। जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में एनआईए की टीम ने नक्सली कमांडर रामबाबू राम के घर पर छापेमारी की है। शुक्रवार सुबह 5 बजे ही एनआईए की टीम उनके आवास पर छापेमारी करने पहुंची। जहां घंटों चले सर्च अभियान के दौरान एनआईए ने कई आपत्तिजनक कागजात बरामद किये हैं। इसके साथ ही एनआईए ने रामबाबू के भाई के घर पर भी दबिश दी। वहां भी सर्च अभियान में टीम ने कई कागजात बरामद किए हैं। हालांकि किस प्रकार के कागजात वहां से बरामद हुए हैं, उनका विस्तृत ब्योरा प्राप्त नहीं हो सका है लेकिन बताया जा रहा है सभी कागजातों को जब्त कर एनआईए की टीम लौट गई है। उल्लेखनीय है कि मधुबन थाना क्षेत्र के कौरिया गांव का रहने वाला रामबाबू 90 के दशक में काफी सक्रिय था। उसने पूर्वी चंपारण जिले में काफी आतंक मचा रखा था।

राज्य सरकार के कार्य क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास का काम : नीतीश

मुख्यमंत्री ने पटना हवाई अड्डा के नवनिर्मित सिविल विमानन निदेशालय भवन का किया उद्घाटन

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को पटना हवाई अड्डा के नवनिर्मित सिविल विमानन निदेशालय भवन का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सिविल विमानन निदेशालय भवन का निरीक्षण किया। नवनिर्मित भवन के मीटिंग हॉल में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने पटना हवाई अड्डा पर चल रहे निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भी जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम के पश्चात पटना हवाई अड्डा से निकलकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार का जो क्षेत्र है वहां

पर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। एक हिस्से का काम हो गया है और एक हिस्से का कार्य प्रगति पर है, उसका हम जायजा लेने आए हैं। बहुत पहले ही हमने इस सड़क का चैड़ीकरण करवाया ताकि पटना एयरपोर्ट तक लोगों का आवागमन आसान हो सके। यह क्षेत्र बहुत ही ऐतिहासिक है इसलिए यहां ज्यादा कुछ छेड़छाड़ कर निर्माण कार्य नहीं कर सकते हैं और वृक्षों को काटना भी ठीक नहीं है। बगल से भी हमलोग रास्ता बनवा रहे हैं ताकि पटना हवाई अड्डा तक पहुंचने में किसी को कोई दिक्कत नहीं हो। जब बिहटा एयरपोर्ट बन जाएगा तो फिर कोई दिक्कत नहीं होगी। दोनों एयरपोर्ट तक लोगों को आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, अपर पुलिस महानिदेशक, विशेष शाखा सुनील कुमार, पटना के जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के निदेशक अंचल प्रकाश, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के जेनरल मैनेजर केएस विजयन सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

पत्रकार की हत्या पर सीएम ने जताया दुख

● **बोलें- दोषियों पर शीघ्र होगी कार्रवाई** अररिया में पत्रकार की हत्या से संबंधित प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत दुःख की बात है। मुझे इसकी जानकारी मिली तो मैंने तुरंत अधिकारियों को कहा कि घटना के संबंध में पता करें। यहां आने से पहले मैंने ये खबर देखी है। कैसे एक पत्रकार की इस तरह हत्या हो जाती है, अधिकारी इसको देख रहे हैं। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। वर्षा नहीं होने से सूखे की स्थिति बनने से संबंधित प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इसे देख रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जहां धान की रोपनी कम हुई है उस पर भी हमलोगों की नजर है।

चारा घोटाला : सीबीआई ने लालू यादव की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती, 25 को सुनवाई

प्रात : किरण

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने चारा घोटाले के दोषी पूर्व मुख्यमंत्री सह राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से दी गयी जमानत रद्द करने की गुहार लगाते हुए शुक्रवार को शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया। श्री यादव (74) उच्च न्यायालय से जमानत के बाद जेल से बाहर हैं। शीर्ष अदालत सीबीआई की याचिका पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय की ओर से लालू यादव को जमानत देने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर वह 25 अगस्त को सुनवाई करेगी। पीठ के समक्ष विशेष उल्लेख के दौरान सीबीआई ने शुक्रवार को अपनी याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार लगाई थी, जिसे स्वीकार करते हुए पीठ ने मामले को 25 अगस्त के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

झारखंड उच्च न्यायालय ने दुमका, चाईबासा, डोरंडा और देवगढ़ कोषागार से निकासी के चार मामलों में लालू को जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख को डोरंडा कोषागार मामले में जमानत दे दी थी, जिसमें सीबीआई की विशेष अदालत ने उन्हें पांच साल जेल की सजा सुनाई थी। श्री यादव डोरंडा कोषागार में 139 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले से जुड़े पांचवें चारा घोटाले के मामले में रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने पांच साल जेल की सजा सुनाई थी और 60 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था।

चांद को चूमने के लिए लैंडर की गति डीबूस्ट

प्रात : किरण

चेन्नई/ एजेंसी। चांद से कुछ ही दिनों की दूरी पर चक्कर काट रहे चंद्रयान -3 के लैंडर विक्रम को 30 किमी के निकटतम बिंदु (पेरिल्यून) और 100 किमी के सबसे दूर बिंदु (अपोल्यून) वाली कक्षा में स्थापित करने के लिए शुक्रवार को इसकी गति को सफलतापूर्वक कम किया गया। अब चंद्रयान-3 चांद पर कदम रखने से चंद दिन ही दूर है। इसरो की ओर से जारी बयान में कहा गया,सॉफ्ट लैंडिंग की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए आज शाम चार बजे लैंडर की गति को डीबूस्ट किया गया। इसरो के वैज्ञानिकों का मानना है कि इस बार लैंडर विक्रम सफलतापूर्वक चांद की सतह पर उतर जायेगा। गुरुवार को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से अलग हुए विक्रम लैंडर की कक्षा को आज घटाकर 113 किमी गुणा 157 किमी कर दिया गया। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन 20 अगस्त की सुबह दो बजे किया जायेगा। इसरो ने कहा कि लैंडर का स्वास्थ्य सामान्य है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 मिशनः द लैंडर मॉड्यूल (एलएम) का स्वास्थ्य सामान्य है। लैंडर ने सफलतापूर्वक एक डीबूस्टिंग ऑपरेशन किया जिससे इसकी

कक्षा कम होकर 113 किमी गुणा 157 किमी हो गयी। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन लगभग 20 अगस्त, 2023 को सुबह दो बजे निर्धारित है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने चंद्रयान -3 की लैंडिंग के संबंध में कहा था, लैंडिंग का सबसे जरूरी हिस्सा लैंडर गी गति को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से अंतिम लैंडिंग तक लाने की प्रक्रिया है और व्हीकल को हॉरिजॉन्टल से वर्टिकल डायरेक्शन में पहुंचाने की क्षमता वो प्रक्रिया है जहां हमे पूरी कुशलता देखानी होगी। पूरी प्रक्रिया को कई बार दोहराया गया है। इन सभी चरणों में आवश्यक प्रक्रिया को नियंत्रित करने और उचित लैंडिंग करने की कोशिश के लिए कई एल्गोरिदम लगाए गए हैं। अगर 23 अगस्त को लैंडर चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करता है तो ये भारत की बड़ी कामयाबी होगी।

पत्रकार की गोली मारकर हत्या, विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

प्रात : किरण

अररिया/पटना। बिहार के अररिया जिले में शुक्रवार सुबह अज्ञात लोगों ने एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। विमल कुमार यादव (35) की प्रेमनगर गांव में उनके आवास पर हत्या कर दी गई। वह एक हिंदी दैनिक के लिए काम करते थे। बिहार पुलिस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ह्यहमलावरों ने सुबह करीब 5.30 बजे यादव के घर का दरवाजा खटखटाया और जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, उन्होंने (हमलावरों) गोलीबारी शुरू कर दी। यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला पुलिस प्रमुख और संबंधित रानीगंज थाने के प्रभारी वहां पहुंचे। अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने कहा, ह्यशव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच जारी है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों और खोजी कुत्तों को बुलाया गया है। बताया जाता है कि विमल का पड़ोसी के साथ पुराना विवाद था। सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला और दावा किया कि इस घटना से पता चलता है कि ह्यबिहार में लोकतंत्र खतरे में है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा, अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं जबकि बिहार में निर्दोष नागरिकों, पत्रकारों और यहां तक कि पुलिसकर्मियों की भी हत्या की जा रही है।

मणिपुर में फिर हुई हिंसा, तीन शव मिले

प्रात : किरण

इंफाल/ एजेंसी। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में संघर्ष की ताजा घटना में शुक्रवार को उखरूल जिले के कुकी थोवाई गांव में भारी गोलीबारी के बाद तीन लोगों के क्षत-विक्षत शव मिले। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ताजा हिंसा लिटान पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक गांव में हुई, जहां सुबह-सुबह गोलियों की आवाज सुनाई दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आसपास के गांवों और जंगलों की गहन तलाशी ली और 24 वर्ष से 35 वर्ष की उम्र के तीन लोगों के शव पाए गये। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों शवों पर धारदार चाकू से हमले के निशान है तथा उनके हाथ-पैर भी कटे हुए हैं। पूर्वोत्तर राज्य में बहुसंख्यक मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किये जाने के दौरान तीन मई को हिंसा भड़की थी। तब से राज्य में 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मणिपुर की कुल आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी नगा और कुकी समुदाय के लोगों की संख्या 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

अब चुनाव तक यह चलता रहेगा : तेजस्वी

प्रात : किरण

पटना। लालू प्रसाद यादव की जमानत रद्द करने को लेकर सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट हलफनामा दायर किया है, जिसके बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस मामले में बड़ा बयान देते हुए कहा है कि यह प्रयास अब चुनाव तक चलता रहेगा। इन सब का कोई मतलब है क्या। पटना में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान मीडिया से जुड़े सवालों के जवाब में तेजस्वी ने कहा कि कोर्ट में हमलोग अपना पक्ष रखेंगे और होना जाना कुछ नहीं है। लालू को लोग कितना भी तंग करें या डिस्टर्ब करें कुछ होने वाला नहीं है। हम लोग को जो करना है, उसके लिए हम लोग क्लियर हैं। इन लोग से ना कोई डरता है ना हम डरेंगे। हमलोग लड़ेंगे और जीतेंगे। प्रदेश में बढ़ते पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा है कि बीजेपी का यही काम है बिहार को बदनाम करना। जितना बीजेपी ने बदनाम किया है शायद ही और किसी ने किया होगा।क्राइम के रिकॉर्ड में सबसे ज्यादा क्राइम दिल्ली के एनसीआर में है।हत्या किडनैपिंग लूट, होम मिनिस्ट्री के अंदर यह सब आता है और वहां क्राइम सबसे ज्यादा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पर्वत पुरूष स्व दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी एवं भागीरथ मांझी की पुत्री एवं दामाद मिथुन मांझी मुलाकात करते हुये। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चैधरी एवं जल संसाधन तथा सूचना एवं जन-सम्पर्क मंत्री संजय कुमार झा उपस्थित थे।

प्रतियोगिता फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री ने किया सम्मानि.....

बिहार पर्यटन की नेशनल ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल ब्रांडिंग हो रही है : तेजस्वी

प्रात : किरण

पटना/ एजेंसी। बिहार सरकार राज्य के पर्यटन स्थलों की नेशनल ही नहीं बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर ब्रांडिंग कर रही है। पर्यटन विभाग ने पिछले कई माह से काफी इनोवेटिव आइडिया के साथ योजनाओं की शुरूआत की है। हम यह जानते हैं कि बिहार लोकतंत्र की जन्मभूमि रही है। हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म हो या सिख धर्म सभी धर्मो के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल इसी राज्य में है। हमारे पास विरासत और ऐतिहासिक स्थलों की कमी नहीं है। इसकी ज्यादा से ज्यादा ब्रांडिंग हो, यही पर्यटन विभाग का लक्ष्य है। उक्त बातें उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के उपरांत अपने संबोधन में कही। पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि बिहार के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं फोटोग्राफर को प्रेरित करने हेतु फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन 01 फरवरी से 16 फरवरी के बीच किया गया था। इस प्रतियोगिता में बिहार राज्य से 2120 तथा अन्य 22 राज्यों से 307 प्रतिभागी सम्मिलित हुए थे। इनमें राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 03 विजेताओं तथा बिहार राज्य से जिलावार एक-एक विजेताओं के साथ 10 अन्य को सांत्वना पुरस्कार आज दिया जा

रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में फोटोग्राफी प्रतियोगिता की निर्णायक समिति के सदस्य अजय कुमार पांडे, रविशंकर और शिशिर कुमार को सम्मानित भी किया।

इसके पूर्व विभागीय सचिव अभय कुमार सिंह ने पर्यटन विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि हमलोग अपने राज्य के पर्यटन स्थलों पर गर्वबोध कर सकें, इसको ध्यान में रखते हुए नीतियां और कार्यक्रम बनाकर उसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। सबसे पहले आधारभूत संरचनाओं को बेहतर बनाया जा रहा है, एक्सपीरियंस टूरिज्म को बढ़ावा देते हुए ब्रांडिंग की जा रही है और इको के साथ एडवेंचर टूरिज्म का विकास किया जा रहा है। हम जल्द ही नई पर्यटन नीति को लेकर काम कर रहे हैं, ताकि नए उद्यमी पर्यटन क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा निवेश कर सकें।

उपमुख्यमंत्री ने रील मेकिंग प्रतियोगिता और ई-टिकटिंग सिस्टम की शुरूआत की

पटना। उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने रील मेकिंग प्रतियोगिता और ई-टिकटिंग सिस्टम की शुरूआत भी की। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि बिहार में ज्यादा से ज्यादा पर्यटक आएं और यहां घूमें, इसको ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के साथ ऐसी जगहें, जहां के बारे में कम जानकारी है, उनको भी प्रमोट किया जा रहा है। पर्यटन विभाग ने वाटर स्पोर्ट्स एक्टीविटीज को बढ़ावा देने के लिए ओढ़नी डैम, बांका और अमवामन, बेतिया में इसकी शुरूआत की है। वहां पर्यटकों का आवागमन भी बढ़ा है। अभी हम एडवेंचर टूरिज्म की भी शुरूआत करने वाले हैं। इसके पहले राज्य के सभी गाइडों की ट्रेनिंग का काम पूरा किया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग पर्यटकों को बिहार के पर्यटन स्थलों के भ्रमण करने के साथ उन्हें इसका प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस रील मेकिंग प्रतियोगिता की शुरूआत कर रहा है। 1-14 सितंबर तक इस प्रतियोगिता में आम लोग शिरकत कर सकेंगे। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य यह भी है कि बिहार के पर्यटकीय स्थलों की ख्याति व्यापक स्तर पर हो सके तथा यहाँ के पर्यटन स्थलों के बारे में लोगों के बीच रुचि पैदा करते हुए उन्हें जागरूक किया जाए। आज के युवाओं में रील का कितना क्रेज है, इसे ध्यान में रखते हुए हम पर्यटन स्थलों से जुड़े रील मेकिंग प्रतियोगिता की शुरूआत आज से ही कर रहे हैं, जिसमें भाग लेने वाले सभी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उन्होंने पटना में आगामी 7-8 अक्टूबर को आयोजित होने वाले सबसे बड़े पर्यटन शो ट्रैवेल और टूरिज्म फेयर की घोषणा की और इसका ब्रॉशर भी लोकार्पित किया। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यह राज्य में टूरिज्म का सबसे मेगा शो होगा जिसमें देश भर से पर्यटन से जुड़े दिग्गज शिरकत करेंगे। इससे पर्यटन क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा रोजगार का सृजन होगा और राष्ट्रीय स्तर पर बिहार के पर्यटन स्थलों की बड़े पैमाने पर ब्रांडिंग होगी।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता में इन्हें किया गया सम्मानितः

प्रथम पुरस्कारः सैकत कुमार बरूई, प. बंगालः 50 हजार

द्वितीय पुरस्कारः वरुण कुमार दत्ता, प. बंगालः 30 हजार

तृतीय पुरस्कारः शिवानी सिंह, बिहारशरीफः 20 हजार

इसके साथ ही बिहार के अन्य 27 जिलों से हर विजेता को 10 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

राजौरी मुठभेड़ में आतंकवादी का शव बरामद

प्रात : किरण

जम्मू/ एजेंसी। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में मुठभेड़ के करीब दो सप्ताह बाद विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीम ने यहां से दूसरे आतंकवादी का शव बरामद किया है। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने शुक्रवार को बताया कि खवास इलाके में मुठभेड़ में घायल दूसरे आतंकवादी का शव एसओजी को रियासी के ढकीकोट में पाया गया। गौरतलब है कि खवास में पांच अगस्त को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में एक आतंकवादी की मौत हो गयी थी जबकि दूसरा आतंकवादी घायल हो गया था। इ सदौरान ग्रेनेड, मैगजीन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी मौके से बरामद किये गये थे।

संक्षिप्त खबरें

बदमाशों द्वारा एक पिकअप वैन पर लदे मैदा और चोकर लूट

फतुहा। बाइक सवार बदमाशों द्वारा एक पिकअप वैन पर लदे मैदा और चोकर लूट लिए जाने का मामला सामने आया है। पिकअप वैन मालिक नालंदा रहुई थाने के मिल्कीपर निवासी चंद्रजीत कुमार ने शुक्रवार को फतुहा थाने में अज्ञात के खिलाफ लिखित शिकायत की है। वैन मालिक के अनुसार गत 15 अगस्त को दीदारगंज चेकपोस्ट स्थित आर बी न्यूट्रेशन प्राइवेट लिमिटेड से 25 बोरी चोकर तथा 50 बोरी मैदा बिहार शरीफ अदिति टेलर के यहां जाने के लिए लोड हुआ था। लोड हुए आटा-चोकर की कीमत 86, 150 रुपए थी। रहुई नवादापर निवासी वैन चालक शिवचंद कुमार 15 अगस्त की रात करीब 11 बजे बिहार शरीफ के लिए चला। करीब 12 बजे रात को नयकारोड के समीप तीन बाइक पर सवार 8 बदमाशों ने वैन रुकवाकर चालक को बंधक बनाते हुए एक बाइक पर बिठा लिया और वैन को फोरलेन होते फतुहा थाने के नत्थुपुर स्कूल के पास ले गया। वहां उनलोगों ने सारा सामान उतार लिया और पिकअप वैन के साथ चालक को छोड़ दिया। इसके बाद चालक ने मालिक को सूचना दी। वैन मालिक ने बताया कि इसके बाद चालक की सूचना पर फतुहा पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर छानबीन की थी। वहीं पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए आगे की कार्रवाई कर रही है।

देश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे बैंक : नंदकिशोर

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री व विधायक नंदकिशोर यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बैंकों की स्थिति काफी बेहतर हुई है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का प्रदर्शन शायद ही कभी इतना अच्छा रहा है। भारतीय स्टेट बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मुनाफे में 178 फीसदी का उछाल दर्ज किया है। अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। श्री यादव ने कहा कि भारतीय बैंक अब सिर्फ रुपए जमा करने के केंद्र नहीं हैं, अपितु पीएम के नेतृत्व में बैंक अब देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बैंकों के माध्यम से सरकार जन-धन खाता समेत अनेक विकासपरक योजनाएं चला रही हैं। पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में महती भूमिका निभाई है। बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ कर लोग सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

रानीगंज में पत्रकार की हत्या पर पूर्व सांसद ने जताया गहरा शोक

पूर्णिया । पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने रानीगंज के दैनिक जागरण अखबार के युवा संवाददाता विमल यादव की निर्मम हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए हत्या की कड़े शब्दों में निंदा की है। उदय सिंह ने विमल की हत्या पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में इस तरह के बर्बर कृत्य को तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होने कहा कि विमल की हत्या को घर पर इस तरह अंजाम देना बड़ा ही दुखद है। इससे पूर्व भी विमल के भाई की हत्या कर दी गई थी। उदय सिंह ने बिहार सरकार से विमल यादव की निर्मम हत्या को गंभीरता से लेने की मांग की है ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।
उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे पीड़ित परिवार के साथ हैं।

ट्रक में रहे 300 कार्टन शराब जब्त, चालक, खलासी व अन्य फरार

कटरा बाजार समिति परिसर में अनलोडिंग के पूर्व मालसलामी थाना पुलिस की कार्रवाई

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मालसलामी थाना की पुलिस ने कटरा बाजार समिति परिसर से ट्रक से विदेशी शराब जब्त किया है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि विदेशी शराब का खेप ट्रक पर लदा है। इसी सूचना के बाद टीम गठित कर उनके नेतृत्व में छापेमारी की गई। छापेमारी में प्रशिक्षु दारोगा संजय सिंह, पीएसआई अभिषेक कुमार, प्रियंका कुमारी के साथ अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। बताया गया कि गश्ती के दौरान मालसलामी थाना की पुलिस कटरा बाजार समिति परिसर में प्रवेश की। उस दौरान एक ट्रक संदिग्ध स्थिति में खड़ा था और उससे कार्टन अनलोड किया जा रहा था। जैसे ही पुलिस की गाड़ी पर नजर पड़ी, वैसे ही चालक, खलासी और अन्य लोग भाग खड़े हुए। इस दौरान जब ट्रक के पास पहुंच कर जांच की गई, तो उस पर फेविकोल लदा था। उसके बीच में रहे कार्टन में विदेशी शराब की बोतल थी। पुलिस ने जब संदिग्ध खड़े ट्रक की तलाशी ली, तब फेविकॉल के बीच में शराब का कार्टन छिपा कर रखा पाया गया। इसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। छापेमारी के दौरान ट्रक का चालक, खलासी के साथ ही अन्य भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष के अनुसार हरियाणा के चंडीगढ़ से यह ट्रक आया था। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मामले में जांच-पड़ताल कर रही है। ट्रक के डाला के तीन ओर फेविकोल रखा गया था और बीच में विदेशी शराब से भरा बोतल कार्टन में रखा हुआ था। जब्त विदेशी शराब की कीमत लाखों में बताई जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब के कार्टन का पहले गिनती कराया गया। इसके बाद उसकी मात्रा निकाली जा रही है। फेविकोल के केन (जार) में भी शराब की बोतल पाई गई है। पुलिस बाजार समिति परिसर में प्रवेश के रास्ते में रहे सीसीटीवी को खंगालने में लगी है, ताकि पता किया जा सके कि उसके आगे-पीछे या ट्रक पर कौन-कौन लोग सवार थे, ताकि उसी अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। पुलिस शराब सहित ट्रक को जब्त कर ली है। मामला दर्ज किए जाने की कार्रवाई भी चल रही है।

पटना। 16वीं वर्ल्ड डैज्गन बोट चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले भारतीय टीम में शामिल बिहार के खिलाड़ियों से मुलाकात करते हुये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। मुख्यमंत्री ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी। इस चैम्पियनशिप का आयोजन 7 से 13 अगस्त के बीच थाईलैंड में सम्पन्न हुआ। इसमें पदक जीतने वाली भारतीय टीम में बिहार के 6 खिलाड़ी शामिल थे।

सद्भावना दिवस के उपलक्ष्य में शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत शुक्रवार 18 तारीख को दानापुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के प्रांगण में सद्भावना दिवस के उपलक्ष्य में शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जयंत कुमार चौधरी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना देश की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलायी । उन्होंने हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाने के लिए भी रेलकर्मियों का आह्वान किया ।

डिप्टी सीएम के उद्घाटन 3 माह बाद भी सिटी स्कैन चालू नहीं

● बिजली कनेक्शन नहीं मिलने के विरोध में किया प्रदर्शन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव के द्वारा करीब तीन माह पूर्व स्थापित किए गए सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन कर दिया गया। मगर इसका लाभ अब तक मरीजों को नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि बिजली विभाग अस्पताल प्रशासन को कह रहा है कि वह अपना बिजली ट्रांसफार्मर लगाए, तब वह बिजली का संबंध में दे देंगे। वहीं अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जब हमें बिजली का कनेक्शन लेना है, तो ट्रांसफॉर्मर और लोड बढ़ने पर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने या अतिरिक्त लगाने का काम आपका है, न कि अस्पताल प्रशासन का। इसी जद्दोजहद के बीच अब तक बिजली का संबंधन नहीं मिलने के कारण अस्पताल में स्थापित सीटी स्कैन मशीन चालू नहीं हो पाया है। इस मुद्दे को लेकर गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल सुधार समिति के द्वारा अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया गया। इन सबों का कहना था कि लगभग तीन माह पूर्व डिप्टी सीएम सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव के द्वारा सीटी स्कैन मशीन का उद्घाटन किया गया। इसके बाद भी यह मशीन अबतक चालू नहीं होने के कारण मरीज एवं उनके अभिभावकों में आक्रोश को देखते हुए घंटों प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व सुधार समिति के महासचिव सह पूर्व पार्षद बलराम चौधरी और उपाध्यक्ष मोहम्मद जावेद ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के उद्घाटन के लगभग तीन माह में चालू नहीं होना यह अस्पताल एवं बिजली विभाग की लापरवाही दशार्ता है। भाकपा के देवरतन प्रसाद ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के उद्घाटन के ही दिन सीटी स्कैन मशीन को चालू हो जाना चाहिए था। माले नेता रामनारायण सिंह ने कहा कि आने वाले मरीजों को अस्पताल में सीटी स्कैन कराने के लिए प्राइवेट में जाना पड़ रहा है। तीन माह में सीटी स्कैन चालू नहीं होना अस्पताल एवं बिजली विभाग के अभियंताओं पर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसे पदाधिकारी सरकार को बदनाम कर रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल एजाजुदीन उर्फ शानू, देवेंद्र राय, लीलाधर गुड्डू, धर्मवीर पासवान, रामजी साहनी, शशि कुमार, दीना ठाकुर, रिंकू यादव, सायला देवी, मंजू, रिंकी देवी सुल्ताना परवीन, शाहिना परवीन आदि बड़ी संख्या में लोगों ने नारा लगाते हुए कहा कि सिटी स्कैन मशीन चालू करो, सिटी अस्पताल की कुव्यवस्था दूर करो आदि। नेताओं ने कहा है कि एक सप्ताह के अंदर मशीन चालू नहीं हुआ, तो आंदोलन किया जाएगा।

केला मंडी तिराहे पर कचरा डंप, कारोबारिया व अन्य परेशान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मुसल्लहपुर बाजार समिति के केला मंडी तिराहे के पास कचरा डंप किया जा रहा है। इससे यहां पर कारोबार करने वाले या इस रास्ते से गुजरने वालों को कारोबार करने और गुजरने के दौरान दुर्गंध से परेशानी होती है।पाटलिपुत्रा नगर विकास समिति के तत्वावधान में संजय मेहता की अध्यक्षता में स्थानीय लोगों के साथ बैठक हुई। इसमें इस स्थान चारों ओर से कचरा लाकर डंप करने का विरोध किया गया। संजय मेहता ने बताया कि चारों ओर बदबू फैलने से गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। समिति के अध्यक्ष रितेश कुमार बबलू ने बताया कि प्रतिदिन दस हजार से अधिक लोगों का यहां आना-जाना होता है। छात्र, खरीदार, चालक, खलासी से लेकर स्थानीय लोगों की लगभग एक लाख की आबादी इस कचरा के यहां डंप होने से सभी त्रस्त हैं। छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग लोग विभिन्न बीमारियों से ग्रस्त भी हो रहे हैं। दुर्गन्ध के कारण स्थानीय होटल का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। धीरे-धीरे समस्या इस कचरे के कारण गंभीर होती जा रही है। कचरा के सड़क पर आ जाने से जाम की भी समस्या प्रतिदिन हो रही है। परेशान होकर इसके विरोध मे बैठक हुई, जिसकी सूचना निगमायुक्त तथा बांकीपुर अंचल कार्यालय के कार्यपालक पदाधिकारी को भी दी गई है। बांकीपुर अंचल के निगम कर्मियों का कहना है कि वह सब यदि यहां कचरा डंप करते हैं, तो इसके बाद उठाने का भी काम करते हैं। दरअसल आसपास में कोई भी ऐसी जगह नहीं है, जहां कचरा एक जगह इकट्ठा कर उसे उठाकर रामाचक बैरिया ले जाकर गिराया जा सके।

मंत्री के उद्घाटन के बाद भी सीटी स्कैन चालू नहीं होना जनता के साथ धोखा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। भारतीय जनता पार्टी पटना महानगर के मीडिया प्रभारी प्रदीप काश ने कहा कि तीन माह पूर्व श्री गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में बिहार के उप मुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव के द्वारा सीटी स्कैन का उद्घाटन किया गया था। मगर तीन माह बीत जाने के बाद भी अब तक चालू नहीं हुआ है। अपने कार्यकताओं की आवाज महागठबंधन की सरकार में शामिल मंत्री और जनप्रतिनिधि नहीं सुनते हैं।महीनों बीत जाने के बाद भी सिटी स्कैन का चालू नहीं होना स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही दशार्ता है, जो बार-बार यहां मिशन परिवर्तन के कार्य का जायजा लेने आते हैं। पेसू के अभियंताओं का भी दुस्साहस है कि जिसका उद्घाटन सूबे के डिप्टी सीएम ने किया है, उसे शुरू करने के लिए बिजली का संबंधन देने में भी टालमटोल किया जा रहा है।

महागठबंधन की सरकार होने के बाद भी इसमें शामिल राजद, भाकपा, माले, कांग्रेस आदि दल के स्थानीय नेताओं द्वारा प्रदर्शन इस बात को दशार्ता है कि महागठबंधन की सरकार में भी पार्टी के नेता व कार्यकताओं की बात नहीं सुनी जाती है।

मां ब्लड सेंटर ने रेयरेस्ट ऑफ रेयर बॉम्बे ब्लड ग्रुप फ्री कराया उपलब्ध

पटना एम्स ने पत्र भेज डेंगू पीड़ित भर्ती एक बच्ची की बताई जरूरत

पटना, प्रात :किरण संवाददाता

आमतौर पर इंसानों में ए+, बी+, एबी+, ओ+ या ए-, बी-, एबी-, ओ- जैसे ब्लड ग्रुप पाए जाते हैं। लेकिन एक ऐसा ब्लड ग्रुप भी है, जिसके बारे में शायद ही किसी को पता हो। दुनिया में यह बेहद दुर्लभ ब्लड ग्रुप है। इसकी वजह से इस ग्रुप का डोनर मिलना भी मुश्किल होता है। यह बहुत कम लोगों के शरीर में पाया जाता है। इस कारण इसे गोल्डन ब्लड कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम आरएच नल ब्लड ग्रुप (फ्ल ठ४'' इ'ङ्क्ष्ङ्क्ष्ङ्क्ष्ङ्क्ष्स्र) है। कहा जाता है कि इस ब्लड ग्रुप को किसी भी ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को चढ़ाया जा सकता है। क्योंकि किसी भी ब्लड ग्रुप के साथ यह आसानी से मैच हो जाता है। यह ब्लड ग्रुप सिर्फ उस व्यक्ति के शरीर में मिलता है, जिसका आरएच फैक्टर नल (आरएच-नल) होता है। पटना के एम्स में बॉम्बे ब्लड ग्रुप से जुड़ा एक मामला संज्ञान में आया है। रोहतास के 14 साल की बच्ची डेंगू से पीड़ित है और फिलहाल वह पटना एम्स में भर्ती है। एम्स पटना द्वारा मां ब्लड सेंटर को बॉम्बे ब्लड ग्रुप का एक यूनिट उपलब्ध कराने के लिए पत्र भेजा गया। मां ब्लड सेंटर से जुड़े डॉ यूपी सिन्हा के नेतृत्व में अमर तथा अमन द्वारा जब पीड़ित बच्ची के खून के नमूने की जांच की गई, तो सब हैरत में पड़ गए। उस बच्ची के खून का नमूना बॉम्बे ब्लड ग्रुप था। मां ब्लड सेंटर के संस्थापक मुकेश हिसारिया और सरदार जगजीवन सिंह के अथक प्रयास के बाद भी पटना के किसी भी ब्लड सेंटर या ब्लड बैंक में इस ग्रुप का ब्लड नहीं मिला। अंततः बिहार के बाहर विभिन्न ब्लड बैंकों से उक्त ग्रुप का ब्लड प्राप्त करने के प्रयास के दौरान श्री हिसारिया ने मुंबई के लाइफ ब्लड काउंसिल के विनय शेट्टी से संपर्क किया। श्री शेट्टी के अद्भुत सेवा भावना के फलस्वरूप सायन ब्लड सेंटर, मुंबई और काई वामनराव ओक ब्लड बैंक, थाणे के सौजन्य से बॉम्बे ब्लड ग्रुप का दुर्लभ ब्लड की आपूर्ति संभव हो पाया। मां ब्लड सेंटर द्वारा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत सभी कागजी प्रक्रिया पूरी कर मुंबई से बॉम्बे ब्लड ग्रुप का यूनिट प्राप्त किया गया और एम्स पटना को इसे निःशुल्क मुहैया कराया गया। उम्मीद है कि मानव सेवा से जुड़े सभी कर्मयोगियों एवं मां ब्लड सेंटर द्वारा किए गए सराहनीय प्रयास से अब डेंगू पीड़ित बच्ची का इलाज किया जा सकेगा।

बाइक रथ से भाजपा नेताओं का फोटो लगा निकले बाबाधाम

● रथ पर मोदी, शाह, नड्डा, सम्राट, नंदकिशोर, रविशंकर के फोटो

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

नगर निगम के वार्ड संख्या 57 में रहने वाले विनोद कुमार उर्फ बिढ़नी सावन मास में बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पण करने के लिए सोचा। इसके लिए उसके दिमाग में बात आई और उसने मोटरसाइकिल को रथ का रूप दिया। मोटरसाइकिल के आगे घेरा बनाकर ऊपर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा की तस्वीर लगाया। इसके बाद नीचे में बिहार भाजपा से जुड़े सांसद सुशील मोदी, प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री सह विधायक नंदकिशोर यादव, सांसद रविशंकर प्रसाद के अलावा रूपनारायण मेहता, पिंकू मेहता, पटना महानगर भाजपा के महामंत्री विनय केसरी, राजू मेहता, राजू गुप्ता और सच्चिदानंद निषाद की तस्वीर लगा रखा है। जब धार्मिक यात्रा पर निकले विनोद कुमार उर्फ बिढ़नी से पूछा गया कि इस धार्मिक यात्रा में राजनीतिक दल के नेताओं की तस्वीर का क्या काम है, तब उसने तपाक से कहा कि आप हमारे वाहन पर ऊपर में देखें। आगे में नंदी महाराज हैं, तो पीछे से आशीर्वाद देते बाबा भोले शंकर। दरअसल वे जन-जन की भावना को लेकर बाबा नगरी को जा रहे हैं। यहां से चलकर वह साथ में गंगा नदी का जल रखा है। इसे वह सुल्तानगंज पहुंचकर बाबा को चढ़ाएंगे। फिर वहां से उत्तर वाहिनी गंगा नदी का जल लेकर संकल्प करने के साथ वह देवघर के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण कर उनसे जन-जन के नेता और भारत को विश्व गुरु की श्रेणी में लाने के लिए सतत प्रयत्नशील देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पुनः 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने और बिहार में 2025 में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने की कामना बाबा भोले शंकर से करेंगे। कारण कि देवघर में शिव के साथ शक्ति भी स्थापित हैं। यहां के शिवलिंग को हृदय पीठ की मान्यता प्राप्त है। इसलिए वह शिव शक्ति से प्रार्थना करेंगे कि 2024 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में और 2025 में बिहार में भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बने, इसके लिए प्रार्थना करेंगे। कारण कि वर्तमान में बिहार में जो सरकार है, उसके कार्यकाल में लगातार हत्या, लूट, चोरी, डकैती, दुष्कर्म, रंगदारी की मांग, भ्रष्टाचार घोटाला आदि हो रहा है। इससे जनता त्रस्त है। इसी कामना को लेकर वह मोटरसाइकिल रथ बना कर अपने नेताओं को भी बाबा नगरी लेकर जा रहे हैं।

राजमहल क्रूज सैलानियों को लेकर वाराणसी को हुआ रवाना

● बीच गंगा में लंगर डाला मोटर बोट से सैलानियों को ले जाकर चढ़ाया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) 40 सीट वाला क्रूज एमवी राजमहल गायघाट स्थित जेटी पर लंगर डाल रखा था। शुक्रवार को यूके यानी इंग्लैंड के 17 सैलानियों को लेकर यह जहाज वाराणसी के लिए रवाना हो गया। निदेशक एलके रजक ने बताया कि सैलानियों को लेकर चला क्रूज रास्ते में पड़ने वाले ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का सैलानियों को भ्रमण कराएगा। इस दौरान मनेर शरीफ, बक्सर, गाजीपुर, सारनाथ, वाराणसी, जौनपुर होते हुए चुनार तक सैलानियों को लेकर जहाज जाएगा। गुवाहाटी से चला यह क्रूज जहाज बीते दिनों कोलकाता से होते हुए पटना सिटी के गायघाट स्थित जेटी के समीप बीच गंगा में खड़ा किया गया था। जहाज पर सवार होने के लिए सैलानियों को भद्र घाट और महावीर घाट के बीच बोट स्टीमर पर सवार करा क्रूज के पास लाया गया था। अधिकारियों की मानें तो वाराणसी से यह जहाज सैलानियों को लेकर वापस डिब्रूगढ़ लौटेगा। अधिकारियों की मानें तो जहाज के 25 अगस्त तक वाराणसी पहुंचने की संभावना है। आधुनिक सुख-सुविधाओं का सामान उपलब्ध क्रूज में सवार सैलानियों को लेकर चला जहाज अगस्त माह के अंत तक या फिर सितंबर माह में वापस सैलानियों को लेकर पटना आएगा।यहां से कोलकाता के रास्ते जहाज वापस डिब्रूगढ़ को लौट जाएगा।

वृद्धाश्रम में केनरा बैंक ने प्रदान किया कपड़ा

पटना सिटी (प्राकि)। केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के द्वारा अगमकुआं के महारानी कॉलोनी स्थित वृद्धाश्रम एवं बांकीपुर गर्ल्स हाई स्कूल में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधि का आयोजन गुरुवार को किया गया। इस दौरान वृद्ध आश्रम में आरओ हेड एजीएम विजय शंकर और वरिष्ठ प्रबंधक अमित कुमार रंजन ने वृद्ध आश्रम में रह रहे वृद्धों से बातचीत की और उनके यहां रहने के दौरान खाने-पीने एवं अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान यहां रह रहे लोगों को कपड़ा प्रदान किया गया। वहीं बांकीपुर गर्ल्स हाई स्कूल में छात्राओं को खो-खो, पोल, बैडमिंटन और वॉलीबॉल प्रदान किया गया।

एम्स पटना में निदेशक (प्रो) डॉ. जीके पाल ने क्रायो वर्कस्टेशन व ईबस का किया उद्घाटन

कैंसर मरीजों को गुणवत्तापरक इलाज देने के लिए एंडोब्रोंकाइल अल्ट्रासाउंड सबसे बेहतर: डॉ. दीपेंद्र

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना शुक्रवार को विभाग में स्थापित क्रायोवर्कस्टेशन और एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड का उद्घाटन और व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गयो इस कार्यक्रम में निदेशक

प्रोफेसर (डॉ.) जी.के.पाल,एम्स, पटना, प्रोफेसर (डॉ.) उमेश कुमार भदानी, प्रोफेसर (डॉ.) चंद्र मणि सिंह (चिकित्सा अधीक्षक), डॉ. दीपेंद्र कुमार राय ,अतिरिक्त प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, पल्मोनरी मेडिसिन, डॉ. सौरभ कर्माकर ,अतिरिक्त प्रोफेसर, पल्मोनरी मेडिसिन और डॉ. सोमेश ठाकुर ,एसोसिएट प्रोफेसर, पल्मोनरी मेडिसिन, उपस्थित थे` फीता काटने की रस्म, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) जी.के.पाल और विशिष्ट अतिथि डॉ. हरि किशन गोनुगुंटला (कंसल्टेंट इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट, यशोदा हॉस्पिटल, सिकंदराबाद द्वारा की गई। डॉ. दीपेंद्र कुमार राय ने मंच पर सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने ईबीस की खरीद को लेकर एम्स पटना के निदेशक द्वारा किये गए प्रयासों को उल्लेख किया। प्रोफेसर (डॉ.) जीके पाल ने ईबस की खरीद और रोगी प्रबंधन के लिए इसकी आवश्यकता और विभाग में पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन शैक्षिक कार्यक्रम में डीएम पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी पहल के बारे में बात की। प्रो. (डॉ.) उमेश भदानी और प्रो. (डॉ.) सीएम सिंह ने अस्पताल प्रशासन द्वारा सेवाओं के विस्तार के लिए किये जा रहे प्रयासों की चर्चा कौ डॉ. हरि किशन गोनुगुंटला ने मीडियास्टिनल लिम्फ नोड घावों के निदान के लिए ईबस की उपयोगी भूमिका और बड़ी बायोप्सी नमूने प्रदान करने में क्रायोबायोप्सी और फेफड़ों के कैंसर से अवरुद्ध वायुमार्गों के पुनर्कनालीकरण के बारे में बात की। डॉ. सौरभ कर्मकार ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों को उनकी उपस्थिति के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि एम्स पटना का पल्मोनरी मेडिसिन विभाग,बिहार और झारखंड दोनों राज्यों में एकमात्र सरकारी संस्थान है जो मरीजों के लिए क्रायोवर्कस्टेशन और ईबस सेवाएं प्रदान कर रहा है।

डॉ. हरि किशन गोनुगुंटला ने पल्मोनरी मेडिसिन के संकाय और डीएम कार्यक्रम शिक्षार्थी के लिए ऑपरेटिंग थिएटर में चार रोगियों पर ईबीयूएस और क्रायो तकनीकों का प्रदर्शन और प्रशिक्षण दिया। शाम को उन्होंने पटना के होटल मौर्या में ह्लइंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी में नई तकनीकह्व विषय पर प्रतिष्ठित डॉक्टरों की एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट के अभ्यास का दायरा विविध है और इसमें श्वसन विकारों के रोगियों में प्रासंगिक नैदानिक और चिकित्सीय दोनों प्रक्रियाएं शामिल हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत : तेजस्वी

● उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री ने ई-टिकटिंग सिस्टम की शुरूआत की

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी यादव ने पर्यटन विभाग द्वारा आकाशीय रज्जू पथ, राजगीर एवं आकाशीय रज्जू पथ, मंदार और अमवामन झील, बेतिया में ई टिकटिंग टिकट की व्यवस्था शुरू करते हुए कहा कि इसमें आप घर बैठे मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाइन टिकट प्राप्त कर सकते हैं। सर्वप्रथम यह सुविधा आकाशीय रज्जू पथ, राजगीर में उपलब्ध कराई जा रही है। इस व्यवस्था से लोग समय की बचत कर सकते हैं। टिकट लेने हेतु अब लम्बी कतार में खड़ा नहीं होना होगा। यह व्यवस्था कैशलेश है जिससे कैश संबंधित असुविधा नहीं होगी। यह सुविधा पर्यटन निगम की बेवसाइट पर उपलब्ध है। उपमुख्यमंत्री शुक्रवार को फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के उपरांत अपने संबोधन में उक्त बातें कही। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में इतनी गतिविधियां हो रही है, लेकिन अभी भी देश के लोग यहां की सच्ची तस्वीर देख नहीं पा रहे हैं। इसके लिए पर्यटन विभाग लगातार काम कर रहा है। मुझे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब पर्यटन की जिम्मेवारी दी तो हम पूरी तरह दिलचस्पी लेकर काम कर रहे हैं। विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह भी लगातार मेहनत कर रहे हैं। हम अपनी टूरिज्म पॉलिसी लेकर आ रहे हैं। हम सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को भी यहां बुला रहे हैं। हमने राज्य के नेशनल और स्टेट हाइवे पर पर्यटकों के लिए सत्कार केंद्र खोलने हेतु योजना लेकर आए हैं ताकि लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़े। उन्होंने समारोह में मार्गीय सुविधा के अंतर्गत चयनित मो. तनवीर आलम, प्रीमियम- मार्ग संख्या- 15 (गोपालगंज मुजफ्फरपुर-दरभंगा सुपौल पुर्णियां- किशनगंज मार्ग) को प्रोत्साहन राशि के तहत 15 लाख रुपये (प्रथम किस्त) तथा श्री प्रशांत शेखर देव, स्टैंडर्ड - मार्ग संख्या- 13 (मुजफ्फरपुर-मोतिहारी मार्ग) प्रोत्साहन राशि 10.5 लाख रुपये (प्रथम किस्त) का चेक प्रदान किया। कार्यक्रम में पर्यटन विभाग और निदेशालय के पदाधिकारी व कर्मचारियों सार्थक सिन्हा, सुधीर कुमार,आशीष कुमार, आफताब अहमद, श्वेता किशोरी, सुनील कुमार, अशोक राम और सुधीर कुमार को उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन पर्यटन निदेशक विनय कुमार राय ने किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री के आप्त सचिव संजय यादव, पर्यटन उप निदेशक प्रदीप कु गुप्ता, महाप्रबंधक अभिजीत कुमार, ओएसडी देव, सहायक निदेशक रंजन कुमार,विरेंद्र कुमार सहित सभी पदाधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित थे। दरअसल, पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं फोटोग्राफर को प्रेरित करने हेतु फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन 01 फरवरी से 16 फरवरी के बीच किया गया था। इस प्रतियोगिता में बिहार राज्य से 2120 तथा अन्य 22 राज्यों से 307 प्रतिभागी सम्मिलित हुए थे। इनमें राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 03 विजेताओं तथा बिहार राज्य से जिलावार एक-एक विजेताओं के साथ 10 अन्य को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

पुरुषोत्तम माह के समापन के साथ ही काँवरिया पथ पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संग्रामपुर (मुंगेर)। पुरूषोत्तम माह के समापन के साथ ही प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कच्ची काँवरिया पथ पर शिव भक्तों की सैलाब उमड़ पड़ी। बोलबम का नारा हैं, बाबा एक सहारा हैं। बाबा नगरिया दूर है, जाना जरूर है। हर हर महादेव आदि के जयघोष से संपूर

किसानों को समय से मिले सभी योजनाओं का लाभ : सर्वजीत

विभागीय योजनाओं की समीक्षा के क्रम में मंत्री ने दिए निर्देश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत ने कहा कि कृषि को बढ़ावा देने को लेकर सरकार लगातार प्रयासरत है। कई तरह की योजनाएं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही है। इन योजनाओं का लाभ प्रदेश के किसानों को समय पर मिलना चाहिए। कृषि मंत्री उक्त बातें शुक्रवार को विभागीय समीक्षा के दौरान कही। दरअसल, कृषि मंत्री ने शुक्रवार को विकास भवन नया सचिवालय पटना अवस्थित अपने कार्यालय कक्ष में चैथा कृषि रोड मैप के आलोक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में कृषि विभाग के लिए निर्धारित बजट के अन्तर्गत योजनाओं की स्वीकृति, कार्यान्वयन एवं व्यय की समीक्षा की। मंत्री ने समीक्षा के क्रम में अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के निर्माण में तेजी लाने, समय से योजनाओं के कार्यान्वयन एवं व्यय सुनिश्चित करने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं को बनाने के क्रम में विभागीय क्षेत्रीय पदाधिकारियों एवं किसानों से विचार-विमर्श कर क्षेत्र विशेष की आवश्यकता एवं उपयुक्तता के आधार पर योजनाओं का निर्माण किया जाये। जिस जिला में जिस प्रकार के योजना की आवश्यकता हो, वहां के लिए उसी प्रकार की योजना बनाई जाये। अभी तक सामान्यतः सभी जिलों के लिए एक ही प्रकार की योजना बनाई जाती है, जिसके कारण किसानों को योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता है, विशेषकर बीज, कृषि यंत्र एवं प्रत्यक्षण की योजना जिले की आवश्यकता के अनुकूल ही बनाई जाये। मंत्री द्वारा राज्य योजनान्तर्गत स्कील डेवलपमेंट एवं सूक्ष्म सिंचाई जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की अभी तक स्वीकृति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा इसे अविलंब स्वीकृत कराने का निदेश दिया। उन्होंने केन्द्र प्रायोजित योजनाओं में केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रांश की राशि समय से विमुक्त नहीं किये जाने के कारण योजनाओं के कार्यान्वयन में होने वाले विलंब के मद्देनजर केन्द्र सरकार से पत्राचार करने का निदेश दिया तथा शीघ्र राशि विमुक्त करने हेतु केन्द्र सरकार से समन्वय स्थापित करने का निदेश विभागीय अधिकारियों को दिया। श्री कुमार ने विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से निदेश दिया की अभी तक जितनी भी योजनाएं कार्यान्वित की गयी है, उनके लाभुकों की सूची वेबसाइट पर अपलोड किया जाये। विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए अभी तक योजनाओं के लाभ से वंचित किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाई जाये। उन्होंने कहा कि इस पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाये कि योजनाओं का लाभ वैसे किसानों को नहीं मिले जिन्हें बार-बार लाभ मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नैनो यूरिया के उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु प्रत्यक्षण की योजनाओं में इसे शामिल किया जाये। मंत्री ने कहा कि समय से सभी योजनाओं का लाभ बिहार के किसानों को मिले, इसे सुनिश्चित किया जाये। इस बैठक में सचिव संजय कुमार अग्रवाल, कृषि निदेशक डॉ आलोक रंजन घोष, संयुक्त सचिव अनिल कुमार झा, निदेशक उद्यानअभिषेक कुमार, संयुक्त सचिव शैलेन्द्र कुमार, अपर निदेशक (शष्य) धनंजय पति त्रिपाठी उपस्थित थे।

देश के धर्मनिरपेक्षता को कमजोर कर रही भाजपा : उमेश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने भाजपा व केन्द्र सरकार पर जमरक हमला बोला है। श्री कुशवाहा ने शुक्रवार को पूर्णिया में जनता दलयू के बैनर तले आयोजित कारवाने-इत्तेहात व भाईचारा यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत 18 वर्षों से सामाजिक तानेबाने को मजबूत करने एवं समाज के सभी वर्गों की तरक्की को सुनिश्चित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है मगर आज कुछ फिरकापरस्त ताकते समाज में नफरत पैदा कर गंगा जमुनी तहजीब को खंडित करने के लिए प्रयासरत है। आज भाजपा के लोग नौजवानों के हाथ में कलम की जगह तलवार बांट रही है, देश का लोकतंत्र और संविधान को ताक पर रखकर जाति-धर्म के नाम पर समाज में नफरत फैलाया जा रहा है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति पर चलकर भाजपा सत्ता में बने रहना चाहती है। देश में आज आपातकाल की स्थिति है, भारत के धर्मनिरपेक्षता को कमजोर किया जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं पर कोई चर्चा नहीं हो रही है, खाने पीने की वस्तुओं पर बेतहाशा टैक्स लगाया जा रहा है, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष के नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। ऐसे नाजुक हालात में कारवाने-इत्तेहाद व भाईचारे यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री के एकता और भाईचारे का संदेश लेकर हम सभी आप सभी के बीच आए हैं क्योंकि हमारा मानना है सामाजिक एकजुटता के बगैर किसी भी राष्ट्र का उत्थान और कल्याण मुमकिन नहीं है। श्री कुशवाहा ने कहा कि इसी पूर्णिया की धरती से 25 फरवरी को माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में भाजपा भगाओ देश बचाओ अभियान का आह्वान हुआ था उसके बाद देशभर के 26 से पक्षी दलों ने एकजुट होकर भाजपा को 2024 में देश से भगाने का अटूट संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री के पहल के बाद भाजपा वालों का नींद हराम हो चुका है। हम सभी को मिलकर संविधान और समाजिक सौहार्द नष्ट करने वाले को सत्ता से उखाड़ फेंकना है। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान, खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह, माननीय विधान परिषद खालिद अनवर एवं प्रमंडल कार्यक्रम प्रभारी भूमि पाल राय मौजूद थे।

राज्य में अपराध चरम पर, अपराधी व माफिया बेखौफ : सम्राट

● पत्रकार की हत्या को प्रदेश अध्यक्ष ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण

पटना। बिहार के अररिया के रानीगंज में दैनिक जागरण के पत्रकार विमल कुमार यादव की हत्या पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने दुख जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकार की हत्या से यहां के कानून व्यवस्था को समझा जा सकता है। बिहार में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में थानेदार और पत्रकार मारे जा रहे है और सरकार को यहां का अपराध दिखाई ही नहीं दे रहा। उन्होंने बताया कि मृतक विमल कुमार यादव अपने छोटे भाई सरपंच की हत्या में गवाह भी थे, जिसे पुलिस सुरक्षा देने में विफल रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि बिहार में पुलिस वाले मारे जा रहे हैं, पत्रकार की हत्या हो रही है, गौ तस्कर जागृत हो गए हैं, बालू माफिया और शराब माफिया बेखौफ हो गए है तथा राज्य में गुंडों का राज स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि आज वास्तविकता है कि अपराधी, माफिया बेखौफ हैं। समस्तीपुर में कुछ ही दिन पहले दारोगा नंद किशोर यादव को पशु तस्करों ने गोली मारकर हत्या कर दी, लेकिन तुष्टिकरण के कारण अब तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है : पारस

पटना। बिहार में बढ़ते अपराध पर राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस और प्रदेश अध्यक्ष समस्तीपुर सांसद प्रिंस राज पासवान ने महागठबंधन सरकार पर हमला बोला है। कहा कि बिहार में महागठबंधन सरकार बनते ही बिहार में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है। आगे दोनों नेताओं ने कहा कि आम जनता को कौन कहें अब चौथे स्तम्भ कहे जाने वाले मीडिया कर्मियों को भी इस राज्य में बख्शा नहीं जा रहा है जिसका जीता जागता उदाहरण अररिया के दैनिक जागरण का स्थानीय पत्रकार विमल कुमार का घर में घुसकर अपराधियों ने तांडव मचाया और विरोध करने पर उनकी हत्या कर दी। केंद्रीय मंत्री श्री पारस ने पत्रकार की हत्या पर गहरा दुःख व्यक्त की तथा ईश्वर से प्रार्थना की भगवान उनके आत्म को शांति प्रदान करे तथा दुख की इस घड़ी में परिवार के लोगो को सहन शक्ति प्रदान करे। बिहार में विधि व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है बिहार में अपराधियों का तांडव लगातार बढ़ता जा रहा है यहां आए दिन आम हो या खास सभी लोग डर के साए में जीने को मजबूर हैं सरकार की विधि व्यवस्था सुस्त और अपराधियों का मनोबल मजबूत है जिसके कारण अपराध की घटनाएं बढ़ रही। आगे श्री पारस ने कहा कि सरकार अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर से कठोर कार्रवाई करें और मृतक परिवार के परिजनों को के एक सरकारी नौकरी और मुआवजा राशि दें। प्रदेश प्रवक्ता ललन चंद्रवंशी ने बताया कि विमल कुमार के बड़े भाई की भी हत्या 2019 में अपराधियों द्वारा कर दिया गया था जिसका इकलौता गवाह पत्रकार विमल कुमार ही थे।

बीजेपी ने हमेशा पिछड़ों का किया अपमान : भारती मेहता

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित फेसबुक लाइव कार्यक्रम के दौरान प्रदेश प्रवक्ता डॉ भारती मेहता ने अपने विचार रखे। ग्राम संसद एवं सद्भावना की बात कार्यक्रम के तहत आयोजित इस फेसबुक लाईव कार्यक्रम में पार्टी प्रवक्ता ने समाज में आज खासकर महिलाओं और दलितों, पिछड़ों की वर्तमान स्थिति की चर्चा की । उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर महादलित टोले के सबसे बुजुर्ग द्वारा ध्वजारोहण कराना महादलितों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रेम और सद्भाव को दशार्ता है। पार्टी प्रवक्ता डॉ भारती मेहता ने कहा कि राज्य में जाति आधारित गणना का काम आदरणीय मुख्यमंत्री की कोशिशों के चलते किया जा रहा है जिससे समाज में दबे और पिछड़ों की आबादी के अनुरुप उनके कल्याण से संबंधित योजनाएं बनायी जा सके। बीजेपी पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में जाति आधारित गणना को रोकने की तमाम साजिशें की और इतना ही नहीं अपनी आनुषंगिक संगठन यूथ फॉर इक्वलिटी के माध्यम से इसे रोकने के लिए कोर्ट में याचिका डलवायी, लेकिन उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति आधारित गणना कराने को सही ठहराया और अब यह काम जल्द ही पूरा होने वाला है। पार्टी प्रवक्ता डॉ भारती मेहता ने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार ने हमेशा समाज के दबे और पिछड़ों का अपमान किया है और उसी का परिणाम है कि केंद्र सरकार ने आज तक कपूर्री ठाकुर को राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार पाने के लायक तक नहीं समझा। उन्होंने शिक्षा बजट में कटौती को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि आज जहां शिक्षा को लेकर बजट को बढ़ाया जा रहा है वहीं इसके उलट केंद्र सरकार जान बूझकर शिक्षा बजट में कटौती कर रही है जिससे दलित, पिछड़े और गरीब के बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सके।

लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा ने मानी हार : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

● भाजपा के कई नेता मानते हैं कि दल नहीं दलदल है भाजपा

भाजपा को निशाने पर लेते हुए जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि विपक्षी दलों के गठबंधन से भाजपा का मनोबल इतना गिर चुका है कि इन्होने लोकसभा चुनाव से पहले ही हार मान ली है। इनकी नवनियुक्त टीम में अधिकांश चेहरे ऐसे हैं, जिन्होंने आज तक कभी चुनाव लड़ा तक नहीं है। इन्हें सिर्फ इसलिए चुना गया है कि लोस चुनावों में शिकस्त का ठीकरा इनके माथे पर फोड़ा जा सके। इस टीम से पिछले चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कई लोग भी इसी वजह से गायब हो गये हैं, जिससे वह आलाकमान के सामने अपनी छवि को ठीक रख सकें। भाजपा के आत्मविश्वास गिरने के अन्य कारण गिनाते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में भाजपा दल नहीं बल्कि दलदल है। पूरी पार्टी अनेक गुटों में विभाजित है। इनके संगठन के भीतर हर बड़े नेता ने अपना एक अलग संगठन बनाया हुआ है, जो पूरी पार्टी पर हावी होने के प्रयास करते रहते हैं। टीम गठन में भी इनके बड़े नेता अपनी परिक्रमा करने वालों को अधिक से अधिक संख्या में सेट करने की जुगाड़ में लगे रहते हैं। दूसरी तरफ कर्मठ कार्यकर्ता ठगे खड़े रह जाते हैं। हर बार उन्हें मायूसी हाथ लगती है। इसीलिए उनमें एक अलग आक्रोश पनप रहा है। आने वाले समय में आक्रोश की यह चिंगारी निश्चित ही ज्वाला बन कर भाजपा को लील जाने वाली है। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि पार्टी भले ही इन नेताओं के आंतरिक मतभेदों को छिपाने में पसीना बहा रही है, लेकिन जैसे जैसे चुनाव नजदीक आते जाएंगे इनका मनभेद बढ़ता जाएगा। इसके लक्षण अभी से ही दिखायी देने शुरू हो गये हैं। आने वाले समय में यदि इनका संगठन कई टुकड़ों में टूट जाए तो किसी को कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कहा कि आज जनता मंहगाई से त्रस्त है, रोजगारों के लिए युवा बेचौन है, किसानों की आय दुगनी का इनका वादा फेल हो गया, उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं ने गैस सिलिंडर लेना छोड़ दिया है, इसी तरह रोजमर्रा के जरूरत के सामानों की कीमत दुगनी से भी अधिक हो चुकी है। लेकिन भाजपा को इसकी चिंता तक नहीं है। आगामी चुनाव में भाजपा की हार का यह भी एक प्रमुख कारण बनने वाला है।

होर्डिंग के जरिए राजद ने भाजपा पर साधा निशाना

परिवारवाद व बढ़ती मंहगाई को होर्डिंग में दशार्या गया : अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि आज भारतीय जनता पार्टी की पोल खोलती हुई एक होर्डिंग राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय 10 सर्कुलर रोड सहित कई जगहों पर लगाई गई गई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के परिवारवाद का पूरी लिस्ट है। जिसमें बताया गया है अमित शाह के पुत्र जय शाह, शकुनी चौधरी के पुत्र सम्राट चौधरी, सीपी ठाकुर के पुत्र विवेक ठाकुर, प्रेम कुमार के पुत्र अनुराग ठाकुर, ठाकुर प्रसाद के पुत्र रवि शंकर प्रसाद सहित कई नेताओं के पुत्र पुत्रियों का नाम छापा गया है। दुसरी ओर, होर्डिंग में बढ़ती महंगाई को दशार्या गया तथा बीच में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के घोटाले को दशार्या गया है। साथ ही मणिपुर की महिला किस प्रकार अपने इज्जत को बचाने के लिए मेरी आवाज सुनो कह रही है उसे भी दशार्ने का काम किया गया है। राजद नेता ने कहा है कि होडिंग के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी की सच्चाई को इस पोस्टर में दिखाने का काम किया गया। पोस्टर लगाने वालों में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश महासचिव भाई अरुण कुमार, निराला यादव, मनोज यादव एवं ओम प्रकाश चौटाला थे।

अररिया पत्रकार हत्याकांड को लेकर आक्रोश मार्च

● बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के बैनर तले मार्च में सैंकड़ों हुए शमिल

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी की सड़कों पर बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के बैनर तले काफी संख्या में पत्रकारों के ने अररिया के पत्रकार विमल कुमार यादव की हत्या के विरोध में आक्रोश मार्च निकाला । इसमें बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के सभी पदाधिकारी के साथ-साथ सदस्य शामिल थे। इनके साथ ही इलेक्ट्रोनिक और न्यूज पोर्टल सहित दैनिक अखबार के पत्रकारों ने भाग लिया। आक्रोश मार्च डाकबंगला चौराहा से निकलाकार आयकर चौराहा पहुंचा। आयकर चौराहा पर आक्रोश मार्च शोकसभा में तब्दील हो गया। शोकसभा में स्वर्गीय पत्रकार विमल कुमार यादव की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। पत्रकार की हत्या से प्रदेशभर का पत्रकार दहशत में और असुरक्षित महसूस कर रहा है। पत्रकारों ने स्वर्गीय विमल यादव के हत्यारों को शीघ्र गिरफ़्तारी करने, स्पीडी ट्रायल कराकर सजा दिलाने, उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने, पत्रकार की हत्या की न्यायायिक जाँच हो , पत्रकार बीमा देने की सरकार से मांग की गयी। मार्च में शामिल लोगों ने पत्रकार पर हो रहे हैं हमले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मांग की गई कि सरकार पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द से जल्द लागू करें और पत्रकारों को सुरक्षा प्रदान करें। अगर सरकार उन्हें सुरक्षा प्रदान नहीं करेगी तो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कैसे सुरक्षित रहेगा। आक्रोश मार्च में बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के महासचिव मुकुंद कुमार सिंह, उपाध्यक्ष आकाश कुमार, सचिव रजनीश कुमार आर्य, संगठन प्रभारी आलोक कुमार, यूनियन के कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, अजीत कुमार, वरिष्ठ पत्रकार सुजीत झा मनीष कुमार सहित दर्जनों वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित थे। इन सभी के साथ-साथ यूनियन के सदस्य चंद्र मोहन पांडे, राजन उपाध्याय, रंजीत डे, संजय कुमार इंद्रजीत डे, ओमप्रकाश, सरोज, राजकुमार गोश्वामी, रामपाल प्रसाद, समीम, रंजीत विशाल सैकड़ों सदस्य उपस्थित थे।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : चिराग

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक बार फिर राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय श्रीकृष्णापुरी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान श्री चिराग ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। अब तो पुलिस भी अपराधियों की गोली का शिकारह्न हो रहे हैं ऐसे में आम लोगों की रक्षा कौन करेगा। कहा कि बिहार में अपराधियों ने अपनी जड़ों को मजबूती से जकड़ लिया है। अपराधियों को कई जगहों पर सरकार का संरक्षण प्राप्त है। आम बिहारियों के साथ-साथ अब पुलिस भी अपराधियों की गोली का शिकार हो रही है। बिहार में हमारी रक्षा करने वालों की अब अपराधियों द्वारा सरेआम हत्या कर दी जा रही है। चिराग ने कहा कि पुलिस जवानों का मनोबल दिनों दिन तेजी से गिर रहा है। चिराग पासवान ने कहा कि शिक्षा- रोजगार के लिए लोग बिहार से पलायन कर रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत मामले में आज तक नहीं पता चला कि क्या हुआ?आधा बिहार बाढ़ से ग्रसित है और आधा सुखाड़ से लेकिन मुख्यमंत्री और उनके अधिकारी एयर कंडीशन से बाहर नहीं निकलते हैं। लोग डूब कर मरेंगे तब इन्हें समझ आएगा कि बिहार में बाढ़ है। बिहार बर्बाद हो रहा है और सत्ता के लोग दिल्ली में जाकर राजनीति साध रहे हैं। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

शोधार्थियों के लिए आधार-वस्तु देते हैं प्रो अमरनाथ सिन्हा के आलेख

● साहित्य सम्मेलन में आलोचना पुस्तक हिन्दी साहित्य और लोक-चेतना का हुआ लोकार्पण

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और विद्वान समालोचक प्रो अमरनाथ सिन्हा हिन्दी के एक ऐसे मनीषी आचार्य हैं, जिनके साहित्य में, शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सामग्री मिल जाती है। प्रो सिन्हा अपने साहित्यिक दायित्व के प्रति सदैव जागरूक और सतर्क रहे हैं। यह साहित्य सम्मेलन के लिए गौरव का विषय है कि प्रो सिन्हा की दो पुस्तकें यहाँ से प्रकाशित हो रही हैं, जिनमे से एक का आज लोकार्पण हो रहा है। यह विचार शुक्रवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में डा सिन्हा के आलेखों के संकलन हिन्दी साहित्य और लोकचेतना के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने व्यक्त किए। सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा शिववंश पाण्डेय ने कहा कि हिन्दी साहित्य में लोकचेतना के जितने भी आयाम हो सकते हैं, वे सबके सब विद्वान समालोचक प्रो सिन्हा की लोकार्पित पुस्तक में आएँ हैं। आलोचना-साहित्य में एक मानक के रूप में इस पुस्तक का उल्लेख किया जाएगा। लेखकीय वक्तव्य में प्रो सिन्हा ने कहा कि हिन्दी के विद्यार्थी और अध्यापक के रूप में अपने लम्बे जीवन में, हिन्दी के मध्यकालीन इतिहास का लगभग 40 वर्षों तक अध्ययन-अध्यापन का अवसर मिला। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, डा कल्याणी कुसुम सिंह, डा मधु वर्मा, डा निगम प्रकाश नारायण, कुमार अनुपम, डा पुष्पा जमुआर, वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, शायर आरपी घायल, जय प्रकाश पुजारी, डा अर्चना त्रिपाठी, पारिजात सौरभ, ई अशोक कुमार, अर्जुन प्रसाद सिंह, डा ओम प्रकाश जमुआर तथा सिद्धेश्वर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानंद पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया। इस अवसर पर, लेखक के पुत्र शिशिर राजन, बाँके बिहारी साव, सुधीर कुमार सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा, शिवांग कुमार सिंह, अमीरनाथ शर्मा, दिगम्बर जायसवाल, अमन वर्मा, राहूल कुमार, आदि प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

धूम धाम से मनाई गयी श्री दादीजी झूलनोत्सव तथा सिंधारा महोत्सव

पटना। शक्तिधाम सेवा न्यास द्वारा आज बैंक रोड स्थित शक्तिधाम मंदिर में श्री राणीसती दादीजी का झूलनोत्सव सिंधारा एवं सावन तीज महोत्सव बड़े हीं धूम धाम से मनाया गया। मुख्य संस्थापक अमर अग्रवाल ने बताया कि ।दादीजी की सेवा में विशेष श्रृंगार किया गया, मेहँदी लगाई गयी तथा पूरे मन्दिर को बहुत हीं आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया तथा छप्पन भोग लगाया गया जो सभी के मन को मोह रहा था। मौके पर सैंकड़ों की संख्याएँ में महिलायें राजस्थानी वेश भूषा में सजधज कर लाल पीली साड़ी, चुनड़ी ओढ़े श्री दादीजी को झूलन झुलाते हुए गा रही थी ओ झूला झूले दादी माँ-झुलावे बेटी आपकी ! अरे श्याम झूले-हनुमत झूले-झूले शंकर त्रिपुरारी ! राधा रानी झूला झूले - ओढ़े चुनर तारा रा ! साथ हीं महिलायें दादीजी का आह्वान भी कर रही थी-धोये-धोये आँगना में, आवो म्हारी दादीजी। बालकिया बुलावे बेगा, आवो म्हारी दादीजी।

जामताड़ा स्टेशन पर पटना-एर्णाकुलम एक्सप्रेस का ठहराव

पटना। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पटना और एणार्कुलम के मध्य सप्ताह में दो दिन चलने वाली गाड़ी सं. 22643/22644 एणार्कुलम-पटना-एणार्कुलम एक्सप्रेस का आसनसोल मंडल के जामताड़ा स्टेशन पर17 अगस्त से 02 मिनट का प्रायौगिक तौर पर ठहराव प्रदान किया गया है। गाड़ी संख्या 22643 एणार्कुलम-पटना एक्सप्रेस जामताड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 13.56/13.58 तथा गाड़ी संख्या 22644 पटना-एणार्कुलम एक्सप्रेस जामताड़ा स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय 19.10/19.12 बजे निर्धारित की गयी है।

सदभावना दिवस पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली प्रतिज्ञा

भावनात्मक, एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की ली प्रतिज्ञा

पटना। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय प्रांगण में शुक्रवार को सद्भावना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेदभाव किए बिना देश की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा दिलायी। उन्होंने हिंसा का सहारा लिए बिना सभी प्रकार के मतभेद बातचीत और संवैधानिक माध्यमों से सुलझाने के लिए भी रेलकर्मियों का आह्वान किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अपराध रोकने में राज्य सरकार पूरी तरह फेल : नित्यानंद

पटना। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। कहा है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधी सरेआम अपराध को अंजाम दे रहे हैं। अररिया के रानीगंज में दैनिक जागरण के पत्रकार विमल कुमार की बदमाशों द्वारा गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। यह बहुत ही दुखद घटना है और मैं विमल कुमार को अपनी श्रद्धांजलि देता हूं। पत्रकार विमल कुमार की हत्या, कलम और कानून की हत्या है। एक के बाद एक लगातार होती ऐसी घटनाएं बिहार में फेल हो चुके कानून व्यवस्था को दिखाती हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि उपद्रवियों और बदमाशों को अब किसी बात का डर नहीं रह गया है तथा राज्य सरकार और जदयू व राजद का अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। कुछ दिन पहले ही पत्रकार विमल कुमार के भाई की हत्या कर दी गई और वह अपने भाई की हत्या का एकमात्र गवाह थे। एक साल के अंदर लगभग 3 हजार से ज्यादा हत्याएं, लगभग 5 सौ से ज्यादा दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं। हत्या, लूट, अपहरण, दुष्कर्म की घटनाएं बिहार की कानून व्यवस्था की स्थिति बताती हैं। सरकार को अपराधियों और बदमाशों को संरक्षण देना बंद करना चाहिए। इस सरकार को न तो बिहार के विकास से मतलब है न लोगों की सुरक्षा से। यह सरकार पूरी तरह फेल है।

राज्य के एनएचएम कर्मियों को मिलेगा समुह स्वास्थ्य बीमा का लाभ

राज्य स्वास्थ्य समिति व एक्सिस बैंक के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राज्य स्वास्थ्य समिति एवं एक्सिस बैंक के बीच शुक्रवार को पटना के शेखपुरा में स्थित स्वास्थ्य भवन के सभागार में एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। जिसमें सभी जिलों के सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, सभी क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। विदित हो कि एनएचएम अंतर्गत राज्य स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक कार्यरत कर्मियों, पदाधिकारियों का समूह स्वास्थ्य बीमा एवं समूह व्यक्तिगत दुर्घटना नीति का लाभ देने के लिए सभी कर्मी, पदाधिकारी का सैलरी खाता खोलने का कार्य आज से शुरू कर दिया गया। इसी क्रम में स्वास्थ्य सचिव सह कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक्सिस बैंक के साथ एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। एक्सिस बैंक द्वारा कैंप लगाकर जिला, चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल एवं क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत कर्मियों व पदाधिकारियों का सैलरी खाता खोलने का कार्य 15 दिनों के अंदर तथा प्रखंड स्तरीय कर्मियों, पदाधिकारियों का सैलरी खाता खोलने का कार्य 30 दिनों के भीतर किया जाना है। इस स्वास्थ्य बीमा अंतर्गत एनएचएम से प्राप्त प्रति कर्मी,पदाधिकारी के लिए 3500 की राशि उक्त बैंक खाते में वार्षिक प्रीमियम के रूप में जमा की जाएगी। इससे कर्मियों, पदाधिकारियों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा एवं 50 लाख तक का दुर्घटना कवर दिया जाएगा। इसके साथ ही कर्मियो/पदाधिकारियों को 5 लाख तक टर्म प्लान (यदि किसी कर्मी की मौत होती है तो) के लाभ का प्रावधान है। कर्मियों व पदाधिकारियों को यह विकल्प भी दिया गया है कि स्वयं के द्वारा क्रमशः 1999 अथवा 2499 की राशि प्रीमियम के रूप में भुगतान करने पर उसकी बीमा राशि 5 लाख से बढ़कर 15 लाख अथवा 30 लाख क्रमशः कर दी जाएगी एवं इसमे उनके पति-पत्नि एवं दो बच्चों का कवरेज भी शामिल होगा। इसके अतिरिक्त गर्भवती महिला कर्मियों के दो बच्चों के प्रसव संबंधित अधिक्तम 35 हजार रुपये तक के व्यय के इस स्वास्थ्य बीमा अंतर्गत शामिल किया गया है। इस क्रम में एक्सिस बैंक की ओर से जिलावार नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है, जिन्हे कर्मियों, पदाधिकारियों द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के प्रशासी पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार, उप-सचिव सह प्रभारी मानव संसाधन राजेश कुमार, प्रमोद कुमार राम, उप-सचिव, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, एक्सिस बैंक की तरफ से सती

संक्षिप्त खबरें

बेहोशी की हालत में युवक को पुलिस ने पीएचसी में कराया भर्ती

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के वासुदेवपुर भुट्टा चौक के समीप पुलिस में शुक्रवार को बेहोशी की हालत में एक युवक को इलाज के लिए पीएससी में भर्ती कराया। उक्त युवक की पहचान नहीं हो पाई है। बेहोशी युवक की स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया गया है। वहीं लोगों का कहना है कि गांव के ही कुछ लोग सड़क किनारे से होकर मुक्तापुर मोईन की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान बासुदेवपुर भुट्टा चौक के समीप सड़क किनारे एक युवक को बेहोशी की हालत में पड़ा हुआथा। इसे देख लोगों ने इसकी जानकारी कल्याणपुर पुलिस को दिया। जानकारी मिलते ही कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर उक्त युवक को उठाकर इलाज के लिए पीएससी में भर्ती कराया। लोगों का कहना है कि उक्त युवक नशा खुरानी गिरोह का शिकार हो गया है। थाना अध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि युवक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। युवक बेहोशी की हालत में हैं। जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। होश आने के बाद ही कुछ बताने की बात कही।

देसी नेपाली शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बसौली गांव निवासी महेंद्र साह के पुत्र चिकीन साह को गिरफ्तार कर लिया है। रहिका थानाध्यक्ष राज किशोर कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के घर के चार दिवारी के अंदर जंगल से 30 बोतल देसी नेपाली शराब बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध उत्पादन मध्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में लेने हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेज दिया गया।

आधार इनरालमेंट केन्द्र का गोरखधंधा ,की जा रही अवैध वसूली

मुजफ्फरपुर। कुढनी प्रखंड के पंचायतों में इन दिनों आधार कार्ड एनरोलमेंट निर्माण एजेंसी का गोरखधंधा चरम पर है. ।यूआईडीआई के नए निर्देश पर बैंक,पोस्ट ऑफिस समेत संस्थानों में ही आधार इनरोलमेंट हो रहा है।. हैरत की बात यह है कि चल रहे इन संस्थानों में वरीय पदाधिकारियों का भी आना- जाना लगातार बना रहता है, फिर भी इन संस्थानों में आधार इनरोलमेंट कर रहे ऑपरेटर तीन से पांच सौ रुपए ले रहे है. ।क्षेत्र के महंत मानियार ी, सोनबरसा,केरमा,कुढ़नी स्टेशन,गुदरी,माधोपुर सुस्तासमेत दर्जनों जगहों पर आधार माफिया काफी सक्रिय है। प्रखंड के पंचायत में वसुधा केंद्र पर सीएससी की ओर से आधार में सुधार के लिए चल रहे यूसीएल में भी लोगों से मनमानीजी राशि लिया जा रहा है. ।सूत्रों की माने तो इन सेंटरों के ऑपरेटर से विभाग को नजराना दिया जाता है ।नही दिया तो उनका यूसीएल पोर्टल में तकनीकी टीमों से कार्य बाधित या सर्वर जैसी समस्या पैदा करा दी जा रही है ।.ऐसे में सरकारी संस्थानों में चल रहे आधार इनरोलमेंट ऑपरेटर की चांदी है।. स्कूली बच्चो, वृद्धा पेंशन,सहारा रिफंड में पंजीयन समेत सभी कार्यों में आधार अनिवार्य रूप से बैंक खातों में लिंक करने के आदेश मिलने पर इन गोरखधंधेबाजो की अब चांदी है. ।अधिकारियों की मिलीभगत से आधार एनरोलमेंट एजेंसी भोले भाले ग्रामीणों को लूट रही है. ।मोहम्मद फुल,नीतू देवी, लाखो देवी,लालबाबू सहनी, नागा साह ने बताया कि सरकार ने निःशुल्क एनरोलमेंट करने का आदेश दिया है. ।सुधार में 50 रुपए का शुल्क लेना है।. हमलोगो से वही एजेंसी वाले तीन सौ से पांच सौ रुपये वसूल रहे है ।.शिकायत करने को कहने पर एजेंसी वाला बोलता है, कर दो शिकायत ।हमारा तो कुछ नही होगा, आपका काम जरूर नही होगा।.अधिकारी से शिकायत करने पर आधार एनरोलमेंट एजेंसी पर कारवाई करने के बजाये उनका सहयोग कर रही है जिस कारण जगह जगह पर आधार एनरोलमेंट एजेंसी का गोरखधंधा खूब फल फूल रहा है. कुढनी प्रखंड के दर्जनों से अधिक पंचायत में आधार एनरोलमेंट एजेंसी ने अपना धाक जमाकर ग्रामीण जनता को खूब लूट रही है।

डॉ कनुप्रिया मिश्रा बनी रोटरी क्लब ऑफ समस्तीपुर की प्रेसिडेंट और विमल केडिया बने सेक्रेटरी

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

रोटरी क्लब ऑफ समस्तीपुर सिटी का आठवां इन्सटॉलेशन सह चेंज ओवर सेरेमनी अभ्युदय गुरुवार देर शाम शहर के एक होटल में समारोह पूर्वक सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर परंपरानुसार राष्ट्रगान के बाद असतो मा सदगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय के उद्घोष के बीच मुख्य अतिथि विधान पार्षद डॉ तरुण कुमार एवं एजी डिस्ट्रिक्ट 3250 जोन 2 डॉ अमृता कुमारी के साथ क्लब के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह को दिशा दी। प्रेसिडेंट डॉ कनुप्रिया मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह अभ्युदय के दौरान कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन गिरधारी अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर आगामी आठवें सत्र 2023-24 के लिए प्रेसिडेंट के रूप में डॉ कनुप्रिया मिश्रा एवं सेक्रेटरी के रूप में विमल केडिया ने पदभार ग्रहण किया। रोटेरियन डॉ एके आदित्य एवं सुष्मिता मुखर्जी ने दोनों नव मनोनित पदाधिकारियों को कॉलर पहना कर चेंज ओवर की औपचारिकता पूरी की और दोनों को बधाई व शुभकामनायें दी। सर्वप्रथम परंपरानुसार राष्ट्रगान एवं आगत अतिथियों एवं क्लब के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारियों के द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद इमिडियेट पास्ट प्रेसिडेंट डॉ सुप्रियो मुखर्जी ने अपने कार्यकाल काल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कार्यकाल के सफल समापन में सहयोग केलिए सभी रोटेरियन को धन्यवाद दिया। वहीं प्रेसिडेंट डॉ कनुप्रिया मिश्रा ने अपनी कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि रोटरी क्लब के स्वस्थ एवं समृद्ध समाज, स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण की परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वावलंबन की दिशा एक नई मंजिल गढ़ने और उसे हासिल करने का लक्ष्य हमने रखा है। मुझे विश्वास है कि आप अनुभवी एवं युवा ऊजार्वान साथियों के साथ कोई लक्ष्य बड़ा नहीं होगा। अपने संबोधन में विशिष्ट अतिथि डॉ अमृता ने रोटरी क्लब की अवधारणा और कार्यकलाप पर विस्तार से प्रकाश डालने के क्रम में उर्जा व जोश से परिपूर्ण युवाओं एवं अनुभवी वरिष्ठ सदस्यों से समृद्ध रोटरी समस्तीपुर की जम कर सराहना की। वहीं मुख्य अतिथि डॉ तरुण कुमार ने अपने संबोधन में रोटरी समस्तीपुर के कार्यों की सराहना करते हुये रोटरी समस्तीपुर के कार्यक्रमों में हर मुमकिन सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डाक्टर्स डे पर आयोजित रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सभी रक्त वीरों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया। इसी दरम्यान आगत अतिथियों का परंपरानुसार पाग, शॉल और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया और करीब दर्जन भर नये सदस्यों को पिन और रोटरी क्लब का प्रतीक चिन्ह अंकित स्टॉल प्रदान कर उनका क्लब में स्वागत किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एजी डॉ अमृता ने समारोह को सफल बनाने के लिए सम्मानित अतिथियों का एवं शानदार सफल आयोजन केलिए तमाम रोटेरियन का आभार जताया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दरभंगा से पधारे डॉ रिंकू झा, गिरिडीह से पधारे डॉ अजय कुमार, पास्ट प्रेसिडेंट डॉ जीसी कर्ण, इमिडियेट पास्ट सेक्रेटरी सुजीत खेमका, डॉ राजीव कुमार मिश्रा, डॉ. अभिलाषा सिंह, डॉ विभाष रंजन, केशव किशोर, विमल केडिया, अरुण कुमार चौधरी, सुनीता केडिया, स्वाति खेमका, रजनीश अग्रवाल, अजीत पॉल, डॉ संजय कुमार, अमित कुमार वर्मा, सहित कई रोटेरियन मौजूद थे।

मुसरीघरारी में अधिगम लाइब्रेरी का उद्घाटन

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के मुसरीघरारी में शुक्रवार को अधिगम लाइब्रेरी का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि अमृता कुमारी एवं इंदिरा देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सरायरंजन नगर पंचायत की मुख्य पार्षद पूजा कुमारी ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान के भंडार हैं। यह हमें ज्ञान की ज्योति प्रदान करते हैं। वहीं सेवानिवृत्त अभियंता पवित्र पासवान ने कहा कि पुस्तकालय से बढ़कर ज्ञान प्राप्ति का कोई साधन नहीं है। अध्यापक विद्यार्थी का केवल पथ प्रदर्शन करते हैं, ज्ञानार्जन की पूर्ति तो पुस्तकालय से ही होती है। पुस्तकालय के व्यवस्थापक रितेश कुमार कुमार एवं अमन कुमार ने कहा कि यह पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यहां वातानुकूलित कमरा, असीमित वाई फाई, मुफ्त की पत्रिकाएं, आरओ वाटर, आरामदायक कुर्सियां एवं पार्किंग की भी सुविधाएं हैं। समारोह का संचालन शिक्षाविद अनंत कुमार राय ने किया। मौके पर शम्श तबरेज, मुर्तजा आलम, नसीरुद्दीन जफर, चंदन कुमार सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

अभियंत्रण महाविद्यालय में दो दिवसीय कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया गया

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

प्रखण्ड के नरघोघी स्थित अभियंत्रण महाविद्यालय समस्तीपुर में उड़ान (आर्ट्स एंड कल्चरल क्लब) के द्वारा दो दिवसीय कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया गया। एक ओर नए सत्र का नामांकन चल रहा था वहीं दूसरी कल्चरल फेस्ट का आयोजन किया गया। जिससे नए सत्र में नामांकन कराने वाले छात्र में एक अलग उल्लास दिखा और अधिक से अधिक संख्या में नामांकन हुआ। कार्यक्रम में कुल 22 प्रतियोगिताएं रखी गई थी। इस कल्चरल फेस्ट के पहले दिन फेस टेक्नो राइटिंग, स्टोरी राइटिंग, पेंटिंग, फिंगर पेंटिंग, कलर पेंटिंग, स्केचिंग, हैंड क्राफ्ट, डिबेट इत्यादि प्रतियोगिता हुआ। जिसमें टेक्नो राइटिंग में तनुजा को प्रथम, आरोही और सुमित को द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्टोरी राइटिंग में सुमित को प्रथम जबकि जिया और सलोनी को द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्केचिंग में आरती को प्रथम जबकि तृप्ति और शगुन को द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। फेस पेंटिंग में शगुन को प्रथम जबकि तृप्ति और सोनी को द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं दूसरी ओर वहीं दूसरी ओर फिंगर पेंटिंग में शगुन को प्रथम जबकि निशु और सलोनी को द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वाटर पेंटिंग में सोनी को प्रथम नूतन को द्वितीय तथा तृप्ति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। हैंड क्राफ्ट प्रतियोगिता में मनतशा को प्रथम किरण को द्वितीय तथा निशु को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं क्विज प्रतियोगिता में 21 बैच के विजेता को प्रथम, गौरव मिश्रा को द्वितीय तथा अनिकेत कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। दूसरी ओर डिबेट प्रतियोगिता में टीम विवेक को प्रथम स्थान मिला। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. राज किशोर तुगनायत उड़ान क्लब के सभी मेंबर्स को सराहा। इसके साथ बिहार के संस्कृति को जिंदा रखते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुरूआत की गई। मिथिला के मशहूर गीत ह्लआजू मिथिला नगरियाह्व पर नृत्य करके प्रियदर्शिनी ने सभी दर्शकों को विभोर कर दिया। वहीं संगीत में भी संस्थान के इंजीनियर ने अपने मधुर वाणी से धमाल मचाया। ड्रामा में बिहार के पावन और पवित्र पर्व छठ पुजा को प्रस्तुत किया गया। जिससे दर्शकों छठ पूजा के रंग में रंग गए और उनमें एक नया उल्लास दिखा। इस मौके पर संस्थान में कवि सम्मेलन का अयोजन भी किया गया था जिसके मुख्य अतिथि समस्तीपुर के लोकप्रिय शायर व कवि संदीप सहारे और कुंदन आनंद थे, जिनको संस्थान के प्रधानाचार्य ने सॉल और मुमेंटो देकर स्वागत किया। इस फेस्ट को सफल बनाने में क्लब के कोऑर्डिनेटर राहुल, नीतीश, अमन, अंजली, रजिया, रेमी जूही, विकास, अमन, सोनू, नीतू, मनताशा, मुन्ना, विक्रम, गौरव, सूर्यमणि, नीरज, रौशन, शौम्या, सिवानंद अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कोमल हत्याकांड व अन्य कांडों को लेकर जदयू कार्यकर्ता ने थाना परिसर में दिया धरना

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना परिसर में जदयू कार्यकताओं ने कोमल हत्याकांड व अन्य कांडो के उद्भेदन के अनुसार कार्यवाई हेतु धरना-प्रदर्शन किया। वहीं थाना के सामने ही सड़क पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अशोक पटेल एवं संचालन रामाशीष प्रसाद सिंह कर रहे थे। सभा के माध्यम से कोमल हत्याकांड में एसपी के उद्भेदन के मुताबिक कार्रवाई करने, कोमल हत्याकांड में दबाव दे रहे सफेदपोश नेताओं के नाम उजागर करते हुए कार्रवाई करने व विभूतिपुर थाना में झूठा मुकदमा कर नाजायज वसूली बंद करने की मांग की गई। वहीं वक्ताओं ने घोषणा करते हुए कहा की एक महीने के अंदर कोमल हत्याकांड के हत्यारे पर कार्रवाई नही हुई तो उग्र प्रदर्शन करते हुए सैकड़ो जदयू कार्यकर्ता थाना आकर अपनी गिरफ्तारी देगें। सभा को रामचंद्र महतो, तरुण कुमार सिंह, नरेश प्रभाकर, ललित पासवान, राजकुमार महतो, चांदनी देवी, रूणा देवी, क्रांति कुमार, अवधेश राय, अशोक कुमार, मोहम्मद यूनुस खां, मोहम्मद रिजवान, रणधीर कुमार, अर्जुन सिंह, शंभू नारायण ठाकुर, पप्पू राम, रामानंद ईश्वर, विनोद भगत, प्रमोद पासवान आदि ने संबोधित किया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपने के बाद सभा समाप्त हुई।

जदयू की बैठक हुई विकास योजनाओं पर चर्चा

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

मुसरीघरारी नगर पंचायत स्थित मुसरीघरारी बाबा धर्मकांटा के सभाकक्ष में शुक्रवार को जदयू कार्यकताओं की एक बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से ग्राम संसद संवाद कार्यक्रम को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस दौरान विधानसभा प्रभारी रामनाथ रमण ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा बिहार में सभी विभागों का काम हुआ है। इसके लिए मुख्यमंत्री खुद विकास योजनाओं योजनाओं की जांच कर रहे हैं। सात निश्चय योजना के तहत सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि क्षेत्र में बेहतर काम हुआ है। यह मुख्यमंत्री की हीं देन है कि बिहार के किसी भी कोना से पांच से छह घंटे में पटना आझ जा रहे हैं। आज छात्र और छात्रा साइकिल से स्कूल आते जाते हैं, यह बहुत ही गर्व की बात है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज गांधी, लोहिया, अंबेडकर, कपूर्री ठाकुर, जेपी की सोच को आगे बढा रहे हैं। वहीं बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत के लिए करने का भी आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता वीरेंद्र कुमार सिंह ने की। संचालन जदयू प्रखंड अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद ने किया। मौके पर मुसरीघरारी नगर पंचायत जदयू अध्यक्ष सुशांत सिंह, रामानंद झा, अनिल सिंह बाबा, विद्याकर झा, संजय कुमार सिंह, मानस कुमार, विशाल कुमार, दिनेश चौधरी, नागराज झा, दानिश कमाल सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

मृतका के आश्रित को दी गई बीमा की राशि

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। भारतीय स्टेट बैंक विभूतिपुर के शाखा प्रबंधक मिलिंद कुमार ने मृतिका पिंकी के आश्रित सुरज राम को दो लाख रुपए बीमा की राशि का चेक प्रदान किया है। सीएसपी कापन के संचालक रविंद्र कुमार ने बताया कि सूरज राम की पत्नी पिंकी देवी की खाता संचालित सीएसपी कापन था। बिमारी के कारण उनकी मौत हो गई। जिसके बाद उनके आश्रित को बीमा की राशि का चेक दिया गया है। मौके पर पंकज कुमार, फिल्ड ऑफिसर के साथ साथ दिवाकर कुमार, उदय कुमार आदि उपस्थित थे।

तिलक नगर में 47 वर्षों से हो रही है मां मनसा देवी की पूजा-अर्चना

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। शहर के स्टेशन रोड वार्ड संख्या 30 स्थित तिलक नगर मोहल्ले में मां मनसा देवी की पूजा-अर्चना धूमधाम से की जा रही है। बंगाली परिवार की ओर से यह आयोजन हर साल किया जाता है। वहीं विश्वनाथ घोष और उनके परिवार के सदस्य पिछले 47 साल से लगातार मां मनसा देवी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। विश्वनाथ घोष बताते हैं कि जिले में एकमात्र स्टेशन रोड तिलक नगर में ही मां मनसा देवी की पूजा होती है। बताया कि 1977 में पहली बार मां मनसा देवी की प्रतिमा स्थापित कर आराधना शुरू की, जो हर साल की जाती है। उन्होंने बताया कि इस बार भी मोहल्ले वालों के सहयोग से धूमधाम से आयोजन किया जा रहा है। बताया कि रविवार को प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सच्चे मन से जो भी श्रद्धालु मन्नत मांगते हैं, तो उनकी मनोकामना मां मनसा देवी के आशीर्वाद से पूरी होती है। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष मां मनसा देवी की वार्षिक पूजा में आसपास के मोहल्ले वासी की भीड़ बढ़ते जाती है। स्थानीय दीपक सिन्हा, गुड्डू वर्मा, सुमित कुमार सिन्हा, सुभाष सिंह आदि ने बताया कि तिलक नगर में बंगाली परिवार वर्षों से रह रहे हैं। बंगाली रीति रिवाज से यहां मां मनसा देवी की पूजा बड़ी धूमधाम से की जाती है। परिवार के सदस्य रेणु घोष, काशीनाथ घोष, इपशिता घोष, वासुदेव घोष, विकास घोष, अभिमन्यु कुमार, श्रीजीता राउत, अर्पिता राउत, पिंकी घोष, प्रियंका घोष, पिंटू घोष आदि में आयोजन को लेकर उत्साह देखा गया।

आंध्रप्रदेश में नौकरी के लिए बिहार के रामगढ़वा से गए 03 मजदूरों की दुर्घटना में मौत, 07 गंभीर घायल

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा प्रखंड में इन दिनों शायद काल मंडरा रहा है। अभी चिमनी ब्लास्ट में हुए मौत का मातम अभी खत्म भी नही हुआ था कि एक और बड़ी अनहोनी हो गई और एक दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी और सोशल मीडिया के अनुसार आंध्रप्रदेश के अनंतपुर कादरी में बिहार के रामगढ़वा प्रखंड के त्रिवेणी गांव के लोग मजदूरी करने गए गए थे, जहां एक सड़क दुर्घटना में घटना स्थल पर 03 लोगों की मौत हो गई। वही 7 मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। सातों मजदूरों की भी हालत काफी खराब है। मृतकों की पहचान रामगढ़वा थाना क्षेत्र के त्रिवेणी गांव निवासी हरी लाल यादव के पुत्र होरील यादव, यादोलाल यादव का पुत्र राजेश यादव एवं दुखी शाह के पुत्र नागेंद्र शाह के रूप में की गई है। वही घायलों की पहचान की जा रही है, जिनका इलाज चल रहा है। उधर घटना की सूचना मिलते ही गांव में चीख-पुकार मच गया है और मातम फैला हुआ है। वैसे अधिकारिक रूप से 3 लोगों के ही मौत की खबर भी आई है, लेकिन ऐसा बताया जा रहा है कि इस में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मजदूरों के परिजनों ने बताया कि उनके गांव का ही जूना यादव नाम का लेबर ठेकेदार है। उक्त ठेकेदार ने ही इन लोगों को मजदूरी करने के लिए अनंतपुर ले गया था। सभी लोग पिकअप पर लोग सवार थे और पिकअप के दुर्घटनाग्रस्त होने से इन लोगों की मौत हुई है। मृतकों के शव को लाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य में ठेकेदार जूना यादव और जिस कंपनी में काम करते थे, उसके मालिक पर दबाव बनाया जा रहा है ताकि इनका शव घर लाया जा सके। उधर घटना की सूचना पर पूर्वी चम्पारण के डीएम नें संज्ञान लिया है। श्रम अधीक्षक भी मामले पर संज्ञान लिया है। सभी मृतकों के आश्रितों को सरकार के तरफ से मुआवजा देने की बात कही जा रही है। अभी मृतकों का शव घर नहीं आया है।

अष्टयाम संकीर्तन से भक्ति में हुआ उदापट्टी गांव

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के उदापट्टी गांव में शुक्रवार को दो दिवसीय अष्टयाम संकीर्तन का शुभारंभ किया गया। अष्टयाम संकीर्तन को लेकर यज्ञ स्थल पर ध्वजारोहण कर भूमि पूजन किया गया। इससे पूर्व कुंवारी कन्याओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसके पश्चात गांव स्थित तालाब से पवित्र जल भरकर यज्ञ स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ स्थापित किया गया। वहीं पंडित अनिरुद्ध मिश्रा ने यजमान कीर्तन झा, योगमाया देवी एवं नवीन झा को यज्ञ में यजमान के रूप में संकल्प दिलाया। काली दुर्गे राधेश्याम, गौरीशंकर सीताराम के महामंत्र से अष्टयाम का शुभारंभ किया गया। इस यज्ञ में मधुकांत झा, आशा देवी, नवीन झा, सिंधु देवी, राधा झा, विभूति झा, विनोद चौधरी, गणेश झा, राज किशोर ठाकुर, अरुण चौधरी, अजय झा, रितेश झा, शत्रुघ्न झा, हरेराम झा, अमरनाथ झा, पूर्व मुखिया माधुरी देवी, राहुल झा, बिट्टू झा, सुरेंद्र झा, मुकेश झा सहित समस्त ग्रामीण सहयोग दे रहे हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई ,12घंटे के अंदर लूट के 8 लाख के साथ 5 लुटेरे गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले की पुलिस को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है ।लूट की घटना के 12घंटे के अंदर पुलिस ने लूटे गए बैग समेत 8 लाख रुपये के साथ 5लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है ।सभी गिरफ्तार लुटेरे कुख्यात कोड़ा गिरोह के बताए जा रहे हैं। गुरुवार को करीब दोपहर में सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर स्थित भारतीय स्टेट बैंक के पास से एक पल्सर मोटरसाईकिल पर सवार दो अज्ञात अपराधियों द्वारा भगवानपुर निवासी सनोज कुमार, से बैग समेत 8 लाख रुपये लूट लिया था। लूट के बाद अपराधी गोबर सही की तरफ भाग गये थे। सनोज बैंक से रुपये निकासी कर घर जा रहा था। इस घटना के बाद पुलिस समेत स्थानीय लोगों में हडकम्प मंच गया था।

इस संदर्भ में सनोज के लिखित आवेदन के आधार पर सदर थाना कांड सं0-801/23 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया ।कांड के उद्भेदन हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक मुजपफरपुर के द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। जिसमें सहायक पुलिस अधीक्षक नगर, सदर थानाध्यक्ष, एवं प्रभारी जिला आसूचना ईकाई शामिल थे ।एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि उक्त टीम द्वारा मानवीय एवं तकनिकी साक्ष्यों के आधार पर कांड में संलिप्त अपराधकर्मियों को 12 घंटे के अंदर छीने गए रुपयों के साथ रवीन्द्र कुमार , संजय कुमार , आकुब सिंह नागेन्द्र कुमार , और गोपाल यादव को गिरफ्तार कर लिया गया ।सभी गिरफ्तार लुटेरे ग्राम जौराबगंज ,थाना कोढा जिला कटिहार के निवासी बताए गए हैं ।उनके पास से लूटे गए नगद 8 लाख (पांच सौ के नोट की 16गड्डी), घटना के दौरान अपराधकर्मियों द्वारा पहना गया कपड़ा,. पीडित का छीना गया बैग,2 नंबर प्लेट ,मोबाईल बरामद हुआ है,30पुबिया स्मैक , तीन मोटरसाइकिल फर्बजी आधारकार्ड और वोटर आइकार्ड मोटरसाइकिल की 4 चाभी बरामद किया गया है।

साइंस एंड टेक्नालॉजी के विकास पर जीडीपी का 3 प्रतिशत खर्च करें सरकार :आशुतोष

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । एल.एस. कॉलेज कैंपस में इंडिया मार्च फॉर साइंस का कार्यक्रम किया गया। ब्रेकथ्रू साइंस सोसायटी के द्वारा 2017 से ही विभिन्न मुद्दों पर इंडिया मार्च फॉर साइंस का कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 09 अगस्त को आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी 9 अगस्त से लेकर 17 अगस्त तक पूरे देश भर में इंडिया मार्च फॉर साइंस का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मौके पर ब्रेकथ्रू साइंस सोसायटी के जिला संयोजक आशुतोष कुमार ने इंडिया मार्च फॉर साइंस के आयोजन की मांगों को आम लोगों के सामने रखा गया जिसमें नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत इंडियन नॉलेज सिस्टम के नाम पर पाठ्यक्रमों में लाए जा रहे अवैज्ञानिक चिंतन पर रोक लगाने,अवैज्ञानिक एवं अंधकार फैलाने वाले चिंतन को फैलाने पर रोक लगाने एवं संविधान के आर्टिकल 51(अ) के अनुसार वैज्ञानिक चिंतन का प्रचार- प्रसार करने, सीबीएसई पाठ्यक्रमों से हटाए गए चार्ल्स डार्विन के इवोल्यूशन थिअरी, पीरियोडिक टेबल एवं मिडाइवल हिस्ट्री को पुनः शामिल करने, पर्यावरण की सुरक्षा एवं क्लाइमेट चेंज को रोकने के लिए प्रभावकारी कदम उठाए जाए एवं प्राकृतिक संसाधनों का कुछ मुट्ठी भर लोगों के हित में अंधाधुंध दोहन बंद करने , साइंस और टेक्नोलॉजी के विकास के लिए जीडीपी का 3 प्रतिशत कम से कम खर्च किए जाने तथाकेंद्रीय बजट का 10 प्रतिशत एवं राज्य बजट का 30 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने की मांग शामिल हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंकुश कुमार, संतोष कुमार, अजय कुमार, दीपक, राहुल कुमार, तारीफ, सनी कुमार, रेयाज, इम्तियाज, आरिफ आदि शामिल थे।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने किया विद्यालय का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।कुढनी प्रखण्ड के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम मे हाईस्कूल कमतौल,हाईस्कूल तुर्की,बुनियादी अभ्यासशाला तुर्की आदि विद्यालयों में निरीक्षण कार्य किया गया! अपर मुख्य सचिव ने हिदायत दी है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से किसी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता है ।बच्चों को सर्वांगीण विकास जरुरी है। इसमें शिक्षा का महत्त्वपूर्ण भूमिका है ।उन्होंने शिक्षक उपस्थिति,पेयजल,साफ-सफाई,विद्यालय भवन,छात्र उपस्थिति आदि पर विशेष रुप से जोर दिया। अपर मुख्य सचिव ने राजकीय बुनियादी अभ्यासशाला तुर्की में जर्जर भवन एवं चहारदीवारी नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा डीईओ अजय कुमार सिंह को निर्देश दिया गया कि इसपर विशेष ध्यान देते हुए तत्काल भवन एवं चहारदीवारी बनवाने की प्रक्रिया शुरू किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

सारण में 33 हुए गिरफ्तार

छपरा . सारण पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्यरत है. प्रत्येक दिन छापेमारी कर धर पकड़ की करवाई भी की जाती है. इसी क्रम में गुरुवार को सारण जिला के विभिन्न कांडों के 33 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. एक दिन के भीतर की गई कारवाई की गिरफ्तारी में हत्या के प्रयास के कांड में 10, एससी एसटी के कांड में 1, उत्पाद अधिनियम में 10, तथा अन्य कांड में 12 गिरफ्तारियां शामिल हैं. इसके अतिरिक्त अवैध मादक पदार्थ के रूप में 300 लीटर देसी शराब जप्त किये गए. वाहन जांच के दौरान 103000 रुपए की राशि जुमार्ने के रूप में वसूली गई. इसके साथ एक दिन में 1 मोटरसाइकिल, 5 ट्रक, तथा 1 अपहृता बरामद किए गए.

सीएसपी कर्मी से पिस्टल दिखाकर रुपये लुटे

मकेर (सारण) शुक्रवार की सुबह पिस्टल दिखाकर एसबीआई सीएसपी कर्मी से एक लाख ग्यारह हजार दो सौ बीस रुपये लूट कर अपराधी फरार हो गये ,घटना के संबंध में बताया जाता हैं कि राजद के वरिष्ठ नेता सिपाही लाल महतो का मकेर बाजार में एसबीआई की शाखा है उसमें परसा थाना क्षेत्र के शंकर दिह निवासी टिंकू कुमार अपने घर से बैग में राशि लेकर आ रहा था कि अंजनी नहर के समीप अज्ञात बदमाशों ने दो बाइक से असलहा दिखाकर रुपये लुट लिया ।घटना की जानकारी प्राप्त होते ही परसा थाना सक्रिय हो धार पकड़ने का प्रयास कर रही हैं लेकिन समाचार प्रेषण तक किसी की गिरफ्तारी की सूचना नही है ।घटना एस्थल परसा थाना क्षेत्र होने के कारण परसा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।मालूम हो कि इस घटनाक्रम से ब्यवसाईओ में दहशत का माहौल है ।सिपाही लाल महतो राजद के वरिष्ठ नेता हैं जबकि उनकी पतोहू सिमा देवी सारण जिला के पूर्व अध्यक्ष रह चुकी हैं ।इन सब के बाद भी अपराधियों की बढ़ते मनोबल प्रशासन के लिए सिरदर्द बना हुआ है ।

दिघवारा में तीन ओवरलोड ट्रक जप्त,दो चालक समेत तीन गिरफ्तार

दिघवारा नगर ।थाना क्षेत्र के फोरलेन मधुकॉन बेसकैंप के समीप बिना चालान व ओवरलोड जाँच के क्रम में तीन ओवरलोड ट्रक तथा एक ही चालान पर दो वाहन परिचालन करते तीन ट्रक को जप्त किया गया ।जप्त ट्रक के दो चालक को गिरफ्तार किया गया साथ ही ट्रकों के परिवहन कराते एक पासर को गिरफ्तार किया गया है ।गिरफ्तार वाहन चालक दरियापुर के बजहियां गांव निवासी सत्येंद्र राय,सामनचक गांव निवासी उपेंद्र राय बताता जाता है ।वही पासर सामनचक निवासी कृष्णा राय बताया जाता है ।पुलिस तीनो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।खान निरीक्षक अंजनी कुमार ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

जदयू का प्रशिक्षण सह संवाद कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा : सर्राफ

20 को राजगीर के इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होगा कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राजगीर के इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 20 अगस्त को जदयू व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ तथा जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ का संयुक्त प्रमंडलीय कार्यक्रम आयोजित है। इस कार्यक्रम में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, वित्त मंत्री विजय कुमार चैधरी, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधानपार्षद सह कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ, विधानपार्षद सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप, जदयू व्यावसायिक एवं उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष धनजी प्रसाद सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में पत्रकारों से बात करते हुए विधानपार्षद सह कोषाध्यक्ष एवं दोनों प्रकोष्ठों के प्रभारी ललन सर्राफ ने कहा कि जदयू समाजवादी विचारों के प्रति समर्पित पार्टी है। पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने हेतु 1 जुलाई से ही दोनों प्रकोष्ठों का संयुक्त प्रमंडलीय कार्यक्रम हो रहा था, जिसका भव्य समापन 20 अगस्त को राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होना है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं के साथ ही बड़ी संख्या में प्रदेश भर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे। यह कार्यक्रम हर लिहाज से ऐतिहासिक होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 18 वर्षों में हुए अभूतपूर्व कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा और इसके साथ-साथ भाजपा की नकारात्मक राजनीति और उसके फजीवाड़े की पोल भी खोली जाएगी। इस मौके पर जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप ने बताया कि 20 अगस्त के कार्यक्रम में प्रशिक्षण और संवाद के साथ ही स्थानीय मुख्य बाजार में हाटे बाजार-नीतीशे कुमार जनसम्पर्क अभियान और नुक्कड़ सभा का आयोजन भी होगा। दोनों प्रकोष्ठों के साथियों की इसमें शानदार सहभागिता होगी।

राज्य सरकार पत्रकारों पर हमले को लेकर अधिकारियों को करे आगाह नहीं तो होगा उग्र आंदोलन

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।देश के वेब पत्रकारों के अग्रणी संगठन वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन आफ इण्डिया (डब्ल्यूजेएआई) ने आज बिहार के दो अलग अलग जगहों पर हुए चौथे स्तंभ पर कायराना, शर्मनाक और निन्दनीय हमलों की कड़ी निंदा की है और राज्य सरकार को अपराधियों पर त्वरित कठोर कार्रवाई के लिए 48 घंटों का अल्टीमेटम दिया है। संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने राज्य सरकार से अपराधियों के बढ़ते मनोबल पर अपनी जीरो टालरेंस की नीति पर त्वरित जमीनी कार्रवाई करने की मांग की है और विफलता की स्थिति में राज्य व्यापी उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

खबरों के अनुसार बिहार के अररिया में एक अखबार के पत्रकार की चार अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पत्रकार की पहचान विमल कुमार यादव के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, अररिया जिले के रानीगंज स्थित विमल कुमार यादव के आवास पर तड़के चार अपराधी दाखिल हुए थे।उन्होंने विमल को जगाकर उनपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. पत्रकार विमल को सीने में गोली मारी गई है। घटना के पीछे भाई के हत्याकांड में गवाही की बात कही जा रही है।

संगठन ने अपने आफिशियल हैंडल पर इस मामले में लिखा है कि अररिया में दैनिक जागरण के पत्रकार की अपराधियों द्वारा की गई जघन्य हत्या निंदनीय है।अपराधियों में कानून का डर खत्म होने लगा है। वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया राज्य सरकार से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और स्पीडी ट्रायल की मांग करती है। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य सरकार विफल रही है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ ही अगर सुरक्षित नहीं होंगे तो फिर आम लोगों की दशा क्या होगी। डब्ल्यूजेएआई दिवंगत पत्रकार के आश्रितों को राज्य सरकार द्वारा दस लाख रुपए की आर्थिक मदद एवं परिवार के एक सदस्य को स्थाई नौकरी देने की मांग भी करती है।

इमामगंज में लुट की योजना बना रहे पाच अपराधी गिरफ्तार - एस एस पी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया पुलिस के द्वारा लगातार अपराधियों को धरपकड़ के लिए विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में सेसपी को गुप्त सूचना मिली कि मगरा थाना क्षेत्र आने वाला सुधीर यादव सुधीर बाबा जो अभी के समय में औरंगाबाद के मदनपुर में शरण लिया हुआ है इस पर इमामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रानी के निश्चित एक दुकान में अपने अन्य सहयोगी के साथ लूटपाट की योजना बनाया और एग्जाम देने वाला है इस पर आज एसएसपी ने प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी दी कि एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि इस तरह की सूचना मिलते ही गोपनीय तरीके से साजिश करता सुधीर यादव सुधीर बाबा को देवोच लिया गया इनसे पूछताछ के लिए लाया गया पूछताछ में उसने लूट की योजना की बात को स्वीकार कर लिया और अपने साथियों को ठिकाने के बारे में पूरी जानकारी से बता दिया इस पर एसपी ने विशेष टीम का गठन कर गठन किया उसे टीम के नेतृत्व एसपी अभियान कर रहे थे उसे टीम में इमामगंज डीएसपी इमामगंज के शो सुमित और पुलिस पदाधिकारी को भी शामिल इस टीम में किया गया उसे स्थान पर क्षमतापारी करते हुए घटना में शामिल सभी अपराधियों को इमामगंज क्षेत्र में छापामारी कर दो पूछ लिया गया पकड़े गए ।

लोक शिकायत के अपीलीय मामलों पर डीएम ने की सुनवाई 7 मामलों में 5 पर आदेश पारित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगर. जिला पदाधिकारी अमन समीर ने लोक शिकायत के मामलों पर शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में सुनवाई की. बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत कुल 07अपीलार्थियों ने द्वितीय अपील वाद दायर किया था, जिस पर डीएम ने सुनवाई की. उन्होंने सभी मामलों के परिवादकर्ता तथा संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति में एक एक कर मामलों पर सुनवाई की और अपने आदेश पारित किए. कार्यालय कक्ष में जहां सभी परिवादकर्ता सदेह उपस्थित रहे तो वहीं कई पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई से जुड़े. जिलाधिकारी ने 05 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित किया जबकि शेष 02 मामलों पर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से प्रतिवेदन उपस्थित करने की मांग की. बताते चलें कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी अथवा विभाग अपने कर्तव्य के पालन में लापरवाही बरतता है अथवा कोई गलत कार्य करता है तो उसके खिलाफ जनता द्वारा सक्षम पदाधिकारी के यहां शिकायत की जा सकती है. यह कानून बिहार में 2015 में लागू हुआ था जिसके बाद कई सारे मामलों का निष्पादन किया जा चुका है

परिवहन विभाग की नई व्यवस्था से फर्जी एचएसआरपी बनाने वालों पर लगेगा लगाम

प्रात : किरण संवाददाता

- परिवहन विभाग ने इस बाबत डीएम एसपी को भेजा पत्र,इससे राजस्व में होगी वृद्धि

छपरा ' गाड़ियों पर अवैध नंबर प्लेट लगाने वालों की अब खैर नहीं, इसको लेकर परिवहन विभाग ने बड़ा फैसला किया है ' इस संबंध में परिवहन विभाग के सचिव ने डीएम एसपी को पत्र भेजकर ऐसे मामलो पर कार्रवाई करने को कहा है ' मिली जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग के मानक के विरुद्ध स्थानीय स्तर पर निबंध प्लेट का निर्माण कर निबंधन संख्या अंकित की जा रही है ' इसके अतिरिक्त यह भी जानकारी मिली है कि मूल निबंधन संख्या की जगह दूसरे निबंधन संख्या का भी फर्जी नंबर प्लेट फुटपाथ पर बनाया जा रहा है ' बता दें कि वाहन की नंबर प्लेट पर अलग-अलग तरह से लिखवाना भी अवैध माना गया है ' इस मामले में वाहन चालक अपने वाहनों के नंबर प्लेट पर निबंधन संख्या से छेड़छाड़ करते हुए मानक के विरुद्ध अंकित करने पर कार्रवाई होगी ' केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली के तहत वाहन मालिक को अपनी गाड़ी पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है ' बिना एचएसआरपी लगे वाहन का परिचालन करने पर धारा 177 एवं धारा 179 के तहत उल्लंघन माना जाएगा और ऐसे वाहन मालिकों पर कार्रवाई होगी ' परिवहन विभाग के अनुसार राज्य में नए वाहनों में संबंधित कंपनी अधिकृत विक्रेता को एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना है ' जबकि पुराने वाहनों में एचएसआरपी लगाने के लिए जिस कंपनी की गाड़ी है उसी कंपनी को अधिकृत कर दिया गया है ' वहीं विभागीय सचिव द्वारा डीएम और एसपी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि गाड़ियों में अवैध नंबर प्लेट लगाने वालों पर कार्रवाई की जाय, तथा इस तरह का नंबर प्लेट बिक्री करने वालों पर भी करवाई करें ' परिवहन विभाग की नई व्यवस्था से फर्जी वाहन नंबर प्लेट बनाने वालों पर लगाम भी लगेगा और सरकार की राजस्व में भी वृद्धि होंगी '

जिला परिषद के सभी हाट बाजारों को और अच्छे तरीके से डेवलप करें : अपर मुख्य सचिव

प्रात : किरण संवाददाता

गया।अपर मुख्य सचिव पंचायत राज विभाग बिहार सरकार मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में मगध प्रमंडल के आयुक्त के साथ-साथ मगध प्रमंडल के पांचों जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त एवं जिला पंचायत राज पदाधिकारियों के साथ पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यों की प्रमंडल स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयुक्त कार्यालय में आयोजित की गई है।अपर मुख्य सचिव ने सभी जिला पदाधिकारी से बिंदुवार जानकारी लिया गया है।जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पंचायत राज विभाग अंतर्गत संचालित कार्यालय का निरीक्षण अपने स्तर से हर हाल में करेंगे। कार्यालय निरीक्षण के पहले निरीक्षण एजेंडा तैयार करेंगे तथा उसी अनुरूप कार्यालय का जांच करेंगे। पंचायत समिति कार्यालय का भी जांच करेंगे। जिला पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने स्तर से सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी के माध्यम से प्रत्येक माह कम से कम दो ग्राम पंचायत का निरीक्षण करवाएंगे। जिला पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया की जांच कैलेंडर हर हाल में तैयार करें और इस कैलेंडर को फॉलो करें, जिससे नीचे वाले सभी कार्यालय पूरी सतर्कता से कार्य करेगा।अपर मुख्य सचिव ने खुशी प्रकट किया कि गया जिला पंचायत राज विभाग के योजनाओं का जांच काफी अच्छी गुणवत्ता से और नियमित करवाया है। जो भी योजना बंद रहती है उसे तुरंत फंक्शनल करवा लिया जाता है। जिला परिषद के सभी परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु जमाबंदी को कायम करवाएं। सभी पुराने खतियान से मिलान करवाएं। सारी जमीन के रिकॉर्ड को संधारित कराएं उसके पश्चात जमाबंदी कायम कराएं।जिला परिषद को राजस्व विभाग द्वारा स्थानांतरित एवं जिला परिषदीय सैरातों की बंदोबस्त के समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिला परिषद गया के क्षेत्र में 22 स्थान पर सैरात बंदोबस्त किया है जहां हाट, मेला, बाजार, बस पार्किंग, सब्जी मंडी, टेंपो स्टैंड चल रहे हैं। इस प्रकार औरंगाबाद में 34 स्थान पर सैरात बंदोबस्त किया है, नवादा में 10 स्थान पर, जहानाबाद ने 11 स्थान पर, अरवल ने दो स्थानों पर सैरात बंदोबस्त किया है। इन सभी स्थानों से वार्षिक आय जिला परिषद को प्राप्त हो रहे हैं। जिसमें अब तक 10 प्रखंडों के 42 पंचायत के 156 वार्ड में 1441 स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं। उसी प्रकार जहानाबाद में सात प्रखंड के 88 पंचायत के 352 वार्ड में 3520 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाया जाना है जिसमें अब तक दो प्रखंड के 8 पंचायत के 28 वार्ड में 280 सोलर लाइट लगा दिया गया है।अपर मुख्य सचिव ने सभी पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के अंदर शत प्रतिशत ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाना सुनिश्चित करवाये। जिलों में चयनित एजेंसियों को लगातार निर्देशित रखें की तेजी से सोलर लाइट अधिष्ठापन करवाना सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव ने सभी पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि पंचायत राज विभाग के मुख्यमंत्री ग्रामीण पेयजल निश्चय योजना संबंधित योजना को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग में स्थानांतरण का कार्य सभी पदाधिकारी तेजी से करवाएं ताकि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंता उससे नियमित मेंटेनेंस रख सके।

इसके बाद विभागीय योजनाओं की विस्तार से विचार विमर्श सभी जिला पदाधिकारियों, उप विकास आयुक्त तथा पंचायत राज पदाधिकारी के साथ की गई है।

रितु राज सिन्हा को बामपाली मे भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व मे किया गया स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री रितु राज सिन्हा जी को बक्सर जाने के दौरान भाजपा जिला कार्यालय बामपाली मे भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे भव्य रूप से फूल माला, अंग वस्त्र के साथ स्वागत किया गया ।

स्वागत करने वालो मे भाजपा जिला उपाध्यक्ष ई0 धीरेन्द सिंह, प्रेम पंकज उर्फ ललन जी, वंदना राजवंशी , जिला मंत्री मधु मिश्रा, संतोष चंद्रवंशी,जिला कार्यालय प्रभारी रमेश कुमार सिन्हा उर्फ कर्ण जी , पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेम रंजन चतुर्वेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरेन्द्र पाण्डेय, अशोक कुमार शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता सिंह, शालीन सिंह, अनुपमा, मालती सिंह, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विभु जैन,विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक मणि शंकर सिंह, डा संदीप कुमार, चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक संतोष पाण्डेय, भाजपा गजराजगंज मंडल अध्यक्ष विरेन्द्र कुमार,अजय सिंह, राम दिनेश यादव, सूर्यकांत पांडेय, प्रहाद राय, ज्योति प्रकाश, दीपक सिंह, भुवनेश्वर ठाकुर, निशांत सिंह सेंगर, आदित्य सिंह, राँविन कुशवाहा, ध्रमेन्द्र सिंह, अमरीकन राम ,विनय गुप्ता, अम्बिका सिंह सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

बाद मे भाजपा कार्यालय मे ही भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अंगद सिंह की पत्नी के निधन होने पर दो मिनट मौन रख कर उनकी आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई।

बिहार में लोकतंत्र की चौथे स्तम्भ की हत्या काफी दु:खद और निंदनीय : डा प्रेम कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

गया। बिहार भाजपा के वरीय नेता व पूर्व कृषि मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार में अपराधियों का खौफनाक तांडव चल रहा है। बिहार के महागठबंधन सरकार प्रधानमंत्री बनने एवं बनाने में मशगूल हैं।इधर घर पर ठेकेदार,अस्पताल में स्वास्थ्य कर्मी,सड़कों पर आम नागरिक और तो और जिनके जिम्मे जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी है उस थानेदार की भी हत्या हो रही है। अति तो आज हो गया जब लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ दैनिक जागरण के पत्रकार की हत्या सवेरे-सवेरे घर में घुसकर कर दी गई। जिस राज्य में पुलिस की हत्या हो,पत्रकार की हत्या हो वहां लोकतंत्र पर बात करने वाली बिहार सरकार को लज्जा आनी चाहिए। बिहार में सुशासन कहां है? कोई बताएं? दैनिक जागरण के जिस पत्रकार की हत्या आज हुई वे अपने भाई की हत्या के इकलौते गवाह थे। जिनकी सुरक्षा जरूरी थी। अब हत्या कर दी गई है। इनको और इनके भाई को न्याय कैसे मिल पाएगा ?बिहार की जनता को न्याय कैसे मिलेगा? लोग सुरक्षित कैसे रहेंगे? राज्य की अनैतिक गठबंधन सरकार जरा बताएं।

भोजपुर के विभिन्न प्रखंड में मुखिया संग ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

जिला भोजपुर के आरा सदर प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष मुकेश कुमार प्रसाद के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी,प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारीएवं मनरेगा पीओ को मुखिया प्रतिनिधि मंडल के साथ राज व्यापी हड़ताल 16 अगस्त से31 अगस्त तक के लिए ज्ञापन सौपा ।ज्ञापन सौपने के दौरान भोजपुर जिला मुखिया संघ केअध्यक्ष हरेन्द्र प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संजीव कुमार उर्फ मिया सिंह, प्रखंड सचिव उदय सिंह महुली, मुखिया भूपेश कुमार धमार, मुखिया गौतम सागर भकुरा, मुखिया संजय यादव और अन्य मुखिया गण उपस्थित थे।

सहयोगी विभागों और संस्थानों के समन्वय से व्यापक स्तर पर करें लोगों को जागरूक : बीडीओ

20 सितंबर से शुरू होने वाले एमडीए को लेकर बीएलएफटी की बैठक आयोजित

- सभी सहयोगी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को बनाया जाएगा सफल

प्रात : किरण संवाददाता

आरा।भोजपुर जिले के गड़हनी प्रखंड को फाइलेरिया मुक्त बनाने और सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम को लेकर जिले के गड़हनी पीएचसी में प्रखंडस्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने की। बैठक में आगामी 20 सितंबर से शुरू होने वाले एमडीए कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार एवं इसकी सफलता पर विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आपसी सहयोग के साथ काम करें। फाइलेरिया से बचाव के लिए एमडीए का कार्यक्रम चलाया जाना है। जिसमें आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर डीईसी व अल्बेंडाजोल की गोलियां दो साल से कम के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर बाकी सभी को खिलाएंगी। कार्यक्रम में जनभागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले माइक्रो प्लान के अनुसार आपसी समन्वय से कार्य करना होगा। साथ ही, ज्यादा से ज्यादा लोगों को फाइलेरिया के प्रति जागरूक करना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और सहयोगी संस्थान व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें।

सभी को कराया जाएगा फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन : बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महेंद्र कपुर ने बताया कि विगत दिनों किए गए नाइट ब्लड सर्वे में कई लोगों में फाइलेरिया के लक्षण पाए गए। इसकी रोकथाम को लेकर सभी लोगों को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कराया जाएगा। कार्यक्रम के तहत शुरूआत तीन दिनों तक स्कूल, संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों पर बूथ लगाकर दवाओं का सेवन कराया जाएगा। उसके बाद फ्रंट लाइन वर्कर्स के माध्सम से डोर-टू-डोर जाकर लोगों को दवाओं का सेवन कराया जाएगा। इसके लिए आशा कार्यकताओं से माइक्रो प्लान लिया जा रहा है। गत दिनों आशा कार्यकताओं की हड़ताल के कारण एमडीए की तिथियों को आगे बढ़ा दिया गया है। ताकि, अभियान का लाभ पाने से कोई भी वंचित न रहे। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रखंड के लोगों का भी सहयोग लिया जाएगा। लोगों को जागरूक किया जाएगा कि एमडीए के दौरान खिलाई जाने वाली दवाएं पूर्ण रूप से सुरक्षित एवं प्रमाणित है। स्वस्थ व्यक्ति को भी इसका सेवन करना है। तभी प्रखंड को फाइलेरिया से मुक्त बनाया जा सकता है।

फाइलेररिया रोधी दवाओं का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं : डॉ. महेंद्र कपुर ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए पंचायती राज विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, जीविका, पीसीआई समेत सभी सहयोगी संस्थान का कर रहे हैं। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों तक फाइलेरिया और एमडीए की जानकारी पहुंचाकर उन्हें जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि लोगों को बताया जा रहा है कि इस अभियान में दो साल से कम के बच्चों को दवा नहीं खानी है। गर्भवती महिलाओं को नहीं खानी है एवं गम्भीर रूप से बीमार लोगों को दवा नहीं खानी है। इन तीनों वर्गों के लाभुकों को छोड़कर शेष सभी लोगों को दवा खानी है। साथ ही, लोगों को बताया जाएगा कि इन दवाओं का कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है। यह दवा शरीर में मौजूद माइक्रो फाइलेरिया पर वार करती है। यदि किसी के शरीर में माइक्रो फाइलेरिया मौजूद है, तो उनको थोड़ी परेशानी होने की संभावना है। -बैठक में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विवेक कुमार, प्रबंधक अनिल कुमार, बीसीएम प्रकाश कुमार रजक, के अलावा आईसीडीएस विभाग की महिला पर्यवेक्षिकाएं गुंजा कुमारी और शकुंतला देवी शामिल रहीं।

सभी मुखिया 22 को करेंगे धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

गड़हनी(भोजपुर)। जिले के गड़हनी प्रखंड मुख्यालय पर राज्यव्यापी मुखिया संघ के आह्वान पर मुखिया संघ गड़हनी के बैनर तले शुक्रवार को मुखिया संघ के प्रखंड सचिव सुनील कुमार पाल की देखरेख में धरना-प्रदर्शन किया,उसके बाद बैठक के किया। 7 सूत्री मांग केंद्र सरकार एवं18 सूत्री मांग राज्य सरकार से करते हुए बीडीओ व मनरेगा पी०ओ० को माँग पत्र सौंपा दिया। मुखिया संघ सचिव सह बलिगांव पंचायत मुखिया सुनील कुमार पाल ने बताया कि सरकार दिन प्रतिदिन मुखिया के अधिकारों में कटौती करते जा रही हैं ।आज जब से पंचायती चुनाव सम्पन्न हुआ है उसके बाद से ही अब तक 16 मुखिया एवं मुखिया प्रतिनिधियों की हत्या हो चुकी है ।पूर्व में सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा पत्र दिया गया था कि सभी मुखिया जी लोगों को जिला स्तर पर कैम्प लगाकर हथियार का लाइसेंस दिया जाएगा लेकिन आज तक उस पत्र पर अमल नहीं किया गया ।जिसके चलते आये दिन मुखिया की हत्या हो रही है और सरकार मौन है,अगर 21 अगस्त सरकार सारी मांगे मान जाती है तो ठीक हैं नही तो 22 अगस्त को राज्यस्तरीय विभिन्न प्रखण्ड मुख्यालयों पर मुखिया संघ के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन आयोजित करेगा। इससे संबंधित माँग पत्र का ज्ञापन सौंपा गया हैं।सरकार लगातार अधिकारों में कटौती करती जा रही है। कटौती के कारण योजनाओं में कमीशनखोरी बढ़ रही है। ऐसे में जनोपयोगी योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन में बुरा असर पड़ रहा है। अनिश्चितकालीन चलने वाली हड़ताल को कारगर बनाने के लिए जिला मुख्यालय तक चरणबद्ध आंदोलन चलाये जाने का फैसला लिया गया है। बढ़ती कमीशनखोरी से परेशान मुखिया संघ 31 अगस्त तक हड़ताल पर रहेंगे।गड़हनी मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन में मुखिया सुनील पाल, मुखिया प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह,हरिद्वार सिंह,संजय चौधरी,कमोद कुमार ने पहुंच अपनी उपस्थिति दर्ज किया।

घायलों तथा मृतक के स्वजनों को डीएम ने दिए आर्थिक सहयोग

प्रात : किरण संवाददाता

गया। देवरी डुमरी फील्ड फायरिंग रेंज में सैनिक द्वारा किए जा रहे अभ्यास फायरिंग के दौरान छोड़े गए गोले के चपेट में आने से बाराचट्टी प्रखंड के गूलरवेद गांव में तीन लोग की मौत तथा तीन लोग घायल हो गए थे। पीड़ित के स्वजनो को जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस एम ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित अपने आवास पर बुलाकर सरकार की योजना अंतर्गत आर्थिक सहयोग का चेक सौपा गया है। यह जानकारी देते हुए पंचायत के मुखिया संजीव कुमार उर्फ गुड्डू यादव ने बताया कि मंजू देवी फूलचंद मांझी, पिंटू कुमार गोला विस्फोट होने के बाद उसके कन से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जबकि सूरज कुमार 16 वर्ष गुलरवेद, गोविंद मांझी 29 वर्ष तथा उनकी पत्नी कंचन देवी 28 वर्ष ग्राम बनवारा प्रखंड डोभी की मौत गोला विस्फोट होने के कारण हुआ था। डीएम ने घायलो को 33 हजार 333 रूपया एवं गोविंद मांझी के पिता बिनोद मांझी को दो लाख,सुरज के पिता ऐतवार मांझी को एक-एक लाख रुपए का चेक सौंपा गया है। मुखिया संजीव कुमार ने बताया कि यह पहला मौका है जब गोला के चपेट में आने के बाद पीड़ित स्वजन को जिलाधिकारी के तरफ से आर्थिक सहयोग मिला है। इसके लिए मुखिया ने डीएम त्यागराजन एस एम को बधाई दिया है।

सम्पादकीय

इंडिया में अविश्वास!

विपक्षी गठबंधन इंडिया में दरारें और अविश्वास के भाव पनपने लगे हैं। देश की मौजूदा राजनीति के मद्देनजर यह गठबंधन बेहद जरूरी और प्रासंगिक है, लिहाजा किसी भी दरार के उभरने पर उसका विश्लेषण भी अनिवार्य है। भारत में राजनीतिक गठबंधनों की नियति यही रही है कि वे बनते हैं, क्योंकि उन्हें टूटना होता है। वे टूटते हैं, क्योंकि फिर बनना होता है। सियासी गठबंधन का कोई भी स्थायी भाव नहीं होता। शरद पवार देश के रक्षा और कृषि मंत्री रह चुके हैं। वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। एक दौर था कि उनका नाम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पद के लिए भी चर्चा में रहता था। यह दीगर है कि उनकी पार्टी इतनी छोटी है कि वह कभी इन पदों तक पहुंच ही नहीं सके और न ही संभव था। अलबत्ता वह भाजपा में आ जाएं, तो विचार किया जा सकता है, लेकिन वह देश के प्रधानमंत्री कभी भी नहीं बन सकते। ऐसे वयोवृद्ध और अनुभवी नेता पर शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस के वे नेता सवाल कर रहे हैं, जो नौसीखिया जमात के हैं और विपक्षी गठबंधन के धागे बुनने में जिनका रत्ती भर भी योगदान नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा ने मीडिया को सार्वजनिक तौर पर ब्रीफ किया कि कांग्रेस नेतृत्व ने दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर चुनावी तैयारी के निर्देश दिए हैं, जाहिर है कि पार्टी सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। यह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के प्रादेशिक नेताओं ने एक बैठक में तय किया। तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी, लिहाजा दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज और आम आदमी पार्टी (आप) की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने गठबंधन के औचित्य पर सवाल उठा दिए। यह भी कहा कि इंडिया की मुंबई बैठक में शामिल होने का मतलब ही क्या है? अलबत्ता उन्होंने अंतिम फैसला मुख्यमंत्री केजरीवाल पर छोड़ दिया। दूसरी तरफ महाराष्ट्र के भीतरघात हैं। वहां उपमुख्यमंत्री अजित पवार और दिग्गज नेता शरद पवार की मुलाकात पुणे के एक उद्योगपति के आवास पर हुई। इससे पहले भी दो-तीन मुलाकातें हो चुकी थीं। शरद पवार उपमुख्यमंत्री के सगे चाचा हैं और पवार परिवार में पिता-तुल्य हैं, लिहाजा ऐसी मुलाकातें स्वाभाविक हैं। एनसीपी में बगावत और विभाजन के बाद ये मुलाकातें हुई हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी के मुखपत्र सामना में इन मुलाकातों के मद्देनजर संपादकीय तक लिख दिया गया कि शरद पवार भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने संभावनाओं का पिटारा ही खोल दिया कि अजित के जरिए शरद पवार भाजपा-एनडीए में जा सकते हैं। उन्हें केंद्रीय कृषि मंत्री या नीति आयोग का उपाध्यक्ष बनाने की पेशकश दी गई है। शरद की सांसद-पुत्री सुप्रिया सुले को भी केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है। हालांकि शरद और सुप्रिया ने पेशकश की अफवाहों का खंडन किया है और भाजपा को सांप्रदायिक और दरारें पैदा करने वाली पार्टी करार देकर उसके खिलाफ राजनीतिक संघर्ष का संकल्प भी दोहराया है, लेकिन शरद पवार फिर भी सवालिया हैं। दरअसल पार्टी में दोफाड़ होने के बाद शरद पवार की ताकत भी विभाजित हुई है। उनकी पार्टी का नाम और निशान का मामला चुनाव आयोग के विचाराधीन है, लेकिन जिन नेताओं के प्रयासों से इंडिया गठबंधन अस्तित्व में आया है, उनमें शरद पवार भी शामिल हैं। उन्हें कमोबेश महाराष्ट्र की राजनीति का पुराना चाणक्य माना जाता है। यदि भ्रम और पालाबदल के सवाल और संदेह पैदा होते रहेंगे, तो विपक्ष का कोई भी गठबंधन लामबंद कैसे रह सकता है? जहां तक आप का सवाल है, तो उसका उदय ही कांग्रेस का जनाधार छीनने की राजनीति के साथ हुआ है। आप और कांग्रेस का किसी भी स्तर पर गठजोड़ अप्राकृतिक है। बंगाल और तमिलनाडु में भी इंडिया के आपसी अविश्वास उभरने लगे हैं। बहरहाल मुंबई बैठक की प्रतीक्षा की जाए।

जल संकट का समाधान जरूरी

सरिता

अक्सर यह भविष्यवाणी की जाती है कि भविष्य में अगर कोई विश्व युद्ध हुआ तो वह पानी के मुद्दे पर लड़ा जाएगा. पानी की कमी आज के समय में बहुत बड़ा संकट बन चुका है. इस संकट से होने वाले दुष्परिणाम भी भंयकर हो रहे हैं. पानी की कमी से केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि पेड़, पौधों, पशु और पक्षियों को भी नुकसान पहुंचता है. धीरे धीरे यह संकट विकराल होता जा रहा है. हमें इस समस्या को गंभीर रूप से लेने की जरूरत है. राजस्थान देश का ऐसा राज्य है जहां के ग्रामीण क्षेत्रों को जल संकट का सबसे सामना करना पड़ता है. राज्य के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक का बिंझरवाड़ी गांव भी इसका एक उदाहरण है, जहां पानी की कमी लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है. इसका सबसे अधिक खामियाजा महिलाओं को उठाना पड़ता है, जिनका प्रतिदिन आधे से अधिक समय पानी को जमा करने में ही बीत जाता है.

बिंझरवाड़ी गांव का इतिहास 600 साल पुराना है. माना जाता है कि इसे राजपूतों द्वारा बसाया गया था. इस गांव में बिंझा समुदाय की संख्या अधिक होने के कारण इसका नाम बिंझरवाड़ी गांव पड़ा है. गांव में लगभग 400 घर हैं जिसमें से बिंझा समुदाय के अतिरिक्त 40 घर सामान्य और करीब 50 घर राजपूत समुदाय के हैं. गांव की अधिकतर आबादी सिलाई-कढ़ाई और पशुपालन के अतिरिक्त थोड़ा बहुत खेती का काम करती है. शुरू से ही बिंझरवाड़ी गांव में पानी की काफी कमी थी, परंतु आज यह सबसे बड़ी समस्या बन गई है. इससे निपटने के लिए गांव के लोगों द्वारा एक जोहड़ (बावली) का निर्माण किया गया है. वर्ष 2004-05 में यहां करीब 400 बेरियां थीं, जो वर्तमान में घटकर 100 से 150 रह गई हैं. जहां से लोगों को पानी प्राप्त होता है. ग्रामीणों का कहना है कि एक बेरी में 1000 लीटर ही पानी निकाला जा सकता है. जहां से गांव की महिलाओं और किशोरियों को पानी के घड़ों को सर पर रख कर अपने घर तक जाना पड़ता है. गर्मी के दिनों में पानी के बिना लोगों का जीवन कितना मुश्किल हो जाता होगा और महिलाओं को पानी की व्यवस्था के लिए किस तरह संकटों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा लगाना भी कठिन है. इस संबंध में गांव के निवासी 33 वर्षीय मुनि राम कहते हैं कि गांव में पानी की सबसे बड़ी समस्या है. इसके लिए गांव के लोगों ने बहुत संघर्ष किया है. वह पानी की व्यवस्था के लिए गांव के प्रधान, एसडीएम और तहसीलदार तक अपनी समस्या पहुंचा चुके हैं. यहां तक कि गांव वालों ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री कार्यालय तक अपनी आवाज उठाई है. काफी धरने प्रदर्शन भी किए गए. 2014 में एक स्थानीय गैर सरकारी संस्था आजाद युवा संगठन का इस क्षेत्र में काफी योगदान रहा है. गांव वालों के लगातार संघर्ष से स्थिति में थोड़ा सुधार तो हुआ है, लेकिन समस्या अब भी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है. मुनि राम बताते हैं कि अक्सर कई जगह पानी की बेरियों पर ताला लगा दिया जाता है, जो जातिवाद को नहीं, बल्कि पानी की समस्या को दशार्ता है. हालांकि पहले यह जातिवाद को दशार्ता था, क्योंकि पहले अलग अलग जातियों की अलग अलग बेरियां होती थीं. पानी की बेरियों पर ताला होता था. वर्तमान में पानी लोगों के घरों तक पहुंचता है, जिसे स्थानीय नहर के माध्यम से सप्लाई की जाती है. लेकिन फिर भी आप महिलाओं को सिर पर घड़ा लिए हुए देख सकते हैं क्योंकि पानी पर्याप्त मात्रा में लोगों तक नहीं पहुंच पाता है. गांव के लोगों का कहना है कि गांव में पानी स्टोरेज की कमी है. यहां ऐसी व्यवस्था नहीं है कि अगर 1 या 2 महिने तक पानी न आए तो लोग अपना गुजारा कर सकें, उन्हें इसकी कोई समस्या न हो. इस संबंध में गांव की एक महिला यशोदा का कहना है कि यहां सबसे ज्यादा दिक्कत गर्मियों में होती है. बेरियों से प्रतिदिन लगभग 10 घड़े पानी निकाल कर लाना पड़ता है जिसमें पूरा दिन निकल जाता है. गांव में पाइपलाइन लग जाने के बाद भी 10 या 20 दिनों में एक बार उसमें पानी आता है. जब आता भी है तो वह पूरे गांव में एक समान रूप से नहीं आता है. जल संकट की समस्या को दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता और स्तंभकार दिलीप बीदावत कहते हैं कि वैसे तो राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में विविध प्रकार के पानी के पारंपरिक जल स्त्रोतों का निर्माण समुदाय द्वारा किया गया है. क्षेत्र की सतही एवं भूगर्भीय संरचना बरसात की मात्रा के अनुसार किस प्रकार के जल स्त्रोत बनाए जा सकते हैं, यह ज्ञान उस जमाने में भी लोगों को था जब शिक्षा और तकनीक आज की तरह विकसित नहीं हुई थी. बरसात की बूंदों को सतह पर संजोने के साथ-साथ भू-गर्भ में पीने योग्य जल कहां मिल सकता है और कैसे प्राप्त किया जा सकता है? इसका पता लगाने में कई पीढ़ियों का अनुभव रहा होगा. इसके अतिरिक्त सतही जल समाप्ति के बाद भू-गर्भ में प्रकृति द्वारा संजोये गये जल को ढूंढना और उपयोग कर जीवन को सतत चलाए रखने का भी अद्भुत अनुभव रहा होगा.

19 अगस्त तीज पर विशेष : सौंदर्य और प्रेम का उत्सव है हरियाली तीज

स्त्रियों के समूह गीत गा-गाकर झूला झूलते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को श्रावणी तीज कहते हैं। इसे हरितालिका तीज भी कहते हैं। जनमानस में यह हरियाली तीज के नाम से जानी जाती है। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। स्त्रियां अपने हाथों पर त्योहार विशेष को ध्यान में रखते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की मेहंदी लगाती हैं। मेहंदी रचे हाथों से जब वह झूले की रस्सी पकड़ कर झूला झूलती हैं तो यह दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है, मानो सुहागिन आकाश को छूने चली हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां सुहागी पकडकर सास के पांव छूकर उन्हें देती हैं। यदि सास न हो तो स्वयं से बड़ों को अर्थात जेठानी या किसी वृद्धा को देती हैं। इस दिन कहीं-कहीं स्त्रियां पैरों में आलता भी लगाती हैं जो सुहाग का चिह्न माना जाता है।

प्रियंका सौरभ
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

हरियाली तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है। मुख्यतः यह स्त्रियों का त्योहार है। इस समय जब प्रकृति चारों तरफ हरियाली की चादर सी बिछा देती है तो प्रकृति की इस छटा को देखकर मन पुलकित होकर नाच उठता है। जगह-जगह झूले पड़ते हैं। स्त्रियों के समूह गीत गा-गाकर झूला झूलते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को श्रावणी तीज कहते हैं। इसे हरितालिका तीज भी कहते हैं। जनमानस में यह हरियाली तीज के नाम से जानी जाती है। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। स्त्रियां अपने हाथों पर त्योहार विशेष को ध्यान में रखते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की मेहंदी लगाती हैं। मेहंदी रचे हाथों से जब वह झूले की रस्सी पकड़ कर झूला झूलती हैं तो यह दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है, मानो सुहागिन आकाश को छूने चली हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां सुहागी पकडकर सास के पांव छूकर उन्हें देती हैं। यदि सास न हो तो स्वयं से बड़ों को अर्थात जेठानी या किसी वृद्धा को देती हैं। इस दिन कहीं-कहीं स्त्रियां पैरों में आलता भी लगाती हैं जो सुहाग का चिह्न माना जाता है। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी बड़े धूमधाम से निकाली जाती है। वास्तव में देखा जाए तो हरियाली तीज कोई धार्मिक त्योहार नहीं वरन महिलाओं के लिए एकत्र होने का एक उत्सव है। नवविवाहित लड़कियों के लिए विवाह के पश्चात पडे वाले पहले सावन के त्योहार का विशेष महत्त्व होता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। तीज का आगमन भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद पुनर्जीवन व पुनर्शक्ति के रूप में होता है। यदि इस दिन वर्षा हो तो यह और भी स्मरणीय हो उठती है। लोग तीज जुलूस में ठंडी बौछार की कामना करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के समाप्त होने पर काले कजरारे मेघों को आकाश में घुमड़ता देखकर पावस के प्रारम्भ में पपीहे की पुकार और वर्षा की फुहार से आभ्यंतर आनन्दित हो उठता है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन कजली या हरियाली तीज का पर्वोत्सव मनाता है। आसमान में घुमड़ती काली घटाओं के कारण ही इस त्योहार या पर्व को कजली या कज्जली तीज तथा पूरी प्रकृति में हरियाली के कारण तीज के नाम से जाना जाता है। इस त्योहार पर लड़कियों को ससुराल से पीहर बुला लिया जाता है। विवाह के पश्चात पहला सावन आने पर लडकी को ससुराल में नहीं छोड़ा जाता है। नवविवाहिता लडकी की ससुराल से इस त्योहार पर सिंजारा भेजा जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पहले सिंजारा मनाया जाता है। इस दिन नवविवाहिता लडकी की ससुराल से वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई भेजी जाती है। इस दिन मेहंदी लगाने का विशेष महत्त्व है। स्त्रियां आकर्षक परिधानों से सुसज्जित हो भगवती पार्वती की उपासना करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है, उन्हें अपने भविष्य के सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में शिंझार (श्रृंगार) कहते हैं। शिंझार में अनेक वस्तुएं होती हैं, जैसे मेहंदी, लाख की चूडिां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, जिसे बांधकर रंगा जाता है तथा एक मिष्ठान जिसे घेवर कहते हैं। इसमें अनेक भेंट वस्तुएं होती हैं, जिसमें वस्त्र व मिष्ठान होते हैं। इसे मां अपनी विवाहित पुत्री को भेजती है। पूजा के बाद बया को सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यदि कन्या ससुराल में है तो मायके से तथा यदि मायके में है तो ससुराल से मिष्ठान, कपड़े आदि भेजने की परम्परा है। इसे स्थानीय भाषा में तीज की भेंट कहा जाता है। राजस्थान हो या पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्रायः नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुला लेने की परम्परा है। सभी विवाहिताएं इस दिन विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। सायंकाल बन ठनकर सरोवर के किनारे उत्सव मनाती हैं और उद्यानों में झूला झूलते हुए कजली के गीत गाती हैं। इस अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाती हैं। तीज के गीत हाथों में मेहंदी लगाते हुए गाये जाते हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है, महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेहंदी रचाना। पैरों में आलता लगाना, महिलाओं के सुहाग की निशानी है। हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं जिसे मेहंदी मांडना कहते हैं। इस दिन बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। तीज के दिन का विशेष कार्य होता है, खुले स्थान पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर झूला बांधना। झूला स्त्रियों के लिए बहुत ही मनभावन अनुभव है। मल्हार गाते हुए मेहंदी रचे हुए हाथों से रस्सी पकड़े झूलना एक अनूठा अनुभव ही तो है। सावन में तीज पर झूले न लगें, तो सावन क्या? तीज के कुछ दिन पूर्व से ही पेड़ों की डालियों पर, घर की छत की कड़ों या बरामदे में कड़ों में झूले पड़ जाते हैं और नारियां, सखी-सहेलियों के संग सज-संवरकर लोकगीत, कजरी आदि गाते हुए झूला झूलती हैं। पूरा वातावरण ही उनके गीतों के मधुर लयबद्ध सुरों से रसमय, गीतमय और संगीतमय हो उठता है।

19 अगस्त तीज पर विशेष : आस्था, प्रेम व सौंदर्य का त्यौहार है तीज

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यत : महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था।

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है

श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जानेवाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कावड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद त्योहारों का सिलसिला रुक जाता है वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है। श्रावण का महीना महिलाओं के लिए विशेष उल्लास का महीना होता है। इस महीने में आने वाले अधिकांश लोक पर्व महिलाओं द्वारा ही मनाए जाते हैं। श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है।

में रची मेंहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है। उन्हें अपने होने वाले सास ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेंहदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष द्धारा अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंजारा भेजा जाता है। जिसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्धारा सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वालि स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फोहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेंहदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेंहदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेंहदी रचाती हैं। जिसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है।

राजस्थान के गांवों में पहले लड़किया गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थी। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़किया एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी, तालाब, जोहड़ में बहा देती थी। जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गयी है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्योंहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिये राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

लाडली लक्ष्मी से लेकर लाडली बहना तक स्त्री मुस्कराई

प्रमोद भार्गव

मध्य प्रदेश से शुरू हुई लाडली लक्ष्मी योजना का कमाल अब पूरे देश में दिखाई दे रहा है। लिंगानुपात के परिप्रेक्ष्य में स्त्री का जो अनुपात घट रहा था, उसमें जनसांख्यिकीय बदलाव देखने में आया है। पहली बार महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक गिनने में आई है। साथ ही लिंगानुपात 1020 के मुकाबले 1000 रहा है। यह जानकारी राष्ट्रीय परिवार और स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के निष्कर्षों से मिली है। स्त्रियों की संख्या 1000 के पार हो रही हैं तो इसका अर्थ है कि भारत आर्थिक प्रगति के साथ-साथ लिंगानुपात में भी विकसित देशों के समूह के बराबर आ रहा है। इसके लिए महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत मध्य-प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू की गई लाडली लक्ष्मी योजना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएं रही हैं, जो शैक्षिक व वित्तीय समावेशन, लैंगिक पूर्वाग्रह तथा असमानताओं से लड़ने में सार्थक रही हैं। इन योजनाओं की सफलता के बाद, इन्हें केंद्र सरकार द्वारा देशभर में लागू किया गया, इसी का परिणाम है कि आज घर-आंगन और देश-प्रदेश में लड़की उन्मुक्त भाव से खिलखिला रही हैं। भविष्य में लाडली बहना योजना भी नारी सशक्तिकरण के सार्थक परिणाम देने वाली है।

मध्य-प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में पुत्र जन्म की मनौती के लिए एक लोकोक्ति प्रचलन में है-लाली तू जा, लाला को ले आ। मसलन बेटी के जन्म पर प्रार्थना की जाती है कि ह्यबेटी तू तो जा अर्थात मौत को गले लगा ले और पुत्र के रूप में पुनर्जन्म ले। इस बीज मंत्र का जाप करते हुए नवजात बेटी की जीवन-लीला खत्म कर देने के उपाय रच दिए जाते थे, लेकिन अब इस पूरे अंचल में लड़कियां मुस्कुरा रही हैं। मध्य-प्रदेश शासन की ह्यलाडली लक्ष्मी योजनाह्न के अस्तित्व में आने के बाद बेटी को आर्थिक सुरक्षा का जो आधार मिला है, उससे कुरीति का रूप ले चुकी मान्यता आमूलचूल बदलाव की स्थिति में है। इन योजनाओं के अमल में आने से भ्रूण हत्या पर अंकुश लगा है। जबकि प्रदेश के 15 जिलों में वर्ष 2001 की जनगणना के मुताबिक लिंगानुपात बदतर हालत में था। प्रति एक हजार बालकों की तुलना में बालिकाओं की संख्या मुरैना में 822, भिण्ड में 829, ग्वालियर में 848, दतिया में 857, शिवपुरी में 858, छतरपुर में 869, विदिशा में 875, सागर में 884, गुना में 885, टीकमगढ़ में 886, भोपाल में 895, होशांगाबाद में 896, पन्ना में 901, जबलपुर में 908 और श्योपुर में 909 है। मध्य-प्रदेश में वर्ष 1901 में यह अनुपात 990 था, जो वर्ष 1951 तक आते-आते 967 रह गया था। मसलन प्रति एक हजार पुरुषों पर 33 महिलाएं कम थीं, किंतु वर्ष 2001 की जनगणना में यह घट कर 929 रह गया। अब सब जगह यह अनुपात बढ़ कर 930-31 के आसपास हैं। यह वृद्धि अप्रत्याशित कही जा सकती है।

पंजाब जिसे तुलनात्मक नजरिए से आर्थिक रूप से समृद्ध और शिक्षित होने के कारण देश का आदर्श राज्य माना जाता है, वहां लिंगानुपात बेहद चिंताजनक था, यहां के फतेहगढ़ साहब जिले में एक हजार बालकों पर मात्र 754 बालिकाएं रह गई थीं। यह देश का ऐसा जिला था, जहां सबसे ज्यादा लिंगानुपात गड़बड़ाया हुआ था, किंतु अब यह अनुपात 900 के करीब पहुंच गया है। देश के दस जिले ऐसे हैं, जहां लिंगानुपात जबरदस्त चिंताजनक स्थिति में है, उनमें सात पंजाब में स्थित हैं। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा और गुजरात हैं। भ्रूण लिंग के विरुद्ध प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक (पीएनडीटी) 1994 कानून क्रियाशील होने के बावजूद भ्रूण लिंग परीक्षण पर अंकुश नहीं लग पाया था। बल्कि विडंबना यह रही कि आज तक इस कानून के तहत एक भी चिकित्सक के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। कोख में ही स्त्री भ्रूण को नष्ट करने में ग्रामीण अशिक्षित वर्ग की तुलना में शहरी उच्च शिक्षित वर्ग बड़ी संख्या में संलग्न है। अब तो भ्रूण लिंग परीक्षण के सिलसिले में अल्ट्रा सोनोग्राफी से भी आगे की तकनीक विकसित हो गई है। इस तकनीक का धंधा तो अजन्मी बेटियों की कीमत पर ही फल-फूल रहा है। अमेरिकी मूल की यह कंपनी अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से मात्र पांच हफ्

संक्षिप्त खबरें

जमीनी विवाद में पत्रकार समेत कई घायल

बेगूसराय। खोदावंदपुर में मात्र दो कट्ठा जमीन को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस जमीनी विवाद मारपीट की घटना में एक पक्ष से कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह हैं, तो दूसरे पक्ष से भी कांग्रेस पार्टी सोनिया, राहुल गांधी सेना के प्रदेश अध्यक्ष व खोदावंदपुर प्रखंड के पूर्व प्रखंड प्रमुख मिथलेश मिश्र के बीच जमीनी विवाद को लेकर गुरुवार को यह मारपीट की घटना हुई है। जिसमें दोनों पक्षों के कई लोगों के घायल होने की खबर है। इसमें पटना से आए देशवा न्यूज के पत्रकार धीरज परासर के भी गंभीर रुप से घायल होने की खबर है। घायल लोगों में मेघौल गांव के मोहन प्रसाद सिंह का पुत्र नीरज उर्फ बमबम, धीरज पराशर उर्फ धीरज कुमार पत्रकार भी घायल है।इनका इलाज खोदावंदपुर के पीएससी में चल रहा है। जमीनी विवाद की जानकारी मिलते ही खोदावंदपुर थाना की दारोगा अर्चना झा अपने दलबल के साथ स्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों को शांत कराया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है।

स्वतंत्रता सेनानी विजय लक्ष्मी पंडित की मनाई गई जयंती

बेगूसराय। शुक्रवार को शहीद सुखदेव सिंह समन्वय समिति कार्यालय सुखदेव सभागार सर्वोदय नगर में स्वतंत्रता सेनानी विजय लक्ष्मी पंडित की 123वीं जयंती मनाई गई। आज ही के दिन इनका उत्तर प्रदेश इलाहाबाद में जन्म हुआ था।1 दिसंबर 1990 को देहरादून में मृत्यु हो गई। ऐसे महान महिला संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष थी। विजयलक्ष्मी प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बहन थी। 1937 में ब्रिटेन संयुक्त राष्ट्र में सदस्य चुनी गई और भारत की प्रथम महिला कैबिनेट मंत्री बनी। 1953 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला बनी। साहित्यकार डॉ चंद्रशेखर चौरसिया ने कहा कि भारत की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी विजयलक्ष्मी पंडित देश नहीं विश्व में नाम कमाई। आपातकाल के समय इंदिरा गांधी का विरोध किया था।जिन्होंने राज्यपाल और अनेक पदों पर रह कर देश की सेवा की। समाजसेवी अधिवक्ता राजेंद्र महतो, वेदांत समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार राय अनेकों ने स्वतंत्रता सेनानी विजय लक्ष्मी पंडित को नमन किया।

अंचलाधिकारी 40 हजार घूस लेते गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर ।कुढ़नी अंचलाधिकारी पंकज कुमार कों निगरानी विभाग की टीम ने 40 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है ।यह गिरफ्तारी शुक्रवार को अहले 5 बजे सुबह की गई। सीओ पंकज कुमार अतिक्रमण खाली कराने संबंधी एक मामले में अपने आवास पर मनकौली निवासी मिथिलेश कुमार यादव से 40 हजार घूस लेते पकड़े गये हैं ।इस घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हडकम्प मंच गया ।यह कार्रवाई मिथिलेश कुमार द्वारा निगरानी थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। कुढनी प्रखंड के मनकौली निवासी मिथिलेश कुमार ने बीते 28 जून को निगरानी अन्वेषण ब्युरो में शिकायत की थी कि सीओ पंकज कुमार एवं चौकीदार प्रणव कुमार उनकी जमीन का सीमांकन कर अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए 40 हजार रुपये घूस मांग रहे हैं ।इसका सत्यापन कराने के बाद निगरानी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई ।जांच के दौरान आरोप सही पाए जाने पर पुलिस उपाधीक्षक संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में एक धावा दल का गठन किया गया। मिथिलेश शुक्रवार की सुबह सीओ के आवास पर घूस की राशि देने पहुंचे थे ।निगरानी विभाग की टीम पहले से ही चौकसी कर रही थी ।उसने सीओ को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार कर लिया और अपने साथ उसे पटना लेकर चली गई। इस गिरफ्तारी के बाद घूसखोर पदाधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

हर्ष फायरिंग के आरोप में दो अभियुक्त गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर ।अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कैम्पस में स्वतन्त्रता दिवस पर ध्वजारोहण के समय वहाँ उपस्थित आर्म्स गार्ड द्वारा हर्ष फायरिंग में 2अभियुक्तों को गिरफतार किया गया है। मामले की जांच के बाद थानाध्यक्ष अहियापुर एवं टी०ओ०पी० प्रभारी द्वारा हर्ष फायरिंग की घटना में संलिप्त दो आर्म्स गार्ड विष्णु ठाकुर, पिता स्व० विनोद ठाकुर, ग्राम - बेला गोपी थाना- गायघाट, एवं रामबाबु प्रसाद, पिता स्व० हरिनंदन राय, ग्राम- सिमराहाँ थाना अहियापुर को हर्ष फायरिंग में प्रयुक्त 02 दो नाली बंदूक के साथ गिरफ्तार किया गया ।इस संदर्भ में अहियापुर थाना कांड सं०-1000 / 23 दर्ज किया गया है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

जयनगर के एक बड़े व्यवसाई के यहां डकैती करने की योजना बना रहे हैं अपराधीयों किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने प्रेस को संबोधित करते हुए जानकारी दिया कि परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष जयनगर को 17 अगस्त को गुप्त सूचना मिली कि 5 / 6 अपराधकर्मी जयनगर थाना अंतर्गत चित्रगुप्त कॉलोनी स्थित नागेंद्र सिंह के खाली जमीन के पास सुनसान जगह पर एकत्रित होकर जयनगर के एक बड़े व्यवसाई के यहां डकैती करने की योजना बना रहे हैं उक्त सूचना पुलिस अधीक्षक मधुबनी को दिया गया ।पुलिस अधीक्षक मधुबनी द्वारा उक्त सूचना के आलोक में त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जयनगर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी एवं आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिया गया ।विशेष टीम के द्वारा संध्या 7:30 बजे चित्रगुप्त कॉलोनी स्थित नागेंद्र सिंह के खाली जमीन के पास पहुंचा तो पुलिस टीम को देखकर 4/5 व्यक्ति इधर-उधर भागने लगे ।विशेष टीम के सदस्य के द्वारा चार व्यक्तियों को खदेर कर पकड़ लिया गया। तथा एक व्यक्ति अंधेरा का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गए। पकड़ाए गए व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर अपना अपना नाम बादल पासवान, विनोद यादव, सिकंदर पासवान, और मोहम्मद सद्दाम उर्फ छोटू बताया तो वही भागने वाला पांचवा व्यक्ति का नाम प्रमोद सिंह बतलाया ।पकड़ाए सभी अपराधकर्मियों से विधिवत तलाशी लेने पर बादल पासवान के पास से एक देसी कट्टा तथा दो मोबाइल विनोद यादव के पास से एक देसी कट्टी तथा दो मोबाइल सिकंदर पासवान के पास से एक देशी पिस्तौल तथा एक मोबाइल और एक मोटरसाइकिल, और मोहम्मद सद्दाम उर्फ छोटू के पास से एक लोडेड देशी पिस्तौल जिसके मैगजींस में पांच जिंदा कारतूस तथा पॉकेट से दो जिंदा कारतूस और मोबाइल बराबर हुआ। पकड़ाए सभी अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा बरामद सभी सामानों को विधिवत जपती सूची तैयार कर जप्त किया गया। तत्पश्चात घटनास्थल से भागे अपराधकर्मी प्रमोद सिंह को जयनगर थाना अंतर्गत विद्यानगर स्थित किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया इस संबंध में जयनगर थाना में कई तरह के धारा कांड दर्ज किया गया। इस पकड़ाए गए अपराधकर्मियों से जयनगर निवासी सुशील कुमार जयसवाल के साथ 60 हजार रूपया लूट की घटना भी इस अपराध कर्मियों के द्वारा स्वीकार किया गया। इसके अलावा इसके अलावा झंझारपुर में हुए पिकअप लुट कांड में घटना कार्य करने वाले अपराधकर्मियों के बारे में भी बतलाया। अपराध कर्मियों के पास से कुल बरामद सामान देसी कट्टा दो, देसी पिस्तौल दो, मैगजीन एक , कारतूस 7, मोबाइल 6 और पल्सर मोटरसाइकिल एक बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराध कर्मियों का अपराधिक इतिहास रहा है ।विशेष टीम के सदस्यों का नाम विप्लव कुमार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जयनगर आशुतोष रंजन परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक सह थाना अध्यक्ष जयनगर गोपाल कृष्ण जयनगर नगर थाना अनूप कुमार प्रभारी तकनीकी कोषांग मधुबनी। अजीत प्रसाद तकनीकी कोषांग मुकेश कुमार जयनगर थाना शुभम कुमार जयनगर थाना सुरेश कुमार मनोहर कुमार इंमपु कुमारी संजय कुमार साह शिव शंकर उरांव सुनील कुमार सिंह अमरेश कुमार चालक पिंटू कुमार 1चालक पिंटू कुमार 2, पैंथर सिपाही दिलीप कुमार और चुनचुन राम मौजूद थे ।सभी अपराधकर्मियों को कानूनी प्रक्रिया कर जेल भेजा जा रहा है।

बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन के कार्यकताओं ने दस सूत्री मांगो को ले विधुत कार्यलय पर दिया धरना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बिहार प्रान्तीय खेतिहर मजदूर यूनियन के कार्यकताओं द्वारा शुक्रवार को दस सूत्री मांगो को विधुत कार्यालय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने किया। मांगो में जयनगर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विधुत आपूर्ति सुनिश्चित करने । बस्ती डोरवार पंचायत सहित छूटे सभी पंचायत में सिंचाई के लिए किसानों के बोरिंग तक तार पोल ट्रांसफार्मर की व्यवस्था करने। उमाशंकर प्रसाद गोबराही के नाम पर कृषि कनेक्शन हेतु आवेदन दिसंबर 2021 से लंबित है कनेक्शन कराये जाने। घरेलू एवं कृषि कनेक्शन में गलत बिजली बिल विपत्र देना बंद करने तथा तत्काल बिजली बिल एवं मीटर रीडिंग सुधार करने। जन शिकायतो का सुनवाई कर निराकरण करने। स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने । क्षेत्र में जर्जर पोल एवं तार को अभिलंब हटाने और कोवर युक्त तार लगाने। विद्युत से संबंधित शिकायतों को एक सप्ताह के अंदर समाधान सुनिश्चित करने। विभाग द्वारा उपभोक्ता का बिजली विच्छेदन कर दिया जाता है । उस समय का बिजली बिल पर रोक लगाया जाए और जिस उपभोक्ता की मृत्यु हो जाती है उसका बिजली बिल माफ करने। नया कनेक्शन के नाम पर अवैध उगाही पर रोक लगाने ।लंबित बिजली कनेक्शन अविलंब देने समेत भीषण गर्मी में विधुत कटौती पर रोक लगाने विधुत समस्या खराबी आने पर दिवा और रात्रि में ठीक करने समेत अन्य मांगे शामिल है ।आयोजित धरना प्रदर्शन को बिहार राज्य किसान सभा के जिला अध्यक्ष रामजी यादव, बिहार प्रान्तीय खेतिहर मजदूर यूनियन के जिला सचिव शशि भूषण प्रसाद,बिहार राज्य किसान सभा प्रखड़ सचिव शत्रुधन साह, शंकर यादव, पवन यादव, रामजीवन यादव, सिया राम यादव, शिव कुमार,राजेंद्र पंडित, श्याम गुप्त , शिव कुमार समेत कई कार्यकताओं ने सम्बोधित किया कई लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अररिया मे पत्रकार की सरेआम अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या लोकतंत्र की हत्या है : शशिशेखर

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगंज । सुबे की सरकार मे भी अपराधिक घटनाओ की थमने का नाम नही ले रही है आये दिन लगातार हत्या,बलात्कार,लूट,छिनतई की घटना दिन प्रतिदिन बढते जा रही है। अब रात तो दुर दिन के उजाले मे सरेआम अपराधी घर मे घुसकर मारपीट कर गोलियो से छलनी करते दिख रहा है। अब तो अपराधी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारो पर भी आये दिन हमला हो रहे है। शुक्रवार की अहले सुबह अररिया के प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार विमल यादव की अपराधियो ने घर मे घुसकर गोली मारकर उनकी हत्या कर सरेआम चलते रहे और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। अलीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अलीगंज बाजार स्थित युवा शक्ति कार्यालय मे युवा नेता महेश सिंह राणा की अध्यक्षता मे शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे सबसे पहले दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शान्ति तथा शोकाकुल परिजनो के लिए भगवान से दुख सहन की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना किया गया। शोक सभा को संबोधित करते हुए युवा शक्ति के प्रान्तीय नेता सह अधिवक्ता शशिशेखर सिंह मुन्ना ने कहा कि सुबे की सरकार मे अपराधी बेलगाम हो गये है ।अब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ जो समाज के आईना है उसे हत्या सरेआम कर रहे है ।जो काफी निंदनीय है। इसकी जितना भी निन्दा की जाय वह काफी कम होगी। युवा शक्ति के प्रदेश महासचिव महेश सिंह राणा ने कहा यह एक पत्रकार की हत्या नही बल्कि लोकतंत्र की हत्या हुई है। शिक्षक अशोक कुमार ने कहा कि पत्रकार समाज के हित की रक्षक है ।कांग्रेस के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मकेश्वर यादव ने कहा कि यह हत्या समाज के कलम के सिपाही की हूई ।जो आपके हमारे सुख दूख के पहला साथी होते है। पूर्व वार्ड सदस्य शंभुशरण यादव ने कहा कि यह हत्या कांड मे शामिल अपराधियो को चिन्हित कर पुलिस अविलंब कानूनी कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार करे ।और सरकार मृतक पत्रकार के परिजनो को 50 लाख मुआवजा के साथ परिजनो को सुरक्षा प्रदान करे। समाजसेवी सह कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र पासवान उर्फ गुरूजी ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या हूई है पत्रकार की नही। सुबे मे सुशासन की सरकार मे सरेआम हत्या,बलात्कार व लूट हो रही है। जो सुशासन की पोल खोलती दिख रही है मौके पर किसान श्री धर्मेन्द्र कुशवाहा,चंद्रशेखर आजाद,रविशंकर सिंह,,समर कुमार,अर्जुन सिंह,प्रो आनंद लाल पाठक,अशोक कुमार,अवधेश यादव,राजेश पासवान,अजय पाण्डेय,नगीना चंद्रवंशी,लोजपा आर के जिलाउपाध्यक्ष बखोरी पासवान अलावे कई गणमान्य लोग व सामाजिक कार्यकर्ता व राजनीतिक दल के नेता उपस्थित थे।

किसान क्रेडिट कार्ड और एमएसएमई ऋण की पेशकश करेगी एक्सिस बैंक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एक्सिस बैंक ने रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) द्वारा पेश किए गए पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म फॉर फ्रिक्शनलेस क्रेडिट (पीटीपीएफसी) की सहायता से दो लेंडिंग प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने का एलान किया। इनोवेशन हब आरबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एक्सिस बैंक इस प्लेटफॉर्म की मार्फत किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और छोटे बिजनेस मालिकों को असुरक्षित एमएसएमई ऋण की पेशकश करेगा। दोनों उत्पाद पूरी तरह से डिजिटल तरीके से पेश किए जाएंगे और ग्राहकों को कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। एमएसएमई ऋण पूरे देश में उपलब्ध होंगे और ग्राहकों को 10 लाख रुपए तक के ऋण की पेशकश करेंगे। एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव आनंद ने कहा, एक्सिस बैंक में हम ओपन बैंकिंग की शक्ति में विश्वास करते हैं और हम लगातार डिजिटल-फर्स्ट प्रोडक्ट्स में निवेश कर रहे हैं। ये ऐसे प्रोडक्ट्स हैं, जो ग्राहकों को बैंकिंग का बेहतर अनुभव प्रदान करते हैं। पायलट योजना के तहत एक्सिस बैंक पूरी तरह से सहमति के आधार पर और सुरक्षित तरीके से ग्राहकों के डेटा तक पहुंचने के लिए पीटीपीएफसी का लाभ उठाएगा।

कलाकारों में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी स्थानीय लोक कलाओं के समग्र विकास अध्ययन शोध अभिलेखीकरण पोषण प्रचार प्रसार तथा व्यावसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति के मिथिला चित्रकला संस्थान के उद्देश्य के मद्देनजर निदेशक मिथिला चित्रकला संस्थान सह जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निदेर्शानुसार मिथिला चित्रकला के सुयोग्य कलाकारों को उनकी कला का ई-कॉमर्स के माध्यम से प्रचार प्रसार एवं विपणन के उद्देश्य नवाचारी प्रयास किया जा रहा है। जिसे लेकर कलाकारों में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है ।मिथिला चित्रकला संस्थान के उपनिदेशक बालेंदु पांडेय ने बताया कि 20 अगस्त 2023 के अपराह्न 5:00 बजे तक सभी इच्छुक व अर्हता प्राप्त आवेदकों से ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बताते चलें कि मिथिला चित्रकला में पद्मश्री, राष्ट्रीय पुरस्कार, राज्य पुरस्कार, मेरिट पुरस्कार अथवा जीएसटी अधिनियम से पंजीकृत अथवा पंजीकृत जी आई संख्या वाले कलाकारों की कला को मिथिला चित्रकला संस्थान द्वारा प्रश्रय दिया जाएगा। इसके लिएडॉक्यूमेंटेशन और वीडियो ग्राफी जैसे तकनीक का सहारा भी लिया जाएगा ।उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्य में सहायक समाहर्ता पार्थ गुप्ता द्वारा विशेष रूप से संयोजन व निर्देशन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि तक सभी इच्छुक व अहर्ता प्राप्त मिथिला चित्रकला के कलाकार अपना आवेदन ऑनलाइन अथवा संस्थान में जाकर ऑफलाइन माध्यम से भी समर्पित कर सकते हैं। प्राप्त सभी आवेदनों में से प्रखर कलाकारों को बारी बारी आमंत्रित किया जाएगा।

जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में कई मामलों का हुआ निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता के दरबार मे जिलाधिकारी कार्यक्रम में आये135 से अधिक परिवादियों से मिलकर उनकी समस्यायों को सुना जिसमें कई मामलों में स्वयं सबंधित पदाधिकारियो से दूरभाष पर बात कर त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया शेष आवेदनों को संबधित विभाग के पदाधिकारियो को ससमय निष्पादन को लेकर अग्रसारित कर कृत करवाई से अवगत कराने का निर्देश दिया। प्राप्त शिकायतों में भूमि अतिक्रमण भूमि विवाद नल-जल योजना आपसी विवाद जनवितरण आदि से संबधित मामले सबसे अधिक पाए गए। इसके अतिरिक्त समजिक सुरक्षा योजना बाल विकास परियोजना शिक्षा सहित अन्य कार्यालय में लंबित मामले भी प्राप्त हुए। शिकायत कर्त्ता- दुलारचंद कुमार, पिता-श्री सिताराम यादव, ग्राम-तेनुआही, पो0- कुमरखत, प्रखण्ड-लदनियाँ के निवासी ने ग्राम पंचायत कुमरखत पश्चिमी में रछहट योजना अन्तर्गत स्वच्छता पर्यवेक्षक का चयन विभागीय निदेर्शानुसार नहीं करने से संबंधित शिकायत किया। प्रखण्ड-रहिका के तिकल चौक निवासी के योगेन्द्र ने जमीनी विवाद से संबंधित शिकायत किया की अपने घर के लिए आने जाने वाले रास्ते का वहां के स्थायी दंबग द्वारा रास्ता बन्द कर दिया गया है जिलाधिकारी ने न केवल आए हुए परिवादियों की समस्याओं को सुना बल्कि, उन समस्याओं के संदर्भ में संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त जनशिकायतों को पूरी गंभीरता से लेकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उसका त्वरित निष्पादन करे। उक्त अवसर पर डीडीसी विशाल राज ,अपर समाहर्ता नरेश झा सहित कई अधिकारी भी उपस्थित थे।

मलमास माह समाप्त होते ही जयनगर कमला नदी में स्नान पूजा पाठ को लेकर आस्था का उमड़ा जनसैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सीमांचल क्षेत्र जयनगर स्थित कमलानदी में शुक्रवार के सुबह मलमास माह समाप्त होते ही कमला नदी स्नान पूजा पाठ को लेकर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सीमांचल क्षेत्र के मिथिलांचल स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक कमलानदी में कमला स्नान करने को लेकर गुरुवार की शाम से ही पड़ोसी देशनेपाल और मधुबनी जिला के आसपास क्षेत्रों के विभिन्न जगहों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। ट्रेन नेपाली ट्रेन सड़क मार्गों से प्राइवेट व निजी वाहनों से श्रद्धालु कमला नदी पहुँचे। शुक्रवार की अहले सुबह से श्रद्धालु कमला स्नान माँ कमला समेत पर्ण कुटी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में पूजा पाठ किया । महिला श्रद्धालुओं के द्वारा माँ कमला और अन्य देवी देवताओं की मिथिलांचल का पारंपरिक लोकगीतों से समूचा कमलातट पर्ण कुटी मंदिर परिसर जय माँ कमला की जयकारें से क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था। स्नान व पूजा पाठ के पश्चात श्रद्धालुओं ने कमला नदी से पवित्र कमलाजल लेकर अपने अपने घर के लिए प्रस्थान किया। वाहनों से एनएच सड़क के दोनों किनारे और कमला पुल समेत आसपास क्षेत्र में वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। पर्ण कुटी मंदिर के बाबा बालक दास नागा नें बताया कि मिथिलांचल के लोगों ने पुरानी मान्यताओं को याद करते हुए कमलानदी तट पर कमलास्नान व पूजन करने के लिए पहुंचते हैं। मलमास का माह समाप्त होने के साथ सावन माह को लेकर माँ कमला का दर्शन व स्नान कर के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है ।कमला स्नान करने से मानव जीवन का संपूर्ण पापों का नाश होने के साथ कष्टों का हरण होता है, साथ ही मानव का कल्याण और उसे शांति मिलती है एवं सच्चे मन से मांगी हुई मन्नते भी पूरी होती हैं। कमलानदी का अपना एक अलग महत्व इतिहास है। श्रद्धालुओं की सेवा को लेकर बोलबम सेवा समिति के अध्यक्ष शशि शेखर हजरा, सचिव अनुराग कुमार पंकज, कोषाध्यक्ष अजय कापड़, उप कोषाध्यक्ष सुर्यदेव पासवान,कृष्णा साफी,पप्पू पूर्वे एवं सुधांशु वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया की हमलोग अपने स्तर से श्रद्धालू भक्त जन के सहयोग में लगे हुए है ।श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई नही हो इसका ख्याल रखा जा रहा है ।सुरक्षा हेतु जयनगर थाना पुलिस प्रशासन और 112 पुलिस सेवा का भी सहयोग लिया जा रहा है।

प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में सुभाष चन्द्र बोस की पुण्यतिथि मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

आदापुर। प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय बसतपुर में शुक्रवार को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। बच्चों को सम्बोधित करते हुए वरीय शिक्षक मोहम्मद नुरूल होदा ने बताया कि सुभाष चन्द्र बोस एक असाधारण नेतृत्वकर्ता, करिश्माई वक्ता और प्रभावशाली स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। प्रधान शिक्षक मनोज कुमार ने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस की देशभक्ति सभी भारतीयों पर छाप छोड़ गई। विद्यालय के शिक्षक जितेन्द्र ठाकुर ने कहा कि आज के दिन ही भारत ने अपने महान सपूत को खो दिया। नेता जी ने कहा था कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। मिथिलेश कुमार ने कहा कि आज हम जिस महानायक को श्रद्धांजलि दे रहे हैं उन्होंने ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। सभी बच्चों ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एम्स पटना में मनाया गया एंटी रैगिंग सप्ताह

एम्स पटना परिसर में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस : डॉ.जीके पाल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। एम्स पटना में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध लेखन और कला प्रतियोगिता शामिल थी, जिसमें एमबीबीएस और बीएससी नर्सिंग छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन शुक्रवार को आयोजित एक एंटी रैगिंग बैठक के साथ हुआ जिसमें एम्स पटना के छात्रों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक डॉ.जीके पाल ने की, जिन्होंने सभी को बताया कि एम्स पटना परिसर में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस है और यह भी बताया कि सितंबर के पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले नए एमबीबीएस छात्रों को सहज महसूस कराने और उनके साथ रैगिंग न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक मेंटर-मेंटी कार्यक्रम शुरू किया गया है। डॉ. पाल ने कहा कि परिसर में होने वाली किसी भी प्रकार की रैगिंग पर बारीकी से नजर रखने और उसे रोकने के लिए एक एंटी रैगिंग स्क्वाड का गठन किया गया है। उमेश भदानी, डीन एकेडमिक्स, डॉ. सी.एम. सिंह, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. पुनम भदानी, डीन स्टूडेंट अफेयर, डॉ.ज्योति प्रकाश, रजिस्ट्रार और अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने एंटी रैगिंग बैठक में भाग लिया और बैठक में विभिन्न एंटी रैगिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किये गये।

जीविका दीदियां बन रहीं स्मार्ट हट , करेंगी मशरूम उत्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। एक नई दिशा की ओर बढ़ते हुए, संगम जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की ओर से खबरा, मुजफ्फरपुर में एआई आधारित स्मार्ट हट का निर्माण किया जा रहा है। इसमें मशरूम उत्पादन किया जाएगा ।इस महत्वपूर्ण परियोजना में संगम सीएलएफ द्वारा महिलाओं की सहायता से हट के निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है ।डीएम एवं डीडीसी ने निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद कहा कि यह आवासन पहल महिलाओं के लिए एक वरदान है, जो संगम सीएलएफ के खबरा स्थान से आएंगी और निर्माण के प्रक्रिया में भाग ले रही है। यह सामाजिक समर्थन की ओर संगम सीएलएफ के समर्पण भाव को दशार्ता है, जिससे उन्हें स्वायत्तता और जीवन में समानता प्राप्त हो सके ।इस महत्वपूर्ण उद्यम में साथी के रूप में ग्रेविटी एग्रो एंड एनर्जी का सहयोग होगा। उनकी उन्नत प्रौद्योगिकी और संवृद्धि के क्षेत्र में माहिरी से स्मार्ट हट में नवाचारी सुविधाओं का निर्माण होगा ।खबरा, मुजफ्फरपुर में स्थित निर्माण स्थल ने जिला अधिकारी मुजफ्फरपुर, जिला विकास आयुक्त (डीडीसी मुजफ्फरपुर) और डीपीएम जीविका मुजफ्फरपुर के प्रतिनिधियों का आकर्षित किया। इन महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों ने स्थल की स्थिति का परीक्षण किया और मूल्यवान सुझाव प्रदान किए।

के के पाठक ने स्कूल परिसर से पुलिस आवासन हटाने को कहा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने स्कूल परिसर में पुलिस बल के कब्जे को गंभीरता से लिया है। पिछले दिनों बोचहा के सहिला रामपुर स्कूल के दो कमरों में पुलिस का आवास होने की खबर प्रातः किरण अखबार में छपी थी ।बीईओ के निरीक्षण के दौरान यह मामला उजागर हुआ था ।स्थानीय विधायक ने इस मामले से अपनी अनभिज्ञता जताई थी। बीईओ ने इसकी रिपोर्ट वरीय पदाधिकारी को दी। अब शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने डीएम को इसके सम्बंध में एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है,आपके जिले के विभिन्न विद्यालयों में पुलिस बल द्वारा आवासन किया जा रहा है, जिस कारण से शिक्षा का कार्य बाधित है। ऐसे विद्यालयों की सूची संलग्न है, जहां पर विद्यालय परिसर में पुलिस बल का आवासन हैं। आपसे अनुरोध है कि पुलिस बल को तुरंत विद्यालय परिसर से हटाया जाए ताकि विद्यालय में शिक्षण का कार्य बाधित न हो। इस पत्र के साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा भेजी गई विद्यालयों की सूची भी संलग्न की गई है। सूची में पुलिस के कब्जा वाले विद्यालयों में औराई प्रखंड का बीआरसी भवन एवं उ.मध्य विद्यालय औराई (हिंदी),नगर क्षेत्र में जिला स्कूल का प्राचार्य आवास , सकरा प्रखंड का उ..मध्य विद्यालय ,प्रखंड कालोनी, साहेबगंज का उ.मध्य विद्यालय बैरिया ,मीनापुर का प्राथमिक विद्यालय पानापुर पहाड़ी भगत ,कटरा का मध्य विद्यालय यजुआर अजा टोला और बोचहा का मध्य विद्यालय, सहिला रामपुर शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट करने का लगाया आरोप

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर थाना परिक्षेत्र के दामोदरपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट किये जाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय गांव के ग्रामीण महिला सोनी देवी ने अकबरनगर थाने में लिखित आवेदन दिया है। वही ग्रामीण महिला के द्वारा थाने में दिए गए लिखित आवेदन में उन्होंने कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर रुपेश रजक, रोशन रजक, रेशमी कुमारी, अमन रजक सहित दो अज्ञात लोगों को बुलाकर पिस्तौल की बट से मुझे और मेरे बेटे को मारकर गम्भीर रूप से जख्मी व घायल कर दिया था। वही परिवार के लोगों ने जब उन लोगों का विरोध किया तो उपरोक्त सभी लोगों ने मिलकर मारपीट की वारदात को अंजाम देने साथ ही मेरे बेटे को ट्यूशन पढ़ने भागलपुर जाने के क्रम में मारपीट किये जाने की विरोधी दलों द्वारा धमकी दिया है, कि तुम्हारे बेटे को भागलपुर से उठा लेंगे। वही उन्होंने आरोप लगाया है कि सभी नामजद उपरोक्त सभी लोग के द्वारा कोई बड़ी घटना को अंजाम दिये जाने की आशंका जताई है। वही पीड़ित महिला ने थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कालाजार से आक्रांत गांवों में सिंथेटिक पैराथाइराइड का छिड़काव शुरू

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रानीपतरा एपीएचसी से विधिवत रूप से किया उद्घाटन

प्रात : किरण,संवाददाता

पूर्णिया। जिले से कालाजार जैसी बीमारी को पूर्ण रूप से मिटाने के लिए कीटनाशक सिन्थेटिक पैराथाइराइड के छिड़काव का अभियान शुरू हो गया है। जिसका विधिवत उद्घाटन रानीपतरा स्थित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी, जिला वेक्टर बॉर्न पदाधिकारी डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल और पूर्णिया पूर्व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शरद कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। इस अवसर पर डीपीएम सोरेंद्र कुमार दास, बीएचएम विभव कुमार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) से जुड़े अधिकारी रविनंदन सिंह, सोनिया मंडल और राम कृष्ण परमहंस, पिरामल स्वास्थ्य की ओर से डीपीओ चंदन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

बायसी के कालाजार मुक्त घोषित होने के कारण छिड़काव नहीं होगा जबकि शेष 13 प्रखंडों में चलेगा छिड़काव कार्यक्रमः सिविल सर्जन -

सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) देश में सबसे व्यापक और बहुआयामी सार्वजनिक स्वास्थ्य गतिविधियों में से एक है। यह मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार, डेंगू और जापानी एन्सेफलाइटिस जैसे-वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर जड़ से मिटाने का प्रयास करता है। जिले से कालाजार जैसी बीमारी को खत्म करने के उद्देश्य से इसका शुभारंभ किया गया है। छिड़काव को लेकर जिले के 13 प्रखंडों का चयन किया गया है। वहीं बायसी प्रखंड में विगत तीन वर्षों से एक भी कालाजार के रोगियों की पहचान नहीं हुई है। जिस कारण बायसी को कालाजार मुक्त घोषित कर दिया गया है।

बालू मक्खी को जड़ से समाप्त करने को लेकर कराया जाता है छिड़कावः डॉ आर पी मंडल

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी (डीवीबीडीसीओ) डॉ राजेन्द्र प्रसाद मंडल ने बताया कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार बीमारी फैलती है। एसपी पाउडर के छिड़काव से ही बालू मक्खी के प्रभाव को पूर्ण रूप से खत्म किया जा सकता है। जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार छिड़काव किया जाता है। ताकि बालू मक्खी को जड़ से समाप्त किया जा सके। कालाजार के लक्षण मिलने के साथ ही नजदीकी सरकारी अस्पतालों में जांच करानी चाहिए। उसके बाद ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के अनुसार इलाज कराएं। सरकारी अस्पतालों में जांच एवं इलाज की मुफ्त व समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। साथ ही इस बीमारी से बचने के जमीन पर नहीं सोएं। मच्छरदानी का प्रयोग नियमित रूप से करना चाहिए।

घरों में छिड़काव के दौरान इन बातों को विशेष रूप से रखें ख्यालः -

छिड़काव के पूर्व घर की अन्दरूनी दीवार की छेद/दरार बंद कर दें, घर के सभी कमरों, रसोई घर, पूजा घर, एवं गोहाल के अन्दरूनी दीवारों पर छः फीट तक छिड़काव अवश्य कराएं। छिड़काव के दो घंटे बाद घर में प्रवेश करें। छिड़काव के पूर्व भोजन सामग्री , बर्तन, कपड़े आदि को घर से बाहर रख दें। ढाई से तीन माह तक दीवारों पर लिपाई-पोताई ना करें, जिससे कीटनाशक (एस पी) का असर बना रहे। अपने क्षेत्र में कीटनाशक छिड़काव की तिथि की जानकारी आशा दीदी से प्राप्त करें।

राजद के साथ जुड़कर सामाजिक न्याय संबंधी विचारधारा का करेंगे प्रसार : मंजर खान

पूर्णिया । गरीब, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ों के मसीहा लालू प्रसाद यादव के समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा को मजबूती से घर-घर तक पहुंचाना है और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के हाथों को और मजबूत करना है। उक्त बातें भाजपा छोड़ हाल ही में राजद की सदस्यता ग्रहण करने वाले समाजवादी विचारधारा के धनी मंजर खान ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा है। उन्होंने कहा कि अब हम राष्ट्रीय जनता दल के सच्चे सिपाही हैं और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह का जो भी आदेश होगा उसी आदेश पर आगे का काम करना है और हर हाल में सांप्रदायिक शक्तियों से पूरे भारत को छुटकारा दिलाना है। श्री खान ने कहा कि आज देश में आपातकाल जैसी स्थिति है। भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर एक पार्टी के प्रकोष्ठ के तरह सीबीआई ईडी एवं आईटी काम कर रही है। यह पूरे भारत की जनता भी समझ चुकी है। भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की हत्या कर रही है। आम आवाम इस सरकार से त्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ हम लोगों को लोगों को जगाने की जरूरत है और लोगों को बताने की जरूरत है कि किस तरह भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की गला घोट रही है। केंद्र सरकार पूंजीपतियों की सरकार हो गई है। इस सरकार में आम आवाम को कोई सुविधा नहीं है। महंगाई चरम पर है बेरोजगारी चरम पर है और महंगाई और बेरोजगारी पर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बात करने को तैयार नहीं है। सिर्फ आदमी को धर्म के नाम पर बरगलाने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है। धर्म के अलावा कोई भी मुद्दा भारतीय जनता पार्टी के पास नहीं है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और धर्म की नाम की राजनीति भारत में नहीं चलेगी। भाजपा की इसी कटूता भरी विचारधारा के कारण उन्होंने इस पार्टी को छोड़ सामाजिक न्याय के पक्षधर रहे राजद की सदस्यता को ग्रहण किया है।

कसबा नगर परिषद और विभिन्न पंचायतों में धूमधाम से की गयी विषहरी माता मां मनसा की पूजा अर्चना

- भक्तों की हर मनोकामनाएं पूरी करती हैं मां मनसा, सांपों से रखती हैं भयमुक्त

प्रात : किरण,संवाददाता

पूर्णिया/कसबा । कसबा प्रखंड के सभी पंचायत समेत नगर परिषद में विषहरी माता मनसा पूजा धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कसबा प्रखंड के सब्दलपुर, कुल्लाखास, सझेली, मलहरिया, लखना, बोचगांव, घोड़दौड, बरेटा, गुरही, बनैली, सधुवैली, मोहनी, भभरा लागन सहित नगर परिषद कसबा के कई इलाकों में मां मनसा की पूजा हुई। कई जगहों में मां मनसा की प्रतिमा भी स्थापित की गई है।गुरुवार को देर रात पूजा अर्चना की गई एवं शुक्रवार सुबह में बकरे की बली दी गई। कसबा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में गुरुवार को विषहरी माता मनसा पूजा को लेकर उत्सव माहौल थी। मंदिरों में माता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की जा रही है। वहीं घरों पर भी माता का कलश स्थापना कर निर्जला उपवास में रहकर माता की पूजा अर्चना की गई। मंदिरों से शाम को जय ढाक, कांसर के साथ जल यात्रा निकाली गई। जलाशयों से पवित्र जल, कलश धूप, दीप, शंखध्वनि के साथ मंदिर लाई गई। मंदिर में कलश स्थापना के बाद बिषहरी माता मनसा की पूजा अर्चना हुई। मां से मन्नतें मांगी गई। देर शाम को मंदिर परिसर में मनसा मंगल संकीर्तन का आयोजन किया गया। सब्दलपुर महलदार टोल में धूमधाम के साथ मनसा की पूजा की गई। सब्दलपुर इलाके के विभिन्न गांवों में मनसा पूजा की धूम रही। पुजारी महावीर दास ने बताया कि महीने की शुरूआत में मां मनसा की पूजा बिहार, बंगाल और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में घर- घर की जाती है। लोग मां मनसा की प्रतिमा को सिर में उठाकर घर लाते हैं। उसे स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना करते हैं। ऐसी मान्यता है, कि जो भक्त भक्ति में लीन होकर माता मनसा की पूजा अर्चना करते हैं। उनका सर्प दोष, विवाह से संबंधित दोष और संतान दोष मां मनसा दूर कर देती हैं। यह भी शास्त्रों में उल्लेख है कि मां मनसा बासुकी जी की बहन है। यह बहन उन्हें शिव के आशीर्वाद से मिला था। मां मनसा की पूजा के समय संध्या काल में जो उनके साथ नामों का जाप करते हैं। उन्हें असीम और अलौकिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। यह सात नाम जगत गौरी, जगत कारू, वैष्णवी, शिवयोगिनी, नागेश्वरी, बिषहरी, आस्तिक माता और शैवी है। शास्त्रों में ऐसा भी उल्लेख है की हजारों साल पहले धरती पर मनुष्य की तुलना में सांपों की संख्या अधिक थी। इसके बाद ऋषि कश्यप से लोगों ने एक ऐसी कन्या के लिए तपस्या किया, जो सब के विषों को हर ले। मनसा पूजा सूर्यास्त के समय गोधूलि बेला में लोग करते हैं।इसके लिए पीतल के पात्र में जल, लाल और पीले फूल दीप प्रज्वलन के साथ धरती के प्रतीक के रूप में लाल और पीले फल माता मनसा को लोग समर्पित करते हैं। कागज व डंडल से मयूर बनाकर पूरे भक्ति भाव से तीन, नौ, 11, 51 अथवा 108 बार मां मनसा को स्मरण कर उनके मूल मंत्र ऊं ह्रीं ऋं क्लिं एं मनसा दैव्यै नमः का जाप करते हैं। उन्हें मां मनसा सांपों और बिष के भय से मुक्त कर देते हैं। मां भक्तों की दुविधा को दूर कर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

3 सितंबर को पटना में शिक्षक सम्मान की तैयारी को लेकर की गई समीक्षा बैठक

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। भागलपुर शिक्षक प्रकोष्ठ की आम बैठक रामविलास सिंह के आवासीय परिसर में सम्पन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता शिक्षक मोहम्मद सलाउद्दीन ने की ।इस बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय प्रधान महा सचिव शिक्षक प्रकोष्ठ राजद बिहार के योगेंद्र प्रसाद यादव शामिल हुए। इस बैठक में सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई । समाज में विद्वानों की भूमिका एवं उसका सदुपयोग के साथ आगामी 3 सितंबर 2023 को पटना में शिक्षक सम्मान के लिए तैयारी की समीक्षा की गई तथा संघ की आगामी बैठक में इस हेतु अंतिम व्यवस्था के लिए सर्वसम्मत निर्णय लिया गया की बैठक में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर पटना में होने वाले कार्यक्रम को सफल करेंगे।

भागलपुर जिले में आने वाले समय में सामाजिक न्याय के सिद्धांत को सभी लोगों तक पहुंचाकर किस प्रकार से और उन्हें कैसे मजबूत बनाया जाए इस पर व्यापक चर्चा की गई । चर्चा के दौरान स्पष्ट किया गया कि समाज के योद्धाओं को याद कर उनके जीवन गाथा को छात्र-छात्राओं एवं आमजन तक पहुंचाने के बाद इसमें सफलता पाया जा सकता है।

बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का प्रण लिया गया। आरक्षण के मुद्दे पर व्यापक चर्चा की गई ।आरक्षण पर हो रहे हमले का पुरजोर विरोध किया गया सोची-समझी रणनीति के तहत आरोप आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है ।छात्र-छात्राओं आम जनों तक आरक्षण पर किए जा रहे हमले को बताने का निर्णय लिया गया।आगामी दिनों में सामाजिक न्याय के विचारक एवं नेतृत्व देने वाला तथा स्वतंत्रता आंदोलन में सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाले महापुरुषों की जीवनी पर चर्चा करते हुए उन्हें याद किया गया।अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्रवाई संपन्न की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद सलाउद्दीन अध्यक्ष जिला शिक्षक प्रकोष्ठ भागलपुर देवेंद्र प्रसाद मोदी प्रदेश महासचिव राजद ,शिक्षक प्रकोष्ठ रामविलास सिंह जिला महासचिव शिक्षक प्रकोष्ठ योगेंद्र प्रसाद यादव प्रधान महासचिव शिक्षक प्रकोष्ठ बिहार राजद,श्याम नंदन सिंह जीतू मंडल नगर अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ राजद ,नागेश्वर सिंह भागलपुर, इंजीनियर डीके कुशवाहा राजद , प्रोफेसर निलेश कुमार प्रदेश सचिव राजद ,राम प्रिय सिंह जिला प्रधान महा सचिव राजद, प्रोफेसर संतोष कुमार अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ तिलकामांझी विश्वविद्यालय राजद भागलपुर कैलाश प्रसाद सिंह कोर्ट एरिया भागलपुर सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे।

दो वित्तीय वर्ष के लिए जिला स्वास्थ्य कार्ययोजना बनाने को लेकर किया गया मंथनः सिविल सर्जन

प्रात : किरण,संवाददाता

पूर्णिया । जिला और प्रखंडस्तरीय स्वास्थ्य कार्ययोजना तैयार करने के बाद ही ज़िले के सभी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की योजनाएं धरातल पर उतारी जाती हैं। उक्त बातें जिलास्तरीय स्वास्थ्य कार्य योजना तैयार करने को लेकर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान सिविल सर्जन अभय प्रकाश चौधरी ने कही। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के जिला और प्रखंडस्तरीय अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। सिविल सर्जन ने कहा कि यह कार्यशाला आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की जिला स्वास्थ्य कार्ययोजना (डीएचएपी) तैयार करने को लेकर आयोजित की गयी है। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल स्थित पारा मेडिकल एकेडमिक सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी, डीपीएम सोरेंद्र कुमार दास, जिला लेखा प्रबंधक पंकज कुमार मिश्रा, डीपीसी डॉ सुधांशु शेखर, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी आलोक कुमार, पिरामल स्वास्थ्य के जिला प्रमुख संजीव कुमार एवं डीटीएल आलोक पटनायक, यूनिसेफ के राजकुमार, सिफार के धर्मेंद्र रस्तोगी सहित जिले के सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, बीएचएम और प्रखंड लेखापाल उपस्थित थे।

दो वित्तीय वर्ष की जिला स्वास्थ्य कार्ययोजना बनाने को लेकर किया गया मंथनः सिविल सर्जन

सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिला स्वास्थ्य कार्य योजना का मतलब यही होता है कि नागरिकों को स्वस्थ रहने के लिए आपको क्या करने की आवश्यकता है। साथ ही यह भी आपको बताता है कि स्वस्थ जीवन जीने के लिए आपको किन - किन सेवाओं और सहायता की आवश्यकता है। जिलास्तरीय अधिकारियों सहित कई अन्य के द्वारा योजना निर्माण को लेकर विस्तारपूर्वक विचार किया गया। वहीं वरीय अधिकारियों द्वारा अपने - अपने अनुभवों के आधार पर कई प्रकार की जरूरी सलाह दी गयी। जिसके आधार पर आगामी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (पीआईपी) तैयार कराया जा सके।

पॉलिटेक्निक कॉलेज का जिला पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण, प्राचार्या को लगाया फटकार

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मुंगेर के जिला अधिकारी ने गुरुवार को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज रमनकाबाद हवेली खड़गपुर मुंगेर का औचक निरीक्षण किया। कई खामियों के बाद प्राचार्या को फटकार लगाया और भविष्य में उन गलतियों के लिए सुधार करने का निर्देश दिया। पॉलिटेक्निक कॉलेज सूत्रों के अनुसार जिला पदाधिकारी नवीन कुमार सिंह ने सभी व्याख्याताओं से बारी बारी से बात की। उन्होंने उपस्थिति पंजी और बायोमेट्रिक मशीन की जांच पड़ताल किया। सूत्रों के अनुसार छात्रावास के छात्राओं ने जिला पदाधिकारी से शिकायत किया कि पानी का किल्लत है आर ओ मशीन खराब है तथा भोजन में मीनू के आधार पर भोजन नहीं दिया जा रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य कुमार झा को भंडार एवं भोजनालय का निरीक्षण करने भेजा वहीं संवेदक विनय झा के किचन में साफ सुथरे का आलम देखा गया। वहीं दूसरे भोजनालय में घटिया भोजन की व्यवस्था देखी गई। जिससे डीएम और एसडीओ ने संवेदक को चेतावनी दी की मीनू के आधार पर बच्चों को भोजन दे। डीएम ने नए लैब का निरीक्षण किया तथा जिला अधिकारी के आदेश से लगाए गए सोरल प्लेट का भी निरीक्षण किया गया जिला अधिकारी ने संस्थान में प्राचार्या द्वारा लगाए गए नए सीसीटीवी कैमरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद जिला पदाधिकारी ने सुरक्षा गार्ड से भी पूछताछ किया कि उन्हें कितना तनख्वाह मिल रहा है। प्राचार्या की दलाल सुरक्षाकर्मियों ने डीएम को प्राचार्य के दबाव में आकर 12000 तनख्वाह मिलने की बात बताया जबकि अन्य गार्ड के अनुसार मात्र 6800 का भुगतान सुरक्षा गार्ड को किया जा रहा है । जिला अधिकारी 3:00 से देर शाम तक पॉलिटेक्निक कॉलेज का निरीक्षण करते रहे। उसके बाद कार्यालय में प्राचार्या खुशबू रानी को फटकार लगाई और आवश्यक निर्देश दिया जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि कभी भी औचक निरीक्षण में हम पॉलिटेक्निक कॉलेज में आ सकते हैं। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की बहुत शिकायतें मिल रही है इसके पहले जिला अधिकारी ने सरकार आपके द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं का जांच के लिए हवेली खड़गपुर के बाढोना पंचायत के विभिन्न गांव का दौरा किया और योजनाओं की जांच किया। निरीक्षण के क्रम में कई विद्यालय में कमी पाई गई जिसके कारण कई प्रधानाध्यापकों को फटकार लगाया गया और समुचित शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समय सीमा के अंदर योजनाओं को पूरा करने का निर्देश भी दिया तथा आवास योजना लागू को को निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया कुछ ग्रामीणों ने लक्ष्मीपुर पर होना के डीलरों के खिलाफ शिकायत की जिससे जिस गंभीरता पूर्वक लेते हुए अपने साथ चल रहे अधिकारियों को ग्रामीणों की शिकायत दूर करने की आवश्यक निर्देश दिया।

जनप्रतिनिधियों ने पंचायत स्तर पर संचालित कार्यों का किया बहिष्कार

प्रात : किरण संवाददाता।

गोराडीह (भागलपुर)। गोराडीह प्रखंड कार्यालय में बिहार प्रदेश मुखिया महासंघ के बैनर तले ग्राम पंचायत के अधिकारों में की जा रही कटौती किये जाने के खिलाफ प्रथम चरण राजव्यापी हड़ताल शुरू किया गया है। इस दौरान पंचायत जनप्रतिनिधियों ने पंचायत स्तर पर संचालित कार्यों का बहिष्कार किया है। वही गोराडीह प्रखंड क्षेत्र के सभी निर्वाचित मुखिया के द्वारा बैनर पोस्टर लगाकर सरकार के विरुद्ध रोष प्रकट किया है। इस दौरान मुखिया पद पर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर कई मुद्दों पर चर्चा की। वही सरकार के द्वारा निर्वाचित मुखिया के अधिकारों में की गई कटौती के विरुद्ध ग्राम पंचायतों सहित प्रखंड मुख्यालय स्तर पर संचालित विकास कार्य सहित बिहार सरकार के जारी आदेशों का बहिष्कार करते हुए यह मांग की है कि सरकार 19 अधिकारों को पंचायतों को वापस करें, ग्राम पंचायत का 73वां संविधान संशोधन का 29 अधिकार ग्राम पंचायतों को सौंपा जाए, ग्राम पंचायतों का नीतीश कुमार के नेतृत्व में 25% कटौती की गई राशि को वापस किया जाय, बिहार सरकार अपने मध्य से बिहार के तमाम गरीबों को आवास मुहैया कराया जाए, तथा केंद्र सरकार पर दबाव बनाएं कि गरीबों को आवास दें, बिहार सरकार पंचायतों की ग्राम सभा ली गई योजनाओं का प्राथमिकता दें, केंद्र सरकार के द्वारा मिली 15वां वित्त में एजेंसी चयन करना बंद करें, अभिलंब सोलर लाइट एजेंसी को खत्म करें, सरकार मनरेगा कि योजना को 20 लाख तक प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करें, पंचायती राज के तर्ज पर मनरेगा का भुगतान पंचायत से हो, ऐसी तमाम पंचायत की शक्तियों को सरकार दवा कर रखी हुई है, वह सारी शक्तियों को पंचायत के वापस करें सहित कई मांगो को लेकर हल्ला बोल प्रदर्शन किया है। इस मौके पर उपस्थित गोराडीह मुखिया संघ के अध्यक्ष उमाशंकर रजक के साथ प्रखंड के तमाम मुखिया जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दो चचेरी बहने हुई लापता, घटना की जांच में जुटी स्थानीय पुलिस

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर थाना परिक्षेत्र के एक गांव से संदिग्ध अवस्था में दो चचेरी बहन अचानक लापता होने का मामला सामने आया है। वही मामले को लेकर स्वजन काफी चिंतित व परेशान हो बच्ची की खोजबीन शुरू कर दी है। वहीं घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गई है। क्षेत्र इलाके में लगातार लापता हुए युवती को लेकर स्वजन और उनके सम्पर्क में आए अन्य लोगों से किसी तरह खोजबीन करने जुट गई है, साथ ही बच्ची की तलाश में पुलिस सम्भावित जगहों पर छापेमारी कर रही है। वही मामले को लेकर लापता हुए युवती के पिता ने थाना पहुंच कर उक्त मामले को लेकर एक लिखित आवेदन देने के साथ ही पीड़ित परिवार अपने बेटी के अपहरण करने की आशंका जाहिर की है। हालांकि स्वजनों ने आसपास के गांवों व रिश्तेदारों के यहां मोबाइल फोन से युवती का पता लगाने में जुट गई है।

बिहार के वित्त सह प्रभारी मंत्री का पूर्णिया में जदयू कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

पूर्णिया । पूर्णिया जदयू के जिला प्रवक्ता सह समाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार मेहता ने कहा कि बिहार सरकार वित्त मंत्री सह पूर्णिया जिला के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी को प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद पूर्णिया पहली बार आगमन पर पूर्णिया परिसदन में जिला जदयू कार्यकर्ताओ के द्वारा गर्मजोशी के स्वागत किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि आप सभी जदयू के समर्पित कार्यकर्ताओ और नेताओं के बल पर ही जिला से लेकर प्रखंड व पंचायत स्तर पर जदयू संगठन काफी धारदार और मजबूत होगा। आप सभी से जदयू संगठन के माध्यम से बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करें। विकास कार्यों गांव-गांव जाकर बिहार सरकार के उपलब्धि को बताए। इधर जदयू के जदयू के जिला प्रवक्ता सह समाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार मेहता ने प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी को पुष्प गुछ और बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्णिया सांसद संतोष कुमार कुशवाहा, बिहार सरकार के मंत्री लेशी सिंह, प्रदेश महासचिव आशीष कुमार बब्बू, जदयू के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार, हरि प्रसाद मंडल, मुख्य प्रवक्ता उपेन्द्र कुमार सिंह, उमेश पासवान, संजीव कुमार रेणु, नवीन पटेल, मो आजाद, प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार मंडल, शैलेंद्र मंडल प्रवीण कुमार, मुकेश कुमार दिनकर इत्यादि जदयू के समर्पित कार्यकर्ताओ ने प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी का स्वागत किया।

एकीकृत बीमारियों से संबंधित जांच अभियान की हुई शुरूआतः सिविल सर्जन

प्रात : किरण ब्यूरो

पूर्णिया । जिले से टीबी, एड्स और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों को मिटाने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार के साथ ही पूर्णिया के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मियों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी को लेकर पिछले दिनों जागरूकता अभियान चलाया गया था। अब जांच की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जिसका विधिवत उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने किया। साथ में जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मिहिरकांत झा, डीपीएम सोरेंद्र कुमार दास, जिला आईसीटीसी पर्यवेक्षक बैजनाथ प्रसाद और जिला बाल संरक्षण इकाई की सहायक निदेशक बेबी रानी भी थीं। इस अवसर पर इपिडेमियोलॉजिस्ट नीरज कुमार निराला, जिला टीबी एड्स समन्वयक राजेश शर्मा, बाल सुधार गृह के अधीक्षक नीलमणि, परामर्शी सुभाष कुमार, बाल गृह की अधीक्षिका अर्पणा विश्वास, परामर्शी पिंकी कुमारी, एसटीडी सह हेपेटाइटिस परामर्शी सनतन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मी भी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी के दिशा - निर्देश में एकीकृत बीमारियों से संबंधित जांच अभियान की हुई शुरूआतः सिविल सर्जन -सिविल सर्जन डॉ अभय प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिलाधिकारी कुंदन कुमार के दिशा निर्देश में एकीकृत बीमारियों जैसे- एसटीआई, एचआईवी, टीबी और हेपेटाइटिस को लेकर जागरूकता अभियान चलाने के बाद अब केंद्रीय कारागार, बाल सुधार गृह में जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्णिया जिला मुख्यालय स्थित केंद्रीय कारागार, बाल सुधार गृह और बाल गृह सहित पूर्णिया सिटी स्थित वृद्धाश्रम में भी एकीकृत बीमारियों की जांच को लेकर पहले ही सभी अधीक्षकों को आवश्यक दिशा - निर्देश जारी करते हुए अवासितों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जा चुका है। ताकि सभी को इन बीमारियों के संबंध में जानकारी मिल सके।

एकीकृत बीमारियों के उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर कैदियों सहित अन्य आवासितों की हो रही है जांचः सीडीओ

जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मिहिरकांत झा ने कहा कि देश में एकीकृत बीमारियों की रोकथाम को लेकर खासकर एचआईवी / एड्स की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अपने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से एचआईवी महामारी को रोकने के लगातार प्रयासरत है। ज़िले में टीबी और एड्स जैसी बीमारियों से बचाव के लिए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा उन्मूलन कार्यक्रम का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मियों द्वारा जेल के लगभग 18 सौ से अधिक बंदियों, बाल सुधार गृह के 71 बच्चों और बाल गृह के 39 बच्चों सहित सहारा वृद्धाश्रम में रहने वाले 44 बेसहारा बुजुर्गों के एकीकृत बीमारियों की जांच की जा रही है।

भगवान शिव की मानस पुत्री मां विषहरी की बड़े ही धूमधाम से हुई पूजा अर्चना

परिवार रक्षा व संतान प्राप्ति की इक्षा पूर्ति को लेकर लोगों ने चढ़ाया डलिया प्रसाद व दूध लावा का भोग

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। अंग की धरती पर आज भी पौराणिक गाथाओं को लेकर आस्था के प्रतीक माना जाने वाला सती विहुला मां विषहरी की गाथा चली आ रही है, सती बिहुला और मां विषहरी की पूजा अर्चना की परंपरा लगातार कायम है, जो लोक गाथा पर आधारित है। जिसका तेल चित्रण प्रतिमा के द्वारा आज भी उसके किरदार को बखूबी दशार्या जाता रहा है। सती बिहुला- मां विषहरी के रूप में लोग माता मनसा की हर्षोल्लास के साथ पूजा अर्चना की जाती है। जिले में लगभग 129 से भी अधिक जगहों पर मां मनसा देवी की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत रूप से पूजा अर्चना की जाती है। मां मनसा को भगवान शिव की मानस पुत्री और महादेव के गले में हार वासुकी की बहन कहा जाता है। अंग प्रदेश के चंपानगर की सती बिहुला व मां विषहरी कहानी की पौराणिक मान्यताएं हर ओर फैली हुई हैं। इसके तथ्य विक्रमशिला के अवशेषों में भी देखने को मिलती हैं।

अंग प्रदेश में एक एक सबसे चर्चित व्यापारी व शिवभक्त चंद्रधर सौदागर रहते थे, जो चंपानगर के एक बहुत ही बड़े व्यवसायी थे, साथ ही वो एक सच्चे शिवभक्त थे। विषहरी जो भगवान शिव की पुत्री कही जाती हैं, उसने भगवान शिव के द्वारा पूजा मार्ग की शुरूआत की अवधारणा को लेकर चंद्रधर सौदागर पर विधिवत पूजा की शुरूआत की नींव रखने को लेकर उस पर दबाव बनाया, लेकिन चंद्रधर अपनी शिव भक्ति को छोड़कर मनसा देवी की पूजा करते राजी नहीं हुए। इसके बाद आक्रोशित हो मा विषहरी ने सौदागर के सात पुत्रों को मृत्यु की गोद में सुला दिया था। वही चंद्रधर सौदागर ने अपने छोटे बेटे जिनका नाम बाला लखेंद्र था जिसकी शादी बिहुला से हुई थी। उसके प्राण की रक्षा के लिए चंद्रधर सौदागर ने लोहे व बांस से एक घर का निर्माण कराया था, ताकि उक्त निर्मित घर में एक भी छिद्र न रहें और विषहरी उसमें प्रवेश न कर सकें लेकिन उक्त घर में भी मां विषहरी प्रवेश कर बाला लखेन्द्र को डस लिया था। सती हुई बिहुला अपने पति के शव को केले के थम से बने नाव में लेकर गंगा के रास्ते स्वर्गलोक तक चली गई। इसके बाद वो पति का प्राण वापस लेक

पैसों के लिए कभी काम नहीं किया

राजकुमार राव की सीरीज गन्स एंड गुलाब्स आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। हाल ही में बातचीत के दौरान, राजकुमार ने इस सीरीज से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें शेयर की।

जब गन्स एंड गुलाब्स सीरीज ऑफर हुई कैसा लगा ?

बहुत ज्यादा खुशी थी की राज और डीके ये सीरीज बना रहे हैं क्योंकि इन दोनों को ये शैली जहां गैंगस्टर, कॉमेडी, एक्शन कॉमेडी का कॉम्बिनेशन करना बहुत अच्छे से आता है। मुझे यकीन था की यदि ये दोनों इतने सारे जॉनर को मिक्स करके कुछ बनाएंगे तो वह वाकई में अलग होगा। मुझे याद है जब पहली बार मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी थी तब मेरा पहला रिएक्शन था की कितनी बढ़िया स्क्रिप्ट लिखी गई है। पढ़ने में इतना मजा आया, तो इसका हिस्सा बनकर अनुभव तो वाकई में मजेदार होगा। स्क्रिप्ट पढ़ते-पढ़ते मुझे 90 के दशक के गाने, वो दौर खूब याद आए।

दुलकर सलमान के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

दुलकर सलमान का मैं बहुत बड़ा फैन हूं, जिस तरह का काम उन्होंने अब तक अपने करियर में चुना है, मुझे वह बेहद पसंद है। जब पता चला की दुलकर फिल्म में मेरे को-स्टार रहेंगे तो मुझे सुनकर काफी खुशी हुई क्योंकि मैं चाहता था की कोई ऐसा आए जिसका कोई संवेदन नहीं हो। क्या है ना, कई एक्टर्स ऐसे होते हैं जो या तो सिर्फ कॉमेडी के लिए जाने जाते हैं या फिर एक्शन लेकिन दुलकर के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनका करियर ग्राफ मैंने देखा है, इन्होंने अलग-अलग काम किया है, अलग-अलग इंडस्ट्री में। मुझे पता है की वो अपने कैरेक्टर को कहीं भी ले जा सकते हैं।

90 के दशक से जुड़ा कोई खास अनुभव

खत लिखना। हमारी सीरीज में खत का एक बहुत अहम् पार्ट हैं। 90 के दशक में ज्यादा मोबाइल वगैरा नहीं होते थे तो आप खत ही लिखते थे, वो मैंने भी रियल लाइफ में किया हैं। मैंने भी कई खत लिखे हैं, तो हां, वो मुझे मेरे बीते हुए दिनों को याद दिलाए। साथ ही हम थिएटर में फिल्में देखने जाते थे। मेरे पेरेंट्स मुझे हमेशा परमिशन दे देते थे। यहां तक की जब भी कॉलेज बंक करके फिल्म देखने जाता तो मैं घर में बोलकर जाता था। अपनी मां को बता देता था, ऑफिशियल बंक मारता था। मैंने ब्लैक में भी टिकट खरीदी है, जिसमें बहुत मजा आता था।

क्या कभी सिर्फ पैसों के लिए कोई फिल्म साइन की?

मैंने कभी पैसों के लिए काम नहीं किया। हां, कई बार ऐसा मौके आए जहां लोगों ने कहा की आप ये कर लो, पैसे मिल जाएंगे लेकिन मैंने नहीं चुना। क्योंकि उससे रातों की नींद उड़ जाती है। जो पैसा खराब नीयत से आता है या खराब तरीके से आता है, मुझे वह नहीं चाहिए। मुझे मेरी सुकून की नींद बहुत पसंद है। जितना मिला, उतना मेरे लिए ठीक है।

5 साल बाद किसी पुराने किरदार में ढलना कितना मुश्किल था?

चुनौतीपूर्ण तो होता है क्योंकि आपने वह किरदार 5 साल पहले निभाया था। फिर से उस किरदार में ढलने के लिए, मैं फिर से वह फिल्म देख रहा हूं, 2-3 बार देख चूका हूं। 5 साल का गेप एक लंबा गेप है, इस बीच आपने कई सारे किरदार निभा चुके हो, तो इतना आसान नहीं उस किरदार में फिर से ढलना।

इसी साल रिलीज हो सकती हैं अक्षय की दो फिल्में

वेडात मराठे वीर दौड़ले सात, कैप्सूल गिल आएगी, स्काईफोर्स में अक्षय के साथ दिखेंगी सारा

ओएमजी 2 के बाद अब अक्षय कुमार की चार फिल्में रिलीज होने के लिए लाइन्ड अप हैं। इनमें वेडात मराठे वीर दौड़ले सात, कैप्सूल गिल, बड़े मियां छोटे मियां और सी शंकरन की बायोपिक शामिल है। 'बड़े मियां छोटे मियां अगले साल ईद पर आएगी। वेडात मराठे वीर दौड़ले सात इसी साल नवंबर में आएगी। कैप्सूल गिल भी इसी साल आने की तैयारी में है। वहीं, सी शंकरन की बायोपिक- स्काईफोर्स अगले साल रिलीज हो सकती है। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म में सारा अली खान भी हैं। उनके अपोजिट वीर पहाड़िया को कास्ट किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वीर पहाड़िया सारा के एक्स बॉयफ्रेंड रहें हैं। वीर पहाड़िया महाराष्ट्र के पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे के नाती भी हैं।

फिल्म स्काईफोर्स में एयर फोर्स आफिसर बने हैं वीर पहाड़िया

इस फिल्म में कास्टिंग को लेकर सूत्र और भी दिलचस्प जानकारी साझा करते हैं। सूत्रों के मुताबिक वीर पहाड़िया इस फिल्म में सारा के अपोजिट नजर आएंगे। फिल्म में वीर पहाड़िया एयर फोर्स ऑफिसर का रोल करेंगे। वीर की अभिजीत गोखले के साथ अलग से ट्रेनिंग हो रही है। इसे संदीप केवलानी डायरेक्ट करेंगे। अमर कौशिक फिल्म के को-प्रोड्यूसर हैं। स्काईफोर्स के लखनऊ शेड्यूल के लिए टीम 16 अगस्त को रवाना होगी। मगर अक्षय वहां 18 को पहुंचेंगे। इस फिल्म की कास्टिंग का जिम्मा प्रोडक्शन हाऊस ने अभिषेक बनर्जी की टीम को दिया हुआ है।

एयरलिफ्ट के बाद अक्षय के साथ फिर नजर आएंगी निम्रत

इस महीने अक्षय स्काईफोर्स की बची हुई शूटिंग फिर से शुरू कर रहे हैं। सूत्रों की खास जानकारी के मुताबिक ये तो कन्फर्म है कि इस फिल्म में निम्रत कौर भी हैं। एयरलिफ्ट के बाद निम्रत फिर से अक्षय के अपोजिट नजर आएंगी।

खतरों के खिलाड़ी से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए।

'बच्चन' सरनेम संभालना आसान नहीं

हाल ही में अभिषेक बच्चन ने बच्चन परिवार से जुड़े होने के प्रेशर और जिम्मेदारी को लेकर बात की। यूट्यूबर राज शमानी की पोडकास्ट में उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि उनका जन्म बच्चन परिवार में हुआ है और उन्हें बच्चन फैमिली के नाम की लिगेसी को आगे ले जाने की जिम्मेदारी का भी एहसास है। बातचीत के दौरान उन्होंने ये भी कहा कि उनकी पत्नी ऐश्वर्या भी अक्सर बेटी आराध्या बच्चन को इस परिवार की लिगेसी का महत्व समझाती रहती हैं। अभिषेक बच्चन ने अपनी बेटी आराध्या की तारीफ भी की और कहा कि वो 11 साल की है लेकिन 25 साल ही लड़की जितनी समझदार है। मैं जो कुछ भी हूं वो बच्चन सरनेम की वजह से हूं बातचीत के दौरान अभिषेक बच्चन ने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि उनके पिता अमिताभ बच्चन और उनके दादाजी हरिवंश राय बच्चन ने काफी संघर्ष के बाद बनाई है। उन्होंने कहा- मेरा सरनेम मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं पूरी कोशिश करता हूं कि मैं अपने पिता का नाम रोशन कर सकूं और उन्होंने जो मिसाल कायम की है उसे आगे ले जा सकूं। मैं आज जो कुछ भी हूं वो अपने सरनेम की वजह से ही हूं। इस सरनेम के साथ जो शोहरत और फेम आज जुड़ी है वो मेरे दादाजी और मेरे पिताजी ने कमाई है। इस सरनेम को संभालना आसान नहीं है।

अकेली में काम नहीं करना चाहती थीं नुसरत भरूचा

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी, 'ड्रीमर्गल', छोरी, जनहित में जारी, छत्रपति जैसी फिल्मों में काम किया है। अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। नुसरत स्टारर फिल्म 'अेकली' 25 अगस्त को सिनेमाघर में रिलीज होने जा रही है। ऐसे में एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर बातचीत की है। इस दौरान नुसरत ने बताया कि फिल्म की कहानी उनके पास तीन साल पहले आई थी और कहानी आते ही लॉकडाउन लग गया। उन्होंने कहा- उस समय इस फिल्म को करने से मना कर दिया था, क्योंकि बतौर एक्टर मैं उस वक्त ऐसी कहानियों के लिए रेडी नहीं थी। मैं पूरी कहानी अकेले करूं, समझ में नहीं आ रहा था। उस समय लगा कि शायद मैं नहीं कर पाऊंगी। इसके अलावा स्क्रिप्ट के बारे में कुछ चीजें बताई थी, जो बात समझ में नहीं आ रही है। डायरेक्टर स्क्रिप्ट ठीक करने के साथ तीन साल तक मेरा इंतजार किया। वो हर साल मेरे पास आकर कहते थे- 'अब आप बताइए कि आपके पास वक्त कब है।' मैं हर बार बोलती थी कि मुझे समझ में नहीं आ रही है।

दोस्त के समझाने पर की फिल्म अकेली

तीन साल बाद एक फिल्म कर रही थी, तब तक डायरेक्टर ने मेरे एक क्लोज फ्रेंड के दोस्त को इस फिल्म से जोड़ दिया। डायरेक्टर ने मेरे दोस्त को बताया कि एक बार आप नुसरत से बात करके देखिए। मैं तो नुसरत से दो बार बात किया, पर उन्होंने मना कर दिया। मेरा दोस्त आकर मुझसे बोला कि चीजें चेंज कर दी गई हैं और हमारी बहुत अच्छी टीम भी बन गई है। इसे दोबारा पढ़ लीजिए। मैं अब तक 'छोरी' और 'जनहित में जारी' फिल्म कर चुकी थी। मुझे खुद पर और मेकर पर भरोसा हुआ। ऐसा लगा कि हम साथ में जुड़कर कुछ अच्छा बना पाएंगे। मेरा ऐसे जुड़ना हुआ।

हिंदुस्तानी नर्स किरदार निभाएंगी नुसरत

मैं ज्योति का कैरेक्टर प्ले कर रही हूं। वह अमृतसर से आती है। वहां अपनी मां और भतीजी के साथ रहती है। उसने अपने भैया-भाभी को खो दिया है। घर में अकेली काम करने वाली है। वह विदेश जाने का मौका ढूंढ़ती है, जहां उसको ऐसी नौकरी मिले, जिससे उससे घर की सारी दिक्कतें दूर हो जाएं। उसको जैसे नौकरी मिलती है, वह मोसुल चली जाती है। वहां पर सब नॉर्मली चलता है, लेकिन अनफॉरर्च्युनिटिली, वहां काम करते-करते टेरिज्म का अटैक हो जाता है।

नुसरत ने बताया इजरायली एक्टर्स से साथ काम का एक्सपीरियंस

इजरायली एक्टर के साथ काम एक्सपीरियंस बताते हुए नुसरत ने कहा- उनके साथ सीन को देखना, उसके बारे में डिस्कस करना और उनके कामकाज का तौर-तरीका काफी अलग होता है। वे जो सोच लाते हैं, वह हमारी सोचना भी काफी चैलेंजिंग लगता है, हमें नई चीजें करने के लिए मजबूर भी करता है।

मैं तो कहती हूं कि अगर इंटरनेशनल एक्टर नहीं लिए होते, तब हमने जो साथ में सीन किए हैं, वह इतने अच्छे निकलकर नहीं आते। मेरे हिसाब से उनका कंट्रीब्यूशन इस फिल्म को एक अलग पायदान तक लेकर गया है। उन्हें कास्ट करने का बहुत बढ़िया फैसला रहा।

प्रियंका चोपड़ा ने रेस्टोरेंट सोना से बनाई दूरी

2 साल बाद तोड़ी पार्टनरशिप

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने दो साल पहले पार्टनरशिप में बिजनेस शुरू किया था। एक्ट्रेस ने न्यूयॉर्क में इंडियन रेस्टोरेंट खोला था, जिसका नाम उन्होंने सोना रखा था। वहीं, अब रिपोर्ट्स हैं कि प्रियंका ने इस रेस्टोरेंट से दूरी बना ली है। उन्होंने अपनी पार्टनरशिप तोड़ दी है।

प्रियंका चोपड़ा ने दो साल पहले मनीष के गोयल के साथ पार्टनरशिप रेस्टोरेंट खोला था। मनीष ने मैगजीन से बातचीत में कहा रेस्टोरेंट की क्रिएटिविटी के पीछे प्रियंका थी। हम उनकी पार्टनरशिप और सपोर्ट के लिए आभारी हैं। प्रियंका अब हमारी क्रिएटिव पार्टनर नहीं हैं। वह सोना फैमिली का हिस्सा रहेंगी और हम अपने नए चैप्टर के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। प्रियंका से जुड़े एक प्रतिनिधि ने कहा- सोना को जीवन में लाना उसके करियर में हमेशा एक गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण पल होगा। सोना से दूर जाने से उसे इन महत्वाकांक्षाओं को और अधिक वैश्विक स्तर पर विस्तारित करने की अनुमति मिलती है, और वह उन संभावनाओं के बारे में उत्साहित है जो इंतजार कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा के बिजनेस की बात करें तो उनका लग्जरी होमवेयर ब्रांड सोना होम है। उनका हेयरकलर ब्रांड और एक प्रोडक्शन कंपनी भी है। वहीं, काम की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार वेब सीरीज सिटाडेल में देखा गया था। अब वह जल्द ही जोया अख्तर की जी ले जरा में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगी।

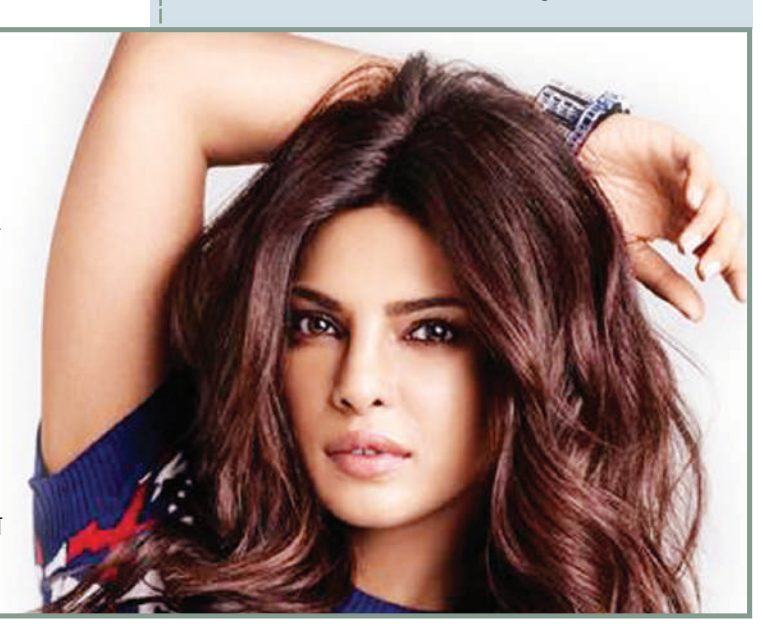

अब चुटकियों में मिलेगा लोन! आरबीआई ने लॉन्च किया पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। अब बिना किसी परेशानी और झंझट के मिनटों में आपकी लोन तक पहुंच हो सकेगी। गुरुवार को इसके लिए आरबीआई ने एक ऑनलाइन पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म का पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म को रिजर्व बैंक की इनोवेशन हब टीम ने डिवेलप किया है। इस सुविधा से आम जनता के लिए न सिर्फ लोन लेने की प्रकिया आसान होगी, बल्कि लोन लेने की प्रकिया के कई तरह के खर्चे भी कम होंगे। रिजर्व बैंक ने कहा कि, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म एक ओपन इन्फ्रास्ट्रक्चर, ओपन एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस और स्टैंडर्ड्स से लैस होगा जिससे फाइनैंशल सेक्टर की सभी यूनिट्स प्लग एंड प्ले मॉडल पर बिना किसी परेशानी के जुड़ सकेंगी। एपीआई एक सॉफ्टवेयर है जो दो एप्लिकेशन को एक दूसरे से कॉन्टेक्ट स्थापित करने की अनुमति देता है।

एपीआई यूनिट के भीतर और अलग-अलग यूनिट्स के बीच आंकड़े प्राप्त करने और साझा करने का एक सुलभ तरीका है। सभी फाइनेंशियल सेक्टर के प्लेयर्स इस 'प्ले एंड प्ले' मॉडल में जुड़ सकते हैं। आरबीआई पायलट प्रोग्राम में प्लेटफॉर्म पर किसान क्रेडिट कार्ड लोन, डेयरी लोन, एमएसएमई लोन जैसे प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि इस प्लैटफॉर्म पर उन लोगों को

लोन दिया जा सकता है जिनके पास लोन लेने के लिए ज्यादा अवसर नहीं बन पाते हैं।

क्या थी मुश्किल

किसी लोन को मंजूरी देने से पहले कर्जदाताओं को अक्सर जानकारी के कई सेटों की आवश्यकता होती है। वर्तमान में, लोन या क्रेडिट को मंजूरी देने के लिए जरूरी डेटा केंद्र और राज्य सरकारों, अकाउंट एग्रीगेटर्स, बैंकों और क्रेडिट सूचना ब्यूरो जैसी विभिन्न संस्थाओं के पास उपलब्ध है। इससे बहुत सी मुश्किलें आती हैं और लोन मंजूर होने में कई दिन लग जाते हैं। अक्सर एक सप्ताह या महीना भी लग जाता है। इस प्रक्रिया को आसान और झंझट मुक्त बनाने के लिए केंद्रीय बैंक यह प्लेटफॉर्म लेकर आया है ताकि यहां से कर्जदाता लोन देने से पहले तमाम तरह की जरूरी जानकारी डिजिटली पा सकेंगे।

पायलट प्रोजेक्ट के दौरान इस टेक्नोलॉजी प्लैटफॉर्म पर मौजूदा बैंक 1.6 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड लोन, दूध उत्पादकों को लोन, किसी जमानत के बगैर एमएसएमई इंडस्ट्री को लोन, पर्सनल लोन और होम लोन देने का काम कर सकेंगे। मतलब कई दिनों का काम मिनटों में हो जाएगा। जानकारों का कहना है कि इस तरह से फिनटेक कंपनियों पर लोन के मामलों पर केंद्रीय बैंक की निगाह रहेगी। इससे लोगों को बिना परेशानी और तेजी से लोन उपलब्ध कराया जा सकेगा और आरबीआई के प्लेटफॉर्म का मकसद लोन संबंधी मामलों में एनबीएफसी कंपनियों पर निगाह रखने की भी है।

आरबीआई के प्लेटफॉर्म पर एक्सिस बैंक हुआ लाइव

एक्सिस बैंक ने गुरुवार को आरबीआई के पब्लिक टेक प्लेटफॉर्म के पायलट प्रोजेक्ट के तहत प्रति उधारकर्ता 1.6 लाख रुपये तक के कर्ज, 10 लाख रुपये तक के अनसिक्योर्ड एमएसएमई लोन और किसान क्रेडिट कार्ड की पेशकश की घोषणा की। एक्सिस बैंक ने कहा कि पायलट कार्यक्रम के तहत, दोनों लोन प्रोडक्ट डिजिटल रूप से दिए जाएंगे और कर्ज लेने वालों को कोई डॉक्यूमेंट्स जमा करने की जरूरत नहीं होगी। बैंक पैन सत्यापन के लिए सुरक्षित और सहमति-आधारित कस्टमर डेटा तक पहुंचने के लिए बैंक आरबीआई के इनोवेशन हब के तकनीकी प्लेटफॉर्म का लाभ उठाएगा।

सिम कार्ड और व्हाट्सएप अकाउंट्स को लेकर केंद्र सरकार की बड़ी कार्रवाई, 52 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन किए रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने सिम कार्ड और व्हाट्सएप अकाउंट को लेकर बड़ा एक्शन किया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हमने धोखाधड़ी से प्राप्त किए गए 52 लाख कनेक्शनों का पता लगाया और उन्हें निष्क्रिय किया है मोबाइल सिम कार्ड बेचने वाले 67000 डीलरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया। मई 2023 से अभी तक सिम कार्ड डीलरों के खिलाफ 300 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 66,000 व्हाट्सएप अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने फर्जी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सिम कार्ड डीलरों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है और बल्क कनेक्शन का प्रावधान भी बंद कर दिया है। सरकार ने 67000 डीलरों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। मंत्री ने कहा कि व्हाट्सऐप ने भी अपने आप ही लगभग 66,000 अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है जो धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों में लिप्त थे।

क्या है नई गाइडलाइन

वैष्णव ने कहा कि अब हमने धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए सिम डीलरों का पुलिस

वेरिफिकेशन अनिवार्य कर दिया है। नई गाइडलाइन के अनुसार बिना पुलिस वेरिफिकेशन सिम कार्ड बेचने पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना है। दूरसंचार मंत्री के मुताबिक देश में करीब 10 लाख सिम कार्ड डीलर हैं जिन्हें पुलिस वेरिफिकेशन कराना होगा। इसके अलावा बिजनेस (दुकान) का भी केवाईसी कराना होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले डीलरों पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पुलिस वेरिफिकेशन के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि दूरसंचार विभाग ने बल्क कनेक्शन के प्रावधान को भी बंद कर दिया है और इसके स्थान पर बिजनेस कनेक्शन के एक नए कॉन्सेप्ट पेश किया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि इसके अलावा, बिजनेस की केवाईसी, सिम लेने वाले व्यक्ति की केवाईसी भी की जाएगी। हाल ही देश में कई सिम कार्ड स्कैम सामने आए हैं। पुलिस ने एक ऐसे फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है जिसमें आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हो रहा था। पुलिस के मुताबिक एक ही आधार कार्ड पर 658 सिम कार्ड जारी किए गए थे और ये सभी सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जा रहा था।

एक औसत यूज़र ऑनलाइन गेमिंग पर रोज़ एक घंटे से कम और महीने में 100 रुपये से कम खर्च करता है : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी टेक एवं पॉलिसी थिंक टैंक, एस्या सेंटर ने आज अपनी रिपोर्ट न्यू-एज डिजिटल कंजम्पशन-ए सर्वे ऑफ सोशल मीडिया, ओटीटी कंटेंट एंड ऑनलाइन गेमिंग का अनावरण किया। इस रिपोर्ट में तीन डिजिटल मनोरंजन के साधनों सोशल मीडिया, ओटीटी और ऑनलाइन गेमिंग, रियल मनी गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स और कैजुअल गेमिंग सहित, में यूज़र्स के उपभोग और संलग्नता के पैटर्न का आकलन किया गया है। इस रिपोर्ट का एक शैक्षणिक संस्करण आईआईएम-ए वर्किंग पेपर में प्रकाशित हुआ है, जिसके सह-लेखक डॉ. रजत शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएम-अहमदाबाद तथा डॉ. विकाश गौतम, एडजंक्ट फैलो, एस्या सेंटर हैं। इस पेपर में बताया गया है कि यूज़र के समय-व्यय या धन-व्यय के आँकड़े यूज़र द्वारा विशेष रूप से ऑनलाइन गेमिंग के दौरान अवांछित कार्यों के बारे में नीति संबंधी चिंताओं का समर्थन नहीं करते हैं।

सैमसंग ने कनेक्टेड लिविंग के लिए मल्टी वॉईस असिस्टैंट, वीडियो कॉलिंग और आईओटी सेंसर्स के साथ क्रिस्टल विज़न 4के यूएचडी टीवी लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। 17 सालों से ग्लोबल नंबर 1 ब्रांड सैमसंग ने आज भारत में अपने क्रिस्टल विज़न 4के यूएचडी टीवी लॉन्च करने की घोषणा की। क्रिस्टल यूएचडी टीवी की इस श्रृंखला में फ्लैगशिप स्मार्ट फीचर्स जैसे मल्टी वॉईस असिस्टैंट, स्लिमफिट कैम के साथ वीडियो कॉलिंग, सोलर रिमोट, शांत ऑनबोर्डिंग के साथ बिल्ट-इन आईओटी हब, तथा ऑटो ब्राईटनेस एडजस्टमेंट के लिए आईओटी लाईट सेंसर हैं, जो कनेक्टेड लिविंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान करेंगे।

भारत के आधुनिक उपभोक्ताओं का दैनिक जीवन आसान बनाने के लिए क्रिस्टल विज़न 4के यूएचडी टीवी में एक नया बिल्ट-इन मल्टी वॉईस असिस्टैंट दिया गया है, जो उपभोक्ताओं को आसानी से कंटेंट देखने और बिक्सबी या एमेज़ॉन एलेक्सा द्वारा कनेक्टेड होम का अनुभव पाने में मदद करेगा।

दिलकश पिक्चर क्वालिटी और बेहतरीन साउंड क्वालिटी देने के लिए डिज़ाईन किए गए नए क्रिस्टल विज़न 4के ययूएचडी टीवी में प्योर कलर और क्रिस्टल प्रोसेसर 4के के साथ एक बिलियन ट्रू कलर्स हैं। प्योरकलर बेहतरीन कलर्स के एक बिलियन शेड्स के साथ कंटेंट का जीवंत अनुभव प्रदान करता है, जबकि इंटैलिजेंट क्रिस्टल प्रोसेसर 4के कम रिज़ॉल्यूशन की पिक्चर को अपस्केल कर बेहतर 4के लेवल प्रदान करता है। ये क्रिस्टल विज़न 4के यूएचडी टीवी 4 अगस्त, 2023 से फ्लिपकार्ट और सैमसंग शॉप पर 43 इंच, 55 इंच और 65 इंच के स्क्रीन साईज़ में 33,990 रु. के शुरुआती मूल्य से मिलेंगे।

मोहनदीप सिंह, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट, विज़्युअल डिस्प्ले बिज़नेस, सैमसंग इंडिया, ''टेलीविज़न खरीदने के लिए आधुनिक भारतीय उपभोक्ता पिक्चर और साउंड की बेहतरीन क्वालिटी, गेमिंग का शानदार अनुभव और ऐसी आधुनिक विशेषताएं पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें आसान और कनेक्टेड लिविंग मिल सके। हमारा नया क्रिस्टल विज़न 4के यूएचडी टीवी में ये सभी गुण हैं, और यह मल्टी वॉईस असिस्टैंट एवं वीडियो कॉलिंग जैसी अतिरिक्त विशेषताओं के साथ आता है, जो ग्राहकों के अनुभव को और ज्यादा बेहतर बना देंगी।''

डायरेक्ट सेलिंग से युवाओं का सशक्तीकरण आर्थिक आजादी का मार्ग

भोपाल । वेस्टीज में वित्तीय आजादी की राह प्रदर्शित करने और युवाओं के मार्गदर्शन के लिए विश्व युवा दिवस मनाया गया। इसे अतिरिक्त, प्रभावी वेब सीरीज वेस्टीज यंगप्रेन्योर्स में वेस्टीज से जुड़ी युवा प्रतिभाओं की प्रेरक कहानियां साझा की गईं। टियर 2 और टियर 3 शहरों पर फोकस करते हुए वेस्टीज के 70 प्रतिशत डिस्ट्रीब्यूटर इन्हीं शहरों से हैं, जो जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास को लेकर वेस्टीज के समर्पण को दर्शाता है। इनोवेटिव डिजिटल रणनीति को अपनाते हुए वेस्टीज प्रभावी तरीके से युवाओं को सशक्त कर रही है, उद्यमिता को प्रोत्साहन दे रही है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रही है। वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के एमडी श्री गौतम बाली ने कहा, आर्थिक आजादी से इनोवेशन, व्यक्तिगत प्रगति और उद्यमिता को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे देश के सतत विकास को गति मिलती है। वेस्टीज में हमारा लगातार प्रयास युवाओं को विकास के नए अवसर प्रदान करते हुए सशक्त करना एवं आर्थिक आजादी पाने में सक्षम बनाना है, जिससे भारत की आर्थिक नींव को मजबूती मिलेगी। युवा उद्यमियों को सशक्त करने की दिशा में वेस्टीज की प्रतिबद्धता उसके कई कदमों से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। एक देश के लिए आर्थिक आजादी बहुत महत्वपूर्ण है और इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है। व्यक्तिगत विकास के अलावा इससे राष्ट्र की समृद्धि को भी आकार मिलता है।

चीन की मुश्किलें और बढ़ीं, दिग्गज रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रांडे हुई दिवालिया

नई दिल्ली, एजेसी। आर्थिक सुस्ती से गुजर रहे चीन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीन की दिग्गज रियल एस्टेट कंपनी चाइना एवरग्रेंड ने अमेरिका के एक कोर्ट में बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया है। एवरग्रेंड दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज वाली रियल एस्टेट कंपनी है। इस कंपनी पर 330 अरब डॉलर का कर्ज है। कभी चीन की दूसरी सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी रही एवरग्रेंड ने भारी कर्ज लिया था और 2021 के अंत में कर्ज के भुगतान में डिफॉल्ट किया था। इसके साथ ही चीन में रियल एस्टेट का संकट का सिलसिला शुरू हो गया था। एवरग्रेंड की सहयोगी कंपनी तियानजी होल्डिंग्स ने भी बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने अमेरिका के बैंकरप्सी कोड के चैप्टर 15 के तहत प्रोटेक्शन मांगा है। इससे क्रेडिटर्स कंपनी के खिलाफ मुकदमा नहीं कर सकते हैं और न ही उसके एसेट्स को अटैच कर सकते हैं। चीन में 2021 के मध्य में रियल एस्टेट का संकट शुरू हुआ था और तबसे कई बड़ी कंपनियां डिफॉल्ट कर चुकी हैं। देश में होने वाली मकानों की कुल बिक्री में इन कंपनियों की 40 परसेंट हिस्सेदारी है। माना जा रहा है कि चीन का रियल एस्टेट सेक्टर का संकट दूसरे सेक्टर्स को भी अपनी चपेट में ले सकता है। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट डेवलपर कंट्री गार्डन की हालत भी दिनोंदिन खराब हो रही है। कंपनी ने इस महीने ब्याज के भुगतान में डिफॉल्ट किया है। इससे निवेशक काफी घबराए हुए हैं। रियल एस्टेट संकट के कारण चीन में कई हाउसिंग प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। एवरग्रेंड ने कहा है कि क्रेडिटर्स इस महीने रिस्ट्रक्चरिंग पर वोट कर सकते हैं। पिछले महीने कंपनी ने कहा था कि 2021 और 2022 में उसे कुल 81 अरब डॉलर का घाटा हुआ। इससे निवेशकों में खलबली मची हुई है।

ध्रुव कंसलटेंसी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 24 की प्रथम तिमाही में 102 प्रतिशत उछला, जबकि एबिटडा मार्जिन 1,534 बीपीएस बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। भारत की एक प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर कंसलटेंसी कंपनियों में से एक, ध्रुव कंसलटेंसी सर्विसेस लिमिटेड(बीएसई -541302 : एनएसई) ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम तिमाही केअनऑडिटेडवित्तीय परिणाम की घोषणा की है। इस अवसर पर बोलते हुए, ध्रुव कंसलटेंसीसर्विसेस लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर, श्रीमती तन्वी दंडवते औती ने कहा,हमने लाभप्रदता में मजबूत ग्रोथ के साथ वित्त वर्ष 24 की शुरुआत की । आमतौर पर आय के मोर्चे पर प्रथम तिमाही शांत है,लेकिन व्यूहनीतियां लागू होने से हमने लागत पर नियंत्रण किया जिससे एबिटडा मार्जिन में 1,500 बीपीएस की वृद्धि हुई । जिसके चलते समान अवधि की तुलना में शुद्ध लाभ दुगना हुआ । आज हमारे पास 270 करोड से अधिक की ऑर्डर बुक है,जो भविष्य के लिए जोरदार आय की उम्मीद देता है । हमारी श्रेष्ठ सेवाएं और समय पर परियोजनाओं के निष्पादन ने हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में एक पसंदीदा सेवा प्रदाता बनने मेंसमर्थ बनाया है । हमारा मानना है की ऑर्डर प्रवाह जारी रहेगा जबकि लागत पर हमारे सख्त नियंत्रण से हमारी लाभप्रदता बढ़ेगी ।
हम हमारे भावी ग्रोथ के बारे में बिल्कुल आशावादी हैं ।

ड्यूरोफ्लेक्स के नए विज्ञापन में विराट कोहली ने एक्टिव और लंबी जिंदगी के लिए बताए अच्छी और गहरी नींद के फायदे

इस कैम्पेन में ड्यूरोफ्लेक्स की डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई ऑर्थोपेडिक मैट्रेसेस की ड्यूरोपेडिक मैट्रेस रेंज को बढ़ावा देने के लिए स्टॉप मोशन का इस्तेमाल किया गया है

नई दिल्ली , एजेंसी। ड्यूरोफ्लेक्स, स्लीप सॉल्यूशंस प्रदान करने वाली भारत की प्रमुख कंपनी, ने अपनी नई विज्ञापन फिल्म जारी की है, जिसमें नेशनल ब्रांड एम्बेसडर, विराट कोहली उनके खास रिसर्च-आधारित मैट्रेसेस के बारे में बताते नजर आ रहे हैं। ऽतहद्गड्डह्लस्द्यद्गद्गश्चतहद्गड्डह्ल॥द्गड्डद्यह्लद्ध की थीम पर बने इस कैम्पेन में जीवन के किसी भी दौर में एक एक्टिव लाइफस्टाइल जीने के लिए अच्छी नींद की ताकत की वकालत की गई है। ड्यूरोफ्लेक्स का ऽतश्रश्रस्रस्द्यद्गद्गश्चतश्रश्रस्र॥द्गड्डद्यह्लद्ध पर इतना जोर देना, अपने ग्राहकों को गहरी नींद के समाधान देने के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विराट कोहली के नए टीवी विज्ञापन में एक रोचक और अनूठे तरीके को अपनाया गया है, जिसमें परफेक्शन के लिए फिल्म बनाने के लिए स्टॉप मोशन का इस्तेमाल किया गया है। जब कैमरा मैट्रेस के चारों ओर

घूमता है, कोहली का गूंजता हुआ वॉइसओवर, दर्शकों को सालों साल एक एक्टिव लाइफस्टाइल जीने के लिए प्रेरित करता है-चाहे हिमालय की चढ़ाई हो या फिर पड़ोस के बच्चों को बैडमिंटन के गेम में हराना हो। इसके साथ जो मैसेज जुड़ा है वह बिलकुल स्पष्ट है अच्छी सेहत और एक्टिव लाइफस्टाइल के लिए अच्छी नींद जरूरी है। यह स्टॉप मोशन टीवी विज्ञापन अपनी वास्तविकता से दिल खुश कर देता है। इतनी सहजता से अलग-अलग बैकग्राउंड का बदल जाना, जिसमें ट्रैकिंग, एक लाइव खेल का मैदान और शादी का हंसता-खिलखिलाता माहौल नजर आता है- इन सभी चीजों को बड़ी ही सटीकता के साथ मैट्रेस पर दिखाया गया है। हर बदलाव के साथ, कोहली बिलकुल तरोताजा, ड्यूरोफ्लेक्स मैट्रेस पर चैन की नींद लेते नजर आ रहे हैं। इसमें अच्छी नींद और बेहतरीन सेहत की खुशी को काफी अच्छी तरह मिलाया गया है।

इस कैम्पेन के बारे में, ड्यूरोफ्लेक्स के एम्बेसडर विराट कोहली कहते हैं, जब हम हेल्थ और फिटनेस की बात करते हैं तो सबसे जरूरी चीज इस बारे में नहीं होती है कि आप जिम में क्या करते हैं और आपने कितनी अच्छी ट्रेनिंग की, बल्कि यह हमेशा ही लाइफस्टाइल के बारे में होता है। जब भी लाइफस्टाइल की बात आती है तो सबसे जरूरी है, नींद। ट्रेनिंग और अच्छी डाइट का असर आपके शरीर पर तभी पड़ेगा, जब आप आठ घंटे की हेल्दी नींद लेते हैं। मैं वाकई बहुत अच्छी तरह और लंबे समय तक सोता हूं, इससे मुझे रिकवर होने में मदद मिलती है। यह फिजिकल के साथ-साथ मेंटल हेल्थ के लिए भी सबसे जरूरी चीज होती है।

महिंद्रा कंपनी पर लगा 14 लाख रूपए का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) पर उसकी एक पूर्ववर्ती इकाई द्वारा उत्पाद शुल्क से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में बदलाव के दौरान गलत इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) लेने के लिए 14.3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

यह आईटीसी पूर्ववर्ती महिंद्रा व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स लि. ने लिया था, जिसका बाद में महिंद्रा एंड महिंद्रा में विलय हो गया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा कानून और वकील की सलाह के आधार पर उसे उम्मीद है कि इस मामले में अपीलीय स्तर पर उसके पक्ष में फैसला आएगा। कंपनी को संयुक्त आयुक्त, सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, पुणे-एक आयुक्तालय से पूर्ववर्ती महिंद्रा व्हीकल लिमिटेड (एमवीएमएल) के संबंध में सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के लागू प्रावधानों के तहत 14,31,571 रुपए जुर्माने का आदेश मिला है।

कंपनी ने कहा कि यह आदेश उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में बदलाव के दौरान एमवीएमएल द्वार लिए गए गलत आईटीसी के लिए जारी किया गया है। प्राधिकरण ने इस राशि को ब्याज सहित वसूलने का निर्देश दिया है। यह आदेश 20 जुलाई, 2023 का है। कंपनी को यह आदेश 17 अगस्त, 2023 को प्राप्त हुआ।

अबु धाबी की कंपनी अदाणी समूह में 2.5 अरब डॉलर निवेश करने का बना रही प्लान, समूह के शेयर 9 प्रतिशत तक उछले

नई दिल्ली, एजेंसी। अबु धाबी नेशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) की ओर से भारत में खुद की उपस्थिति को दोगुना करने की खबरों के बीच अदाणी समूह की कंपनियों अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी पावर के शेयरों में शुक्रवार के कारोबार में मजबूती दिखी। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड यूटिलिटीज में से एक और अबू धाबी सिक्योरिटीज एक्सचेंज (एडीएक्स) में दूसरा सबसे बड़ा स्टॉक टीएक्यूए अदाणी ग्रुप की फर्मों या किसी एक इकाई में 1.5 से 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने का इच्छुक है। टीएक्यूए ऊर्जा और पानी का कारोबार करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी है, यह चार महादेशों के 11 देशों में अपना कारोबार करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार टीएक्यूए ने अदाणी समूह के फर्मों में 19.5 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की मौजूदा वैल्यू 91,660 करोड़ रुपये

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस की मौजूदा वैल्यू 91,660 करोड़ रुपये है, जिसमें प्रमोटर्स की 68.28 फीसदी हिस्सेदारी है। मौजूदा मूल्य पर करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का मतलब 18,240 करोड़ रुपये (2.19 अरब डॉलर) का निवेश होगा। गुरुवार को कंपनी का शेयर 821.70 रुपये पर बंद हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दोनों पक्ष एक रणनीतिक गठबंधन में प्रवेश करने और उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया में परियोजनाओं पर एक साथ काम करने पर विचार कर रहे हैं।

2005 में हुई थी अबु धाबी की कंपनी टीएक्यूए की स्थापना

2005 में स्थापित टीएक्यूए का बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण परिसंपत्तियों के साथ-साथ अपस्ट्रीम और मिडस्ट्रीम तेल और गैस संचालन में निवेश है। इसकी संपत्तियां संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कनाडा, घाना, भारत, इराक, मोरक्को, ओमान, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका में फैली हुई हैं।

अमेरिकी कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने भी अदाणी समूह में खरीदी हिस्सेदारी

भारतीय बिजली क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अदाणी के साथ साझेदारी करके टीएक्यूए इस तेजी से विकसित हो रहे बाजार में मजबूत आधार हासिल कर सकता है। बुधवार को अमेरिका स्थित निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने अन्य निवेशकों के साथ अदाणी पावर लिमिटेड में 8,710 करोड़ रुपये (1.1 अरब डॉलर) में 8.1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। शेयर बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि जीक्यूजी पार्टनर्स और अन्य निवेशकों ने 279.17 रुपये के औसत मूल्य पर ब्लॉक सौदे में अदाणी पावर के 31.2 करोड़ शेयर खरीदे।

अदाणी समूह के शेयरों में मजबूती

बीएसई पर थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार ये शेयर अदाणी परिवार की दो इकाइयों वर्ल्डवाइड इमर्जिंग मार्केट होल्डिंग और एफ्रो एशिया ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड से खरीदे गए। अदाणी समूह में टीएक्यूए के निवेश की खबरों के बाद शेयर बाजार में समूह की कंपनियों के भाव मजबूत हुए।

'दोस्त को वीडियो कॉल करें' कौन बनेगा करोड़पति डायल करता है शाओमी इंडिया

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन ब्रांड और एआईओटी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने भारत के सबसे प्रतिष्ठित टेलीविज़न शो- कौन बनेगा करोड़पति के साथ गठबंधन किया है, जो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होता है। शो के टेक्नॉलॉजी क्रोशेंट बढ़ाने वाले टेक्नॉलॉजी इंटीग्रेशन के साथ यह गठबंधन प्रतियोगियों को ''दोस्त को वीडियो कॉल करें'' लाईफलाईन लेने का एक नया तरीका पेश करेगा। कौन बनेगा करोड़पति के नए सीज़न में 'दोस्त को वीडियो कॉल करें' लाईफलाईन शाओमी की 5जी डिवाईसेज़ द्वारा पॉवर्ड होगी, जिनमें लेटेस्ट रेडमी 12 5जी शामिल है। यह लाईफलाईन प्रतियोगियों को गेम के दौरान वीडियो कॉल द्वारा अपने दोस्तों से कनेक्ट होने और निर्णय लेने में समर्थ बनाएगी। इस साझेदारी के बारे में श्री अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, ''कौन बनेगा करोड़पति सालों से भारतीय परिवारों का हिस्सा है।

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी। वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था।

इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिए गए दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिए गए थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाए गए थे। 'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), अनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है।

दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल तीन जनवरी से प्रभावी होगा और 5 दिसंबर 2022 को लिए गए पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी नतीजे हटा दिए जाएंगे। दुती के वकील पार्थ गोस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि यह खिलाड़ी अपने पूरे पेशेवर करियर में 'क्लीन एथलीट' (किसी भी डोपिंग से दूर) रही है और यह मामला इस पदार्थ के 'अनजाने में सेवन' करने का था।

दुती ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते थे और उनके नाम 2021 से 100 मीटर में 11.17 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। गोस्वामी ने कहा, 'हमारे लिए यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान पाए जो पूरी तरह से उनके इरादे का ठोस सबूत है। इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा, 'हम अपील दायर करने की

प्रक्रिया में हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपीलीय पैनल को यह बात समझाने में सफल रहेंगे। दुती के वकील ने कहा, 'दुती भारत का गौरव हैं और वह पूरी तरह से 'क्लीन एथलीट' हैं। एक दशक के चमकदार करियर के दौरान दुती अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई डोप जांच से गुजर चुकी हैं और इतने लंबे करियर में वह कभी भी डोप के मामले में पॉजिटिव नहीं आईं।

दुती और उनके वकील ने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्म पैनल (एडीडीपी) के समक्ष भी दावा पेश किया था कि यह अनजाने में सेवन का मामला था। एडीडीपी के आदेश के अनुसार, 'एथलीट और उनके वकील ने एनडीटीएल (राष्ट्रीय डोप जांच प्रयोगशाला) के जांच के नतीजे की रिपोर्ट से इनकार किए बिना कहा कि उन्होंने यह पदार्थ अनजाने में लिया था जो उनके फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह पर लिया गया था जिनसे यह एथलीट नियमित रूप से परामर्श लेती हैं।

इसमें कहा गया, 'एथलीट और उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि यह फिजियोथेरेपिस्ट पुलेला गोपीचंद अकादमी का था जहां यह खिलाड़ी विशेष अनुमति के अंतर्गत ट्रेनिंग ले रही थीं। दुती के वकील ने यह भी प्रस्तुत किया कि यह खिलाड़ी 'हाइपरएंड्रोजनिक' से पीड़ित थी जिसके कारण उनके 'पेट में काफी तेज दर्द' था जिसके लिए ही यह उपचार किया गया था। एडीडीपी ने कहा कि एथलीट ने दवाई खरीदने के लिए अपने दोस्त की मदद ली जो इस मामले में गवाह भी हैं।

एडीडीपी के आदेश में कहा गया, 'गवाह ने बयान देने से पहले वो हलफनामा भी प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया है कि वह खुद दुकान पर 'हार्मोन असंतुलन' के इस सप्लीमेंट को लेने गए थे लेकिन इसके विपरीत गवाह से पूछताछ में उसने खुद इस सप्लीमेंट को खरीदने की बात से इनकार किया लेकिन यह काम अपने मैनेजर को दे देने की बात कही। इसके अनुसार, 'एडीडीपी के सुपुर्द किए गए दस्तावेज में दिए तथ्य और गवाह से पूछताछ में स्पष्ट विरोधाभास दिखता है इसलिए गवाह द्वारा दिए गए बयानों की विश्वसनीयता में वैध चिंताएं उठ रही हैं।

वापसी के लिए चोटिल स्मिथ और स्टार्क की निगाहें भारत में वनडे श्रृंखला पर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के चोटिल स्टीव स्मिथ और मिशेल स्टार्क दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पायेंगे लेकिन उनके विश्व कप से पहले भारत में होने वाली वनडे श्रृंखला के लिए फिट होने की उम्मीद है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इंग्लैंड में एशेज के दौरान हुए कलाई के फ्रेक्चर से उबर रहे हैं जबकि स्मिथ भी बायीं कलाई की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह चार हफ्तों तक खेल से दूर रहे थे। दोनों 30 अगस्त से तीन सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय में नहीं खेल पायेंगे जिसके बाद सात से 17 सितंबर तक पांच वनडे की श्रृंखला होगी।

ये दोनों 22 सितंबर से भारत के खिलाफ शुरु होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में बायें हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क के साथ वापसी करेंगे जोद्व दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम में नहीं हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में मिशेल मार्श दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कप्तान होंगे। पांच मैचों की वनडे श्रृंखला में भी वह यही जिम्मेदारी उठाएंगे। भारत के खिलाफ तीन वनडे 22, 24 और 27 सितंबर को क्रमशः मोहाली, इंदौर और राजकोट में खेले जाएंगे। पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे विश्व कप की तैयारी के लिए यह श्रृंखला अहम होगी।

वीजा रद्द करने के बाद इंटरव्यू के लिए बुलाया

जेना के विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेने की उम्मीद जगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना का एक महीने का वीजा हंगरी के दूतावास द्वारा रद्द किए जाने के एक दिन बाद इस भारतीय खिलाड़ी को शुक्रवार को दोबारा वीजा साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है जिससे इस 27 वर्षीय खिलाड़ी के बुडापेस्ट में आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने की उम्मीद जगी है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने गुरुवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा, 'सभी को धन्यवाद। भाला फेंक के खिलाड़ी किशोर कुमार जेना को हंगरी दूतावास से वीजा साक्षात्कार के लिए कल सुबह नौ बजे का समय मिला है।ज ओडिशा के इस खिलाड़ी का वीजा हंगरी दूतावास ने बुधवार के रद्द कर दिया था जिससे उनके 19 से 27 अगस्त तक होने वाली प्रतिष्ठित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पर सवालिया निशान लग गया था।

जेना का वीजा रद्द होने के बाद साथी भाला फेंक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को वीजा मुद्दे को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की जिससे कि यह खिलाड़ी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा पेश कर सके। अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर नीरज ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से 'समाधान खोजने' का आग्रह कि या।

नीरज ने विदेश मंत्रालय और जयशंकर को टैग करते हुए पोस्ट किया, 'अभी सुना है कि किशोर जेना के वीजा के साथ कुछ समस्याएं हैं जो उन्हें विश्व चैंपियनशिप के लिए हंगरी में प्रवेश करने से रोक रही हैं। मुझे उम्मीद है कि अधिकारी कोई समाधान ढूंढने में सक्षम होंगे क्योंकि यह उसके करियर के सबसे बड़े लम्हों में से एक है। आइए वह सब कुछ करें जो हम कर सकते हैं।

जेना ने विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाई है। उन्होंने 30 जुलाई को श्रीलंकाई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 84.38 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता था। तीस जुलाई को क्वालिफिकेशन अवधि पूरी होने के बाद विश्व एथलेटिक्स द्वारा अपडेट की गई 'रोड टू बुडापेस्ट' सूची में 36वें स्थान पर रहने के बाद जेना ने इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया था।

यह 27 वर्षीय खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाले चार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ियों में से एक है। डीपी मनु और रोहित यादव ने भी क्वालीफाई किया था। रोहित हालांकि बाद में कोहनी की सर्जरी के कारण बाहर हो गए। जून में राष्ट्रीय अंतर राज्यीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले जेना और मनु 28 सदस्यीय टीम में शामिल दो खिलाड़ी हैं जो अब तक बुडापेस्ट नहीं पहुंचे हैं।

विश्व कप 2023 पर माइक हसी बोले-

ऑस्ट्रेलियाई अभियान में एडम जंपा व मिशेल मार्श की भूमिका महत्वपूर्ण होगी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइक हसी का मानना ??है कि स्पिनर एडम जंपा और ऑलराउंडर मिशेल मार्श इस साल के आखिर में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। लेग स्पिनर जंपा को 2016 में ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम में चुना गया था। उसके बाद से उन्होंने अब तक 79 वनडे मैचों में 131 विकेट लिए हैं।

भारत में परिस्थितियां स्पिनरों के अनुकूल होने की संभावना है और ऐसे में हसी को लगता है जंपा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। हसी ने शुक्रवार को कहा, 'एडम जंपा ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पूरे टूर्नामेंट में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने वास्तव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने इसके साथ ही कहा कि मार्श जिस आत्मविश्वास के साथ खेलते हैं उसे देखते हुए वह इस टूर्नामेंट में अपना बहुत प्रभाव छोड़ सकते हैं। हसी ने कहा, 'और मुझे लगता है कि मिशेल मार्श ऐसा खिलाड़ी है जो निश्चित तौर पर बड़ा प्रभाव छोड़ सकता है। उसे बहुत बड़ी भूमिका सौंपी गई है। वह अब शीर्ष तीन में बल्लेबाजी करता है और वह जबरदस्त आत्मविश्वास के साथ खेल रहा है और अगर वह अपना आत्मविश्वास बढ़ाता है तो फिर उसे रोकना बहुत मुश्किल होगा।

हसी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को खिताब जीतने के लिए स्टीव स्मिथ जैसे सीनियर खिलाड़ियों से भी अच्छे प्रदर्शन की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'आप विश्वकप जीतने के लिए एक या दो खिलाड़ियों के भरोसे ही नहीं रह सकते हैं। इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया को भी अपने सीनियर खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की जरूरत पड़ेगी। जब आप इस बारे में सोचते हैं तो मुझे लगता है किआप स्टीव स्मिथ और पैट कमिंस के बारे में सोचते हैं। हसी ने कहा, 'मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के पास बहुत अच्छा मौका है क्योंकि उसने पिछले कुछ समय से खिलाड़ियों के एक बड़े समूह को तैयार कर रखा है। वे अपनी भूमिका अच्छी तरह से समझते हैं।

विश्व कप को लेकर बोले शास्त्री

मध्यक्रम में युवराज-रैना जैसा खिलाड़ी चाहता हूं तो उस पर विचार करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री और संदीप पाटिल ने शुक्रवार को प्रतिभाशाली तिलक वर्मा को वनडे विश्वकप के लिए भारतीय टीम के मध्यक्रम में शामिल करने की वकालत की। विश्वकप का आयोजन 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत में किया जाएगा। शास्त्री ने कहा कि 20 वर्षीय वर्मा को टीम में शामिल करने से फायदा होगा क्योंकि वह बाएं हाथ का बल्लेबाज है।

उन्होंने कहां, 'मैं तिलक वर्मा के प्रदर्शन से बेहद प्रभावित हूं और मैं मध्यक्रम में बाएं हाथ का बल्लेबाज चाहता हूं। अगर मैं मध्यक्रम में युवराज सिंह और सुरेश रैना जैसा खिलाड़ी चाहता हूं तो मैं निश्चित तौर पर उसके (तिलक वर्मा) नाम पर विचार करूंगा। शास्त्री ने कहा, 'संदीप पाटिल और एमएसके प्रसाद चयनकर्ता रहे हैं और अगर मैं अपने पैनल के साथ चयनकर्ता होता तो फिर मैं वर्तमान फॉर्म को तवज्जो देता और यह देखता कि वह कैसे रन बना रहा है।

वर्मा ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पदार्पण श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। शास्त्री के 1983 के विश्वकप विजेता टीम के साथी पाटिल ने भी वर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को भी टीम में रखने की वकालत की। पाटिल ने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव को टीम में रखना चाहूंगा। अंतिम एकादश में कौन शामिल होगा यह फैसला विरोधी टीम को देखकर किया जा सकता है लेकिन तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव दोनों मेरी टीम में होंगे।

अमेरिकी ओपन में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होगी एक समान गेंद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में इस साल पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए एक समान गेंद का उपयोग किया जाएगा जो उन महिला खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है जिन्होंने पिछले साल उपयोग में लाई गई गेंद को घटिया करार दिया था।

विश्व में नंबर एक खिलाड़ी और पिछले साल की चैंपियन इगा स्वियातेक उन महिला खिलाड़ियों में शामिल थी जिन्होंने महिला वर्ग में उपयोग लाई जा रही गेंद को पुरुष वर्ग की गेंद की तुलना में हल्का करार दिया था। अमेरिकी ओपन चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अकेला टूर्नामेंट है जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के लिए अलग-अलग गेंदों का उपयोग किया जाता रहा है।

अमेरिकी ओपन की टूर्नामेंट निदेशक स्टेसी एलास्टर ने पिछले साल कुछ खिलाड़ियों से उनकी राय जानी थी। इन खिलाड़ियों ने हल्की गेंद के बजाय भारी गेंद का समर्थन किया था। वर्ष का यह आखिरी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट पर खेला जाता है और टेनिस की गेंद बनाने वाले विल्सन के अनुसार इस तरह के कोर्ट के लिए भारी गेंद आदर्श होती है।

एलास्टर ने कहा, 'अगर डब्ल्यूटीए गेंद में बदलाव चाहता है तो फिर हमें कोई परेशानी नहीं है। विल्सन महिलाओं के लिए भी वैसी गेंद तैयार करेगा जैसा डब्ल्यूटीए चाहता है। इसमें कोई अतिरिक्त लागत नहीं लगेगी।

विश्व चैम्पियनशिप से पहले बोले नीरज चोपड़ा

90 मीटर की दूरी पार करने के करीब हूं

बुडापेस्ट (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी और ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा पिछले कुछ समय से 90 मीटर की दूरी पार करने का प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह यह लक्ष्य हासिल करने के करीब हैं और उन्हें इसके लिए केवल अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत है। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले साल 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंकने के बेहद करीब पहुंच गए थे। तब उन्होंने स्टॉकहोम में डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर भाला फेंका था।

चोपड़ा ने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं इस लक्ष्य के करीब हूं। मुझे बस एक अच्छे दिन की जरूरत है जिसमें मौसम की परिस्थितियां अनुकूल हों। मुझे विश्वास है कि मैं यह लक्ष्य हासिल करने में सफल रहूंगा। यह स्टार खिलाड़ी यहां विश्व चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेगा। उन्होंने कहा कि वह उनसे लगाई जा रही उम्मीदों से निपटने के आदी हो चुके हैं। चोपड़ा ने कहा, 'मैं दबाव झेलने का आदी हो चुका हूं। हालांकि जब मैं हर दो या चार साल में होने वाली प्रतियोगिताओं (जैसे विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक) भाग लेता हूं तो

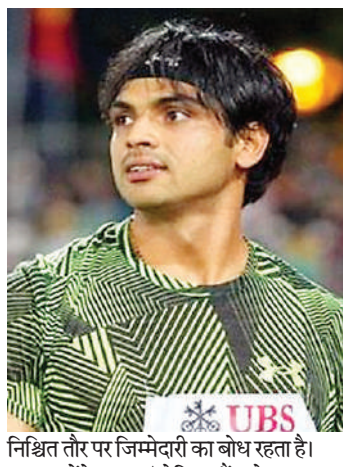

निश्चित तौर पर जिम्मेदारी का बोध रहता है।

उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं हमेशा अपना शत-प्रतिशत देता हूं और अपने प्रदर्शन पर पूरा ध्यान लगाता हूं। पहले कुछ चीजें मुझ पर हावी हो जाती थी लेकिन धीरे-धीरे मुझे इनकी आदत पड़ गई। चोपड़ा ने 30 जून को 87.66 मीटर भाला फेंक कर लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित डायमंड लीग का खिताब जीता था लेकिन वह अभी तक 90 मीटर की दूरी तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रतियोगिताओं में भाग लेना और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है। इस साल के शुरू में मैं बहुत अच्छी तरह से तैयार था लेकिन इसके बाद मैं चोटिल हो गया जिसके कारण मुझे कुछ प्रतियोगिताओं से हटना पड़ा। चोटिल होने के कारण एक महीने तक बाहर रहने वाले चोपड़ा ने कहा, 'इसके बाद मैंने लुसाने डायमंड लीग में वापसी की जहां मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद से सब कुछ अच्छा हो रहा है तथा मैं अपने प्रदर्शन और अभ्यास से खुश हूं।

उन्होंने कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार होना है क्योंकि विश्व चैंपियनशिप करीब है और मैं उसमें अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। चोपड़ा ने कहा, 'मैं अपने दिमाग में किसी खास दूरी या पदक को लक्ष्य लेकर नहीं जा रहा हूं। मैं नहीं चाहता कि जब मैं वहां प्रतिस्पर्धा में भाग लूं तो मेरे दिमाग में चोट का डर या कोई अन्य चीज रहे। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं और अगर ऐसा होता है तो मैं पहले से बेहतर प्रदर्शन के साथ वापस लौटूंगा।

पाक के खिलाफ अपनी धांसू पारी पर बोले विराट कोहली

यह माहौल कहीं और नहीं मिल सकता

बेंगलूर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब श्रीलंका में एशिया कप 2023 के तहत पाकिस्तान से भिड़ेगी। दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय मुकाबले नहीं खेलतीं। इसलिए, मल्टी-टीम इवेंट ही एकमात्र मौका है जब क्रिकेट फैंस इन टीमों को एक साथ मैदान पर देखते हैं। इस बार एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 भिड़ंत हो सकती है, जिसमें पहली भिड़ंत 2 सितंबर को होगी। भारत पाक के बीच होने वाले मुकाबलों में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की प्रमुख भूमिका रही है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ कई यादगार पारियां खेली हैं। खास तौर पर पिछले साल टी विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली पारी उनकी सबसे यादगार पारी है।

विराट कोहली ने एक प्रोग्राम के दौरान अपनी इस पारी के बारे में बात की ओर कहा कि कैसे वास्तव में माहौल अलग हो जाता है। विराट ने कहा कि मैं इस तथ्य से भाग नहीं सकता कि बाहर का माहौल अन्य खेलों से बहुत अलग है। इसे आप नजरअंदाज नहीं कर सकते। एक खिलाड़ी के रूप में जब आप मैदान पर कदम रखते हैं तो यह बहुत अलग होता है। बाहर का वातावरण आपको अंदर खींच सकता है। यह आपके लिए आनंद लेने और उत्साहित होने के लिए है। फिर यह सामान्य बात है। भारत बनाम पाक मैच का जहां क्रिकेट जगत बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना ??है कि हाल के दिनों में प्रतिद्वंद्विता का स्तर खराब हुआ है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के इन सितारों को मिली सकती है क्रिकेट विश्व कप 2023 में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले अंडर19 विश्व कप के दो सितारे तिलक वर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस उन कुछ युवा खिलाड़ियों में से हैं जो 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तिलक वर्मा की दूसरी गेंद को डीप स्क्वायर पर भेजा। अगली बार जब इस निडर किशोर का सामना तेजतर्रार अल्जारी जोसेफ से हुआ तो उसने फिर से ऐसा ही किया। अपनी पहली टी20आई श्रृंखला समाप्त करने के बाद तिलक को पहले से ही भारत की विश्व कप टीम में जगह देने पर विचार किया जा रहा है, उन्होंने पांच मैचों में 140 से अधिक की स्ट्राइक रेट के साथ 173 रन बनाए हैं और अत्यधिक परिपक्वता और संयम का परिचय दिया है।

रवि शास्त्री ने कहा कि वह तिलक से बहुत, बहुत प्रभावित थे। शास्त्री ने कहा, अगर मैं एक बाएं हाथ के बल्लेबाज की तलाश में हूं, तो मैं वास्तव में उस दिशा में देखूंगा।ज 2020 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दक्षिणपूर्वी खिलाड़ी ने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है, लेकिन वह ऐसा कर सकते हैं। यह अगले महीने ही होगा जब भारत एशिया कप के लिए पाकिस्तान और श्रीलंका में खेलेगा। तिलक ने 23 युवा एकदिवसीय मैचों की 19 पारियों में एक शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 38 से अधिक की औसत से 661 रन बनाए हैं।

मुंबई इंडियंस (एमआई) में उनके फ्रेंचाइजी पार्टनर और करीबी दोस्त दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस जो एबी डिविलियर्स से मिलती-जुलती बल्लेबाजी शैली के कारण बेबी एबी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में प्रोटियाज के लिए खेल सकते हैं। हालांकि ब्रेविस ने अभी तक दक्षिण अफ्रीका के लिए पदार्पण नहीं

किया है, लेकिन पेशेवर और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनकी प्रभावशाली शुरुआत से पता चलता है कि विश्व कप में जगह बनाना पूरी तरह से सवाल से बाहर नहीं है। युवा खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि वह अपनी बल्लेबाजी शैली को बेहतर बनाने के लिए संन्यास ले चुके दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज के इंस्टाग्राम वीडियो का उपयोग करता है।

दूसरी ओर ब्रेविस ने अपना खुद का व्यक्तित्व बनाया है, भले ही उनकी शैली डिविलियर्स के समान हो। एक साल पहले, ब्रेविस नाम के एक किशोर का इतिहास के सर्वश्रेष्ठ अंडर-19 विश्व कप अभियानों में से एक था। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने अंडर-19 विश्व कप के दौरान छह मैचों में 506 रन बनाए, जो एक टूर्नामेंट में किसी भी बल्लेबाज द्वारा दो शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ सबसे अधिक है। आगामी विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका के पास एक मजबूत बल्लेबाजी समूह है, लेकिन ब्रेविस शानदार घरेलू रिकॉर्ड का मतलब है कि वह सीधे प्रीमियर चैंपियनशिप तक पहुंचने के सपने से सिर्फ एक शानदार डेब्यू सीरीज दूर हैं।

ब्रेविस 2022 अंडर19 विश्व कप के उन कुछ खिलाड़ियों में से एक हैं जो पहले से ही सीनियर राष्ट्रीय टीम के रडार पर हैं, तिलक के कई समकालीन या तो सीनियर टीम में हैं या उन्हें भविष्य के रूप में देखा जाता है। समूह के सबसे प्रसिद्ध नसीम शाह (आठ मैचों में 23 एकदिवसीय विकेट) का विश्व कप खेलना लगभग तय है। अफगानिस्तान की वनडे तैयारियों में इब्राहिम जादरान (14 मैचों में 62.41 की औसत से चार शतक, दो अर्द्धशतक के साथ 749 वनडे रन), नूर अहमद (दो वनडे विकेट) और फजलहक फारूकी (16 मैचों में 27 वनडे विकेट) शामिल हैं जबकि श्रीलंका की सीमित- ओवरों के सेटअप में मथीशा पथिराना (चार मैचों में चार वनडे विकेट) शामिल हैं।

दिलशान मदुशंका (छह एकदिवसीय मैचों में 10 विकेट) जो सीडब्ल्यूसी23 क्वालीफायर के दौरान घायल हो गए थे, एक्शन में वापस आ गए हैं और इस आयोजन के लिए श्रीलंका के तेज गेंदबाजी विभाग के एक महत्वपूर्ण सदस्य हो सकते हैं। लेग स्पिनर तनवीर संघा ने 2020 19 विश्व कप में छह मैचों में 15 विकेट लिए थे, ऑस्ट्रेलिया के अनंतिम विश्व कप रोस्टर में एक आश्चर्यजनक समावेश था। शोरफुल इस्लाम ने 2020 में बांग्लादेश के खिताब जीतने वाले 19 चैंपियनशिप अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, के भी विश्व कप में शामिल होने की उम्मीद है।

तिलक के साथी यशस्वी जयसवाल (133.33 पर 400 रन) और रवि बिश्नोई (10.64 पर 17 विकेट) 2020 के आयोजन में भारत के असाधारण प्रदर्शनकर्ता थे, क्रमशः रन चार्ट और गेंदबाजी तालिका में शीर्ष पर रहे और पहले से ही अन्य रूपों में भारत के लिए पदार्पण कर चुके हैं।

राजस्थान भाजपा की परिवर्तन यात्रा की दो सितंबर से होगी शुरुआत

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत 2 सितंबर से शुरू होने जा रही है। लेकिन परिवर्तन यात्रा की खास बात यह है कि बीजेपी इस बार किसी एक चेहरे को आगे करके यात्रा नहीं निकालेगी। परिवर्तन यात्रा में वसुंधरा राजे की भूमिका फिलहाल तय नहीं है। अलग-अलग दिशाओं में निकाली जाने वाली इन यात्राओं में अलग-अलग चेहरे को जिम्मेदारी दी जाएगी। गुरुवार को भाजपा मुख्यालय पर कोर ग्रुप की बैठक में इन परिवर्तन यात्रा को लेकर मंथन हुआ। 4 दिशाओं से एक साथ परिवर्तन यात्राएं निकाली जाएंगी।

चारों दिशाओं से परिवर्तन यात्रा= बीजेपी की ओर से प्रदेश की चारों दिशाओं से परिवर्तन यात्रा निकाली जाएगी। 2 सितंबर से शुरुआत होने वाली यात्राएं 25 सितंबर

तक कमोबेश सभी विधानसभा में होकर जयपुर पहुंचेंगी। बताया जा रहा है कि यात्राओं के समापन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद रहेंगे। यात्राओं का समापन राजधानी जयपुर में एक विशाल सभा के जरिए किया जाएगा। इन यात्राओं में सभी केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायक शामिल होंगे। इसके साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधी भी इन यात्राओं में शामिल रहेंगे।

2 सितंबर से गोगामेड़ी, त्रिनेत्र गणेश, बेणेश्वर धाम और रामदेवरा से यात्राएं एक साथ शुरू होंगी। इस यात्रा के रोडमैप को लेकर कोर ग्रुप की बैठक में चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि यात्राओं की जिम्मेदारी देने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में ये निर्णय नहीं हो सका कि किस दिशा में कौनसा नेता यात्रा का जिम्मा संभालेगा। माना जा रहा है कि ये निर्णय केंद्रीय नेतृत्व करेगा। जानकारों की मानें तो केंद्रीय नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखवात, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी में से जिम्मेदारी देने पर विचार कर रहा है। कोर ग्रुप की बैठक में आगामी दिनों में होने वाले केंद्रीय नेताओं के दौरे पर भी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में या सितंबर के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोधपुर और नागौर में सभा कर सकते हैं। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भरतपुर और कोटा संभाग में चुनावी सभा कर सकते हैं। इसके साथ ही बैठक में आने वाले दिनों में केंद्रीय नेताओं की दोरों को लेकर भी चर्चा हुई।

बीरेन सिंह को मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में कमांडो भेजने से रोकें, कुकी विधायकों की अमित शाह से अपील

इंफाल, एजेंसी।
सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सात विधायकों सहित मणिपुर के 10 कुकी विधायकों ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया कि वह राज्य सरकार को मणिपुर पुलिस कमांडो को उन पहाड़ी जिलों में न भेजने का निर्देश दें जहां कुकी जनजाति के लोग अधिक संख्या में रहते हैं। इससे ठीक एक दिन पहले 10 विधायकों के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें पांच पहाड़ी जिलों के लिए मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के समान पदों की व्यवस्था करने की मांग की गई थी। आपको बता दें कि ये वही जिलें हैं, जहां कुकी समुदाय के लोग रहते हैं।

विधायकों द्वारा अमित शाह को लिखे गए पत्र में कहा गया है, राज्य

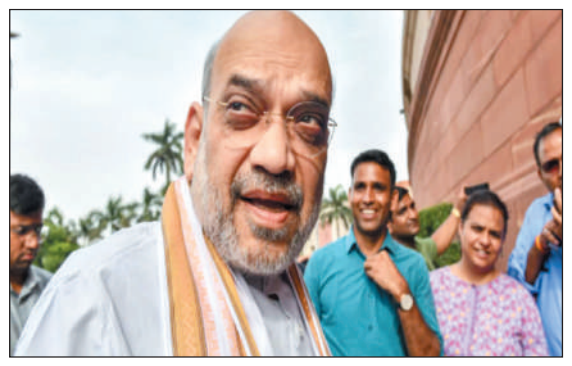

सरकार हमारे लोगों की इच्छाओं के खिलाफ पहाड़ी सीमावर्ती शहर मोरेह में राज्य कमांडो इकाई की टुकड़ियों को भेजने की कोशिश कर रही है। उनकी पक्षपातपूर्ण साख के कारण लोग इससे भयभीत हैं।

आपको बता दें कि मोरेह म्यांमार सीमा के करीब है। यहां कुकी बहुसंख्यक हैं। पिछले महीने से कुकी समुदाय के लोग सीमावर्ती शहर में अतिरिक्त बलों को तैनात करने के एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पत्र में आगे कहा गया है, इसलिए हम आपसे हस्तक्षेप करने और राज्य सरकार को पहाड़ी इलाकों में राज्य पुलिस कमांडो को जबरन तैनात करने की कोशिश करने से रोकने का अनुरोध करते हैं। विधायकों ने कहा कि हम एनएच2 पर से नाकाबंदी हटाने के अमित शाह के अनुरोध पर सहमत हो गए हैं, लेकिन मैतेई समुदाय के लोगों ने सड़कों को अवरुद्ध करना जारी रखा है। इसके कारण चुराचांदपुर, चंदेल और टेंग्नौपाल जिलों के पहाड़ी इलाकों में आवश्यक वस्तुओं और दवाओं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इन्होंने राज्य सरकार पर इन अवरोधों को हटाने में विफल रहने का आरोप लगाया है। 16 अगस्त को कांगपोकपी जिले में स्थित कुकी संगठन आदिवासी एकता समिति (सीओटीयू) ने केंद्र सरकार को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया था। एनएच 2 और एनएच 37 को अवरुद्ध करने की धमकी दी गई थी।

सचिन को लप्पू कहने वाली पड़ोसन मिथिलेश भाटी के सपोर्ट में आए दिल्ली-नोएडा के 10 वकील

नई दिल्ली, एजेंसी।
पाकिस्तानी भाभी सीमा हैदर और ग्रेटर नोएडा के सचिन मीणा के साथ इन दिनों मिथिलेश भाटी भी सुर्खियों में हैं। ये महिला सचिन को लप्पू और झींगुर कहने को लेकर चर्चा बटोरी थी। उनके इस बयान का वीडियो काफी वायरल हुआ था। हालांकि, इसे बॉडी शेमिंग से भी जोड़ा गया। अब इसी मामले में कई संगठन मिथिलेश के समर्थन में आए हैं। हिंदू संगठन सीमा को वापस पाकिस्तान भेजने की मांग कर रहे हैं। समर्थन के इसी क्रम में दिल्ली हाईकोर्ट और गौतमबुद्धनगर जिला कोर्ट के 10 वकीलों की टीम रबूपुरा पहुंची। वकीलों का कहना है कि अगर मिथिलेश को कोई नोटिस भेजा जाता है तो वो फ्री में उनका केस लड़ेंगे। वकीलों ने कहा सचिन-सीमा के वकील एपी सिंह लड़वाने की कोशिश कर रहे हैं।

मिथिलेश भाटी के वक़ील रजनीश यादव ने कहा कि अभी हमें कोई नोटिस एपी सिंह की तरफ़ से नहीं मिला है। लेकिन यदि कोई नोटिस मिलेगा तो 24 घंटे में हम उसका जवाब देंगे। वहीं, एपी सिंह ने इन महिलाओं को लेकर जो बोला है उसकी रिकॉर्डिंग भी हमारे पास है। वकील रजनीश यादव ने कहा कि हमने इस पूरे मामले को समझा है और आज हमने सचिन मीणा की पड़ोसन मिथिलेश भाटी से मुलाकात भी की है। उन्होंने सारी बातें खुलकर बताई हैं। अब नोएडा जिला कोर्ट से 5 वकीलों की टीम उनकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहेगी।

वर्ष 2019 में पबजी खेलते-खेलते सीमा की दोस्ती रबुपूरा निवासी सचिन मीणा से हुई। सीमा और सचिन की 10 मार्च 2023 को नेपाल में मुलाकात हुई। सीमा 13 मई को पाकिस्तान से दुबई होते हुए एक बार फिर नेपाल आई और वहां से बस पकड़कर रबुपूरा पहुंची। उसके साथ उसके चार बच्चे भी थे। पुलिस ने चार जुलाई को सीमा, सचिन और सचिन के पिता को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय से आठ जुलाई को जमानत मिल गई।

बघेल के खिलाफ बघेल, छत्तीसगढ़ में फिर होगा चाचा-भतीजे का दिलचस्प मुकाबला

रायपुर, एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। चुनाव के ऐलान से पहले भाजपा ने उम्मीदवारों का ऐलान करके उन्हें बेहतर तैयारी का मौका दिया है। नवंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए इन उम्मीदवारों के नाम पर मुहर केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में लगाई की थी, जिसमें पीएम मोदी भी मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनने की कोशिश में जुटी भाजपा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ उनके भतीजे विजय बघेल को उतारकर मुकाबले को दिलचस्प बना दिया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन सीट से विधायक हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा उम्मीदवार मोतीलाल साहू को करारी हार दी थी। इस बार भाजपा ने उनके खिलाफ विजय बघेल को टिकट दिया है। चाचा भूपेश से कट्टर प्रतिद्वंद्विता रखने वाले विजय बघेल अभी दुर्ग सीट से भाजपा के सांसद हैं। भूपेश की तरह विजय की भी गिनती छत्तीसगढ़ के दिग्गज नेताओं में होती है। ऐसे में पाटन सीट पर इस बार बेहद दिलचस्प

मुकाबला होने जा रहा है। चाचा भूपेश और भतीजे विजय के बीच पाटन में पहले भी दो बार मुकाबला हो चुका है। दोनों एक दूसरे को एक-एक बार मात दे चुके हैं। 2008 के विधानसभा चुनाव में विजय बघेल ने चाचा भूपेश बघेल को मात दी थी। पांच साल बाद 2013 में भूपेश ने विजय को हराया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने विजय को टिकट नहीं दिया था। 2019 में उन्हें दुर्ग लोकसभा सीट से टिकट दिया गया और वह कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिमा चंद्राकर को भारी मतों से हराकर सांसद बने।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस बार विधानसभा चुनाव में पाटन सीट से विजय बघेल को भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने से सीएम भूपेश बघेल के लिए मुश्किलें खड़ी करने वाली होगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सीएम भूपेश बघेल ही सीएम का फेस है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में भी उनका नाम है। ऐसे में अगर वे पाटन विधानसभा छोड़कर दूसरे विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। बता दें कि पाटन में ओबीसी वर्ग के सबसे ज्यादा वोटर हैं। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सीएम भूपेश बघेल को टक्कर देने के लिए भाजपा के पास दूसरा कोई विकल्प भी नहीं है। विजय बघेल स्थानीय हैं। दूसरा वर्तमान में वे दुर्ग जिले से सांसद हैं। वह पहले भी इस क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने के दौरान उन्होंने भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों के लिए मुश्किलें खड़ी कर चुके हैं। वहीं सीएम भूपेश बघेल को दूसरे विधानसभा में प्रचार से रोकने के लिए सांसद विजय बघेल को पाटन उतारने की बातें भी हो रही है। भाजपा के पाटन से उम्मीदवार विजय बघेल नगर पालिका परिषद भिलाई-चरौदा के पालिकाध्यक्ष भी रह चुके हैं। भिलाई-चरौदा अब नगर निगम बन चुका है। विजय बघेल ने यहां निर्दलीय चुनाव लड़ा था और कांग्रेस-भाजपा के उम्मीदवारों को एकतरफा धुल चटाई थी। वे 5 वर्षों तक नगर पालिका परिषद भिलाई-चरौदा का अध्यक्ष रहे। यह इलाका मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के गृह है। भिलाई-3 में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का निवास स्थान है।

इतनी जोर से मारा थप्पड़ कि पटरी पर जा गिरा शख्स, ऊपर से गुजर गई ट्रेन, दर्दनाक मौत

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। बहस के दौरान एक शख्स ने दूसरे शख्स के चेहरे पर इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उसका संतुलन बिगड़ गया और वह रेलवे स्टेशन की पटरियों पर गिर पड़ा। उसने वापस ऊपर चढ़ने की पूरी कोशिश की, लेकिन चढ़ नहीं पाया और सामने से आ रही ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई। यह रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो अब वायरल हो रहा है। मृतक की उम्र 26 वर्ष थी। रविवार को हुई यह घटना रात करीब 9:15 बजे सायन स्टेशन की है। पीड़ित की पहचान दिनेश राठौड़ के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र राज्य परिवहन (एसटी) निगम में कार्यरत था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 35 वर्षीय अविनाश माने और 31 वर्षीय उसकी पत्नी शीतल माने सायन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरे थे। वे पूर्वी मुंबई के उपनगर मानखुर्द जाने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने कहा कि शीतल माने को कथित तौर पर मृतक दिनेश राठौड़ ने धक्का दिया था। इसी को लेकर दोनों के बीच बहस छिड़ गई।

टीबी का तो इलाज पहले ही करा चुके, के कविता के करीबी की जमानत याचिका रद्द कर कोर्ट ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत का अनुरोध करने वाले हैदराबाद के कारोबारी अरुण रामचंद्र पिल्लई के आवेदन को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इसमें विचार योग्य तथ्य नहीं हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले में दाखिल अपने आरोप पत्र में दावा किया था कि पिल्लई भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के. कविता के करीबी सहयोगी थे। कविता तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। न्यायाधीश ने तपेदिक (टीबी) सहित कई बीमारियों का हवाला देते हुए चिकित्सा आधार पर राहत का अनुरोध करने वाली पिल्लई की अर्जी खारिज कर दी। न्यायाधीश ने कहा कि पिल्लई पहले ही टीबी का पूरी तरह इलाज करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि तपेदिक एक इलाज योग्य बीमारी है। उन्होंने कहा कि अगर उपचार का पालन किया जाए तो इसे ठीक किया जा सकता है, हालांकि इसकी पुनरावृत्ति से इनकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हालांकि, आवेदक के मामले में ऐसा नहीं है कि तपेदिक की पुनरावृत्ति हुई है या उन्हें फिर से उपरोक्त बीमारी से पीड़ित पाया गया है। इसलिए, यह तथ्य कि वह वर्ष 2009 में तपेदिक के रोगी थे, इस आवेदन के निपटान के लिए बिल्कुल भी मायने नहीं रखता है। अदालत ने पिल्लई के पूर्व में कोविड से संक्रमित होने समेत अन्य दलीलों को भी खारिज कर दिया। ईडी का धन शोधन मामला सीबीआई द्वारा आबकारी नीति मामले में दर्ज प्राथमिकी पर आधारित है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी के अनुसार, दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2021 को नयी आबकारी नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 में इसे रद्द कर दिया था।

ट्रंप को जहर मिला पत्र भेजने वाली कनाडाई महिला को 22 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान उन्हें जहर मिला हुआ पत्र भेजने के मामले में एक कनाडाई महिला को 22 साल जेल की सजा सुनाई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को जिला न्यायाधीश डाबनी फ्रेडरिक ने 56 वर्षीय पास्केल फेरियर को 22 साल के जेल की सजा सुनाई। सजा पूरी करने के बाद उसे अमेरिका से निर्वासित कर दिया जाएगा और अगर वह कभी वापस लौटी, तो उसे जीवन भर निगरानी का सामना करना पड़ेगा। न्यायाधीश फ्रेडरिक ने फ़ेरियर से कहा कि उसकी हरकतें घातक और समाज के लिए हानिकारक थीं। फ़्रांस और कनाडा की दोहरी नागरिक फ़ेरियर ने अदालत से कहा कि उसे खेद है कि उसकी योजना विफल हो गई। उसने यह भी कहा कि वह खुद को एक कार्यकर्ता के रूप में देखती हैं, आतंकवादी के रूप में नहीं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, एफबीआई को ट्रंप को लिखे पत्र पर उनकी उंगलियों के निशान मिले। पत्र में उनसे राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया गया था। फ़ेरियर ने टेक्सास के आठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों से इसी तरह के पत्र भेजने की बात स्वीकार की। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 2019 में, उन्हें गैरकानूनी रूप से हथियार ले जाने और बिना वैध लाइसेंस के गाड़ी चलाने के लिए राज्य में लगभग 10 सप्ताह तक हिरासत में रखा गया था और उन्होंने उस हिरासत के लिए उन अधिकारियों को दोषी ठहराया था। फ़ेरियर को सितंबर 2020 में बफ़ेलो, न्यूयॉर्क में सीमा पार करते हुए गिरफ्तार किया गया था। वह एक बंदूक, चाकू और गोला-बारूद ले जा रही थी। बाद में उसने स्वीकार किया कि उसने अपने क्यूबेक स्थित घर में रिसिन - अरंडी की फलियों के प्रसंस्करण से बचे अपशिष्ट पदार्थ से जहर बनाया था और इसे पत्र के साथ एक लिफाफे में रखा था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में जैविक हथियार के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद वह सजा पर सहमत हो गई थी। गौरतलब है कि 2014 में, तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा और अन्य अधिकारियों को राइसिन युक्त पत्र भेजने के बाद मिसिसिपी के एक व्यक्ति को 25 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

साउथ चाइना सी में एयरस्ट्रिप बना रहा चीन

बीजिंग , एजेंसी।
चीन साउथ चाइना सी में हवाई पट्टी बना रहा है। न्यूज एजेंसी ॲक ने 2 सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर ये दावा किया है। ये एयरस्ट्रिप विवादित ट्रायटन द्वीप पर बनाई जा रही है, जो करीब 2 हजार फीट लंबी है। इस पर ड्रोन्स और टर्बोप्रॉप एयरक्राफ्ट्स आसानी से उतर सकेंगे। हालांकि, इस हवाई पट्टी की लंबाई फाइटर जेट्स के लिए पर्याप्त नहीं है।

प्लैनेट लैब्स से मिली सैटलाइट तस्वीरों के मुताबिक, ये कन्सट्रक्शन कुछ हफ्तों पहले ही शुरू हुआ है। हवाई पट्टी अभी भी निर्माणाधीन है और इस किस मकसद से बनाया जा रहा है ये अभी साफ नहीं हो पाया है। ट्रायटन आइलैंड पर सालों से दो रेडोम, एक छोटा हेलीपैड, बंदरगाह, एक ऑब्जर्वेशन स्टेशन और कई चीनी और वहां की कम्युनिस्ट पार्टी के झंडे लगे हुए हैं।

चीन ने आइलैंड पर चले रहे काम से जुड़ी जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। चीन ने कहा है कि वो एक सॉवरिन देश है और अपनी मर्जी से फैसले ले सकता है। ॲक के मुताबिक ड्रैगन ने कहा कि ये कन्सट्रक्शन ग्लोबल नेविगेशन सेफ्टी को बेहतर करने के लिए किया जा रहा है।

चीन ने उन सभी आरोपों को भी खारिज कर दिया जिसमें ये दावा किया गया था चीन जरूरी जलमार्ग का सैन्यीकरण कर रहा है। इस रास्ते से हर साल करीब 415 लाख करोड़ रुपए का ट्रेड होता है।

ॲक के मुताबिक, द्वीप पर बड़ी मात्रा में गाड़ियों के टायर के निशान, कंस्ट्रक्शन से जुड़ा सामान और कंटेनर दिखे हैं। सैटलाइट तस्वीरों में वर्क एरिया भी नजर आ रहा है, जहां सीमेंट प्लांट मौजूद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये सब चीजें पिछले एक महीने के अंदर ही वहां पहुंची हैं। एजेंसी ने बताया कि ट्रायटन आइलैंड स्प्रैटली ग्रुप में मौजूद सा ह्यूमन मेड आइलैंड को प्रतिबिंबिद करता है, जहां एयरस्ट्रिप्स, डॉक्स और मिलिट्री सिस्टम मौजूद हैं।

बेटियों से रेप करने वाला हैवान पिता, मिली 702 साल की जेल और 234 बेंत की सज़ा

कुआलालम्पुर , एजेंसी।
एक हैवान पिता को अपनी दो बेटियों के साथ रेप करने और गर्भवती के लिए 702 साल की जेल और 234 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 53 साल के शख्स ने 2018 से 2023 तक दो बेटियों से 30 बार बलात्कार करने का अपराध स्वीकार किया है। वे अब 12 और 15 साल की हैं। इस जघन्य कांड ने शहरवासियों को हिला दिया है। अदालत ने भी फैसला सुनाते वक्त हैरानी जताई और इस कृत्य को घोर अपराध करार दिया। अदालत ने मामले में टिप्पणी भी की कि दोनों सजाएं एक साथ चलनी चाहिए। मुआर इलाके से सामने आई है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) के मुताबिक, पिता के दुर्व्यवहार के बाद एक बेटी गर्भवती भी हो गई थी। एससीएमपी रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने फैसला सुनाया कि सजाएं एक साथ चलनी चाहिए।

अभियोजन पक्ष ने अपराधों की गंभीर प्रकृति के कारण कड़ी सजा पर जोर दिया था और कहा था कि इससे बच्चों को जीवन भर का आघात पहुंचा है। उस व्यक्ति के अपने कृत्य पर पछतावे के दावे के बावजूद न्यायाधीश ने हल्की सजा की उसकी अपील खारिज कर दी। न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि अपराध बेहद गंभीर थे। न्यायाधीश ने आशा व्यक्त की कि यह सजा उस व्यक्ति को अपने कार्यों पर विचार करने और अपनी गंभीर गलतियों से सीखने के लिए प्रेरित करेगी। उस व्यक्ति ने स्वयं अपनी ग़लती स्वीकार करते हुए कहा, मैं अपने कृत्यों की सज़ा स्वीकार करता हूँ। मलेशियाई कानूनी प्रणाली में बाल यौन अपराधियों के लिए इस प्रकार की लंबी जेल की सज़ा असामान्य नहीं है। इसी तरह के एक हालिया मामले में, जोहोर में एक व्यक्ति को तीन साल की अवधि में अपनी 15 वर्षीय बेटी के यौन उत्पीड़न और बलात्कार के लिए 218 साल जेल और 75 बेंत मारने की सजा सुनाई गई थी।

मस्क ने भारतीय-अमेरिकी रामास्वामी को राष्ट्रपति पद के लिए बताया होनहार उम्मीदवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने शुक्रवार को भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे विवेक रामास्वामी की प्रशंसा करते हुए उन्हें होनहार उम्मीदवार बताया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर राजनीतिक टिप्पणीकार और टॉक शो होस्ट टकर कार्लसन के साथ रामास्वामी के साक्षात्कार का एक वीडियो साझा करते हुए मस्क ने कहा, वह एक बहुत ही आशाजनक उम्मीदवार हैं। 38 साल के रामास्वामी सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने फरवरी में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन प्रतियोगिता में प्रवेश किया। वह अब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के बाद तीसरे नंबर पर हैं। टेक उद्यमी को रिपब्लिकन पार्टी के 9 प्रतिशत नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जबकि ट्रम्प को 47 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है, इसके बाद रॉन डेसेंटिस को 19 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है। रामास्वामी ने कहा है कि चीन अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा है और अगर वह सत्ता में आए तो बीजिंग के साथ पूरी तरह से संबंध विच्छेद करेंगे। उन्होंने अगले साल व्हाइट हाउस के लिए चुने जाने पर ट्रम्प को तुरंत माफ करने की बात भी कही।

ब्रिटेन में एक सिख पर दो लोगों को चाकू मारने का आरोप

लंदन, एजेंसी। लंदन के साउथहॉल में एक सामुदायिक कार्यक्रम के दौरान 25 वर्षीय एक सिख व्यक्ति पर दो लोगों की चाकू मारकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। इलफ़र्ड में बेलमोंट रोड के निवासी गुरप्रीत सिंह गुरुवार को मामले में उक्सब्रिज मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने एक बयान में कहा, सिंह को 14 सितंबर, 2023 को आइलवर्थ क्राउन कोर्ट में पेश होने के लिए हिरासत में भेज दिया गया है। 15 अगस्त को अधिकारी द ब्रॉडवे, साउथहॉल में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम की निगरानी कर रहे थे, इसी दौरान किसी ने उन्हें मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दो लोगों को चाकू से घायल पाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घटनास्थल से दो लोगों को गिरफ्तार किया, इनमें सिंह और 20 वर्षीय एक अन्य शख्स शामिल है। गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक को हिरासत में लेने में शामिल एक महिला अधिकारी के हाथ में हल्की चोट लग गई। ईलिंग में पुलिस अधीक्षक सीन लिंच ने कहा, इस घटना को छोड़कर कार्यक्रम काफी हद तक शांतिपूर्ण था। लिंच ने सोशल मीडिया पर चल रहे घटना का एक वीडियो का भी जिक्र किया और लोगों से अटकलें बंद करने का आग्रह किया। लिंच ने कहा, हम सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज से अवगत हैं, लोग इस पर टिप्पणी भी कर रहे हैं।

तूफान हिलेरी तेज, अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम में बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी।
राष्ट्रीय तूफान केंद्र (एनएचसी) के अनुसार, तूफान हिलेरी मेक्सिको के दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर में तीव्र हो रहा है और इस सप्ताहांत से अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों में संभावित रूप से भारी बारिश और बाढ़ लाने की आशंका है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, एनएचसी ने कहा कि गुरुवार रात तक, हिलेरी 120 मील प्रति घंटे की हवाओं और उससे भी तेज झोंकों के साथ श्रेणी तीन तूफान में बदल गई थी।

केंद्र ने चेतावनी दी है कि शुक्रवार को कम से कम 130 मील प्रति घंटे की हवाओं के साथ तूफान श्रेणी चार में पहुंच जाएगा। गुरुवार शाम तक तूफान मेक्सिको के काबो सान लुकास से लगभग 445 मील दक्षिण में था।

हिलेरी की बारिश दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों में शनिवार की शुरुआत में आ सकती है, और इसका सबसे बुरा प्रभाव 21 अगस्त को कैलिफ़ोर्निया में होगा। एनएचसी के हवाले से सीएनएन ने बताया कि दक्षिणी कैलिफोर्निया और दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों तक पहुंचने से पहले हिलेरी के काफी कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में भारी वर्षा हो सकती है। शनिवार से 21 अगस्त तक वहां और दक्षिणी नेवादा में 2 से 4 इंच की वर्षा हो सकती है। मुख्य रूप से 20-21 अगस्त को सबसे भारी वर्षा की उम्मीद है। एरिज़ोना, सेंट्रल कैलिफ़ोर्निया और उत्तरी नेवादा के कुछ हिस्सों में भी बारिश होने की संभावना है। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, यदि तूफान उष्णकटिबंधीय तूफान के रूप में कैलिफोर्निया में दस्तक देता है, तो यह लगभग 84 वर्षों में पहला होगा, और रिकॉर्ड पर ऐसा करने वाला केवल तीसरा उष्णकटिबंधीय तूफान होगा। एनओएए रिकॉर्ड से पता चलता है कि सबसे हालिया 1939 में एक अनाम उष्णकटिबंधीय तूफान आया था । इससे पहले, अक्टूबर 1858 में सैन डिएगो तूफान आया था। 1997 में नोरा कैलिफोर्निया में आखिरी और एकमात्र अन्य उष्णकटिबंधीय तूफान था।

चीन बोला- ताइवान मुद्दे पर आग से खेल रहा अमेरिका

बीजिंग , एजेंसी। चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू रूस के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका को घेरा है। उन्होंने कहा ताइवान मुद्दे पर अमेरिका आग से खेलने का काम कर रहा है। न्यूज एजेंसी चशिनहुआज के मुताबिक ली शांगफू ने कहा है कि चीन को रोकने के लिए अमेरिका ताइवान का इस्तेमाल कर रहा है। जबकि वो इसमें कभी कामयाब नहीं हो पाएगा।

मॉस्को में इंटरनेशनल सिक्योरिटी पर बोलते हुए शांगफू ने कहा- ताइवान को फिर से चीन में शामिल होने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान चीन का आंतरिक मसला है। इसमें वो किसी बाहरी की दखलंजदाजी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दरअसल, चीन के इस बर्ताव की वजह ताइवान के उप-राष्ट्रपति विलियम लाई का अमेरिका दौरा है। चीन ने उन्हें ट्रबल मेकर यानी मुसीबतें पैदा करने वाला कहा है। वहीं ताइवान ने चीन की इन धमकियों पर पलटवार किया था। उप राष्ट्रपति लाई ने कहा था कि ताइवान किसी भी धमकी से डरेगा नहीं और न ही पीछे हटेगा। चीन हमेशा से ही ताइवान के नेताओं के अमेरिका जाने पर आपत्ति जताता रहा है। विलियम लाई अगले साल ताइवान में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में सबसे प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में चीन नहीं चाहता है कि वो अमेरिका से करीबी बढ़ाएं। लाई ने न्यूयॉर्क में अपने समर्थकों से बातचीत के दौरान कहा- अगर ताइवान सुरक्षित है तो पूरी दुनिया सुरक्षित है। वहीं डिफेंस मिनिस्टर ली शांगफू पर अमेरिका ने 2018 में पाबंदियां लगाई थीं। अमेरिका ने ली पर पाबंदियों की घोषणा की वजह रूस से हथियार लेने को बताया था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555